दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

वर्ष 69 अंक 191 पृष्ठ 12

भोपाल, शुक्रवार 10 अप्रैल, 2026

वैशाख कृष्ण पक्ष 08, विक्रम संवत् 2083

महानगर मूल्य 5 रुपए

विधानसभा चुनाव

रिकार्ड तोड़ वोटिंग

असम	85.89%
केरल	78.27%
पुडुचेरी	89.87%

पुडुचेरी में रोबोट ने पोलिंग बूथ पर आए वोटर्स का स्वागत किया।

गुवाहाटी/तिरुवनंतपुरम/पुडुचेरी। देश के दो राज्यों असम, केरलम, केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में गुरुवार को विधानसभा चुनाव के लिए वोट डाले गए। 1950 में असम के बनने के बाद से राज्य में सबसे ज्यादा 85.89 फीसदी वोटिंग हुई। इससे पहले 2016 में 84.7 फीसदी मतदान हुआ था। पुडुचेरी में आजादी के बाद सबसे ज्यादा 89.87 फीसदी मतदान हुआ। इससे पहले का रिकॉर्ड 85 फीसदी (2006, 2011 और 2016 विधानसभा चुनाव) का था। केरलम में पिछले 49 सालों में दूसरी सबसे ज्यादा वोटिंग हुई, यहां 78.27 फीसदी वोट डाले गए। 1977 में रिकॉर्ड 79.2 फीसदी मतदान हुआ था। वोटिंग परसेंट के आंकड़े 9 अप्रैल की रात 11.30 बजे तक के हैं। चुनाव आयोग का फाइनल आंकड़े जारी करना बाकी है। असम में 126 सीटों पर 722 उम्मीदवारों का भाग्य का फैसला होगा। 35 जिलों में से 26 से ज्यादा जिलों में 80 फीसदी से ऊपर वोटिंग हुई। केरलम में 140 सीटों पर 883 उम्मीदवार मैदान में थे। 14 जिले में से दो जिलों में 80 फीसदी से ऊपर मतदान हुआ। पुडुचेरी की 30 सीटों में कुल 10 लाख मतदाता हैं। यहां दो जिले हैं। सबसे ज्यादा 90.47 फीसदी मतदान पुडुचेरी जिले में हुआ। वहीं करईकल में 86.77त्न वोटिंग हुई।

अगले माह से गांव में भी मुफ्त नहीं मिलेगा पानी!

प्रदेश में 23 हजार से अधिक पंचायतें

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश की 23 हजार से अधिक ग्राम पंचायतों में अब पीने के पानी की सप्लाई और पाइपलाइन के रखरखाव की जिम्मेदारी पूरी तरह से ग्राम पंचायतों के हवाले होगी। राज्य सरकार ने इसके लिए नए नियम तैयार कर लिए हैं। इसके तहत अब हर गांव में एक पानी समिति बनाई जाएगी। यह कमेटी न केवल नल कनेक्शन दिलाएगी, बल्कि यह भी तय करेगी कि गांव के लोगों के लिए वाटर टैक्स की दरें कतनी तय की जाएं। खास बात यह है कि अगर कोई उपभोक्ता लगातार तीन महीने तक पानी का बिल नहीं भरेगा, तो पंचायत उसका नल कनेक्शन काट सकेगी। इसके अलावा पानी की बर्बादी करने वालों पर भी नकेल कसी गई है।

पाइपलाइन से पानी फैलाते पाए जाने पर 100 से लेकर 500 रुपए तक का जुर्माना लगाया जा सकेगा। ग्राम पंचायतें अब वाटर टैक्स की राशि से ही बिजली बिल के साथ अन्य खर्च भी करेगी। सरकार ने इन नियमों में ग्राम पंचायतों को अधिकार दिया है कि वे गांव के 5 से 10 ऐसे परिवारों का पानी का बिल माफ कर सकती हैं, जो बेहद गरीब हैं या जिनमें कोई दिव्यांग या विधवा महिला है। नल-जल योजना चलाने के लिए पंचायतों को एक पंप ऑपरेटर रखने की भी छूट दी गई है, जिसका वेतन वसूले गए वाटर टैक्स की रकम से दिया जा सकेगा। पानी की शुद्धता को लेकर भी सख्ती बरती गई है। अब पंचायतों को समय-समय पर फील्ड टेस्ट किट के जरिए पानी की जांच करनी होगी और उसकी रिपोर्ट ऑनलाइन पोर्टल पर डालनी होगी। यदि पानी पीने लायक नहीं पाया गया, तो सप्लाई तुरंत रोककर उसकी लैब में जांच करानी होगी।

100-500 रुपए तक हर माह देना होगा पानी के लिए टैक्स

03 माह बिल न भरने पर कटेगा कनेक्शन

हर माह जलकर न्यूनतम रेट किए तय

प्रकार	दर (रुपए प्रतिमाह में)
घरेलू कनेक्शन (ट्राइबल ब्लॉक)	60
घरेलू कनेक्शन (मास्टर प्लान एरिया)	120
घरेलू कनेक्शन (सामान्य पंचायत)	100
स्कूल, कॉलेज जैसी सार्वजनिक संस्था	200
इंडस्ट्रीज	उपयोग की मात्रा पर
गैर घरेलू (इंडस्ट्री से अलग)	500
कनेक्शन चार्ज	
एससी/एसटी परिवार	1000
अन्य परिवार	2500
सार्वजनिक संस्था	5000
इंडस्ट्री	10000
गैर घरेलू (इंडस्ट्री से अलग)	8000

ग्रामीण अंचलों में यह व्यवस्था पहले से लागू थी, लेकिन नियम नहीं बने थे। अब नए रूल बनाए हैं। इस माह के अंत तक दावे-आपत्ति आने के बाद उनका निराकरण कर इसे लागू किया जाएगा।

छोटे सिंह
संचालक, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, मप्र

अब पंचायत को तत्काल सुधारना होगा लीकेज

नई व्यवस्था में शिकायतों के निपटारे के लिए भी समय-सीमा तय कर दी गई है। यदि किसी ग्रामीण के नल में तकनीकी खराबी आती है, तो पंचायत को उसे दो से तीन दिन के भीतर ठीक करना होगा। ग्रामीण अपनी शिकायतें सीधे पंचायत कार्यालय या सीएम हेल्पलाइन पर भी दर्ज करा सकेंगे। सरकार का मानना है कि इस नई व्यवस्था से गांवों में पानी की बर्बादी रुकेगी और लोगों को नियमित रूप से शुद्ध पेयजल मिल सकेगा। साथ ही, बिजली बिलों के भुगतान और छोटी-मोटी मरम्मत के लिए अब पंचायतों को सरकार का मुंह नहीं ताकना पड़ेगा, क्योंकि वे जल कर से मिलने वाली राशि का इस्तेमाल इन कामों में कर सकेंगी।

सूबे में बड़ी प्रशासनिक सर्जरी, 26 आईएएस के तबादले

14 जिलों के कलेक्टर बदले प्रियंक को भोपाल की कमान

विशेष संवाददाता, भोपाल। राज्य सरकार ने गुरुवार देर शाम भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 26 अधिकारियों के तबादले किए हैं। इनमें भोपाल सहित 14 जिलों के कलेक्टर बदले गए हैं। भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह को मुख्यमंत्री का सचिव बनाया गया है, जबकि धार कलेक्टर प्रियंक मिश्रा भोपाल के नए कलेक्टर होंगे। पांच जिलों के कलेक्टरों को फिर से दूसरे जिलों की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

प्रशासनिक फेरबदल की बहुप्रतीक्षित सूची सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा गुरुवार को देर शाम जारी कर दी गई, जिसमें 14 जिलों के कलेक्टर व एक संभागायुक्त को बदल दिया गया। फेरबदल में रीवा कलेक्टर प्रतिमा पाल को सागर, बैतूल कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी को रीवा, धार कलेक्टर प्रियंक मिश्रा को भोपाल, मंडला कलेक्टर सोमेश मिश्रा को नर्मदापुरम, कलेक्टर श्योपुर अर्पित वर्मा को कलेक्टर शिवपुरी और झाबुआ कलेक्टर नेहा मीना को सिवनी कलेक्टर बनाया गया है। इन सभी अधिकारियों पर राज्य सरकार ने भरोसा जताते हुए उन्हें लगातार दूसरे जिलों की जिम्मेदारी सौंपी है। इसी तरह सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के वर्ष 2014 और 2015 बैच के कई अधिकारियों को उनके बेहतर कार्यप्रणाली के चलते जिलों की कमान सौंपी है। इस सूची में जिन जिलों के कलेक्टर बदले गए हैं, उनमें से कई का कार्यकाल एक ही जिले में दो से तीन वर्ष पूरा हो चुका था। इनमें धार कलेक्टर प्रियंक मिश्रा और रीवा कलेक्टर प्रतिमा पाल शामिल हैं।

पहली बार मिली जिलों की जिम्मेदारी

इस फेरबदल में महिला आईएएस अधिकारियों को भी महत्व दिया गया है। इनमें से कई को पहली बार जिले का कलेक्टर बनाया गया है। इनमें हाउसिंग बोर्ड और फिर पर्यटन बोर्ड में बेहतर परिणाम देने की वजह से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की उपसचिव विदिशा मुखर्जी को पहली बार जिले की कमान सौंपी गई है, उन्हें नए जिले मैहर का कलेक्टर बनाया गया है। वहां की कलेक्टर रही रानी बाटड को सहकारिता विभाग में उपसचिव बनाया गया है। लोक सेवा आयोग इंदौर की सचिव राखी सहाय को उमरिया कलेक्टर, सहकारिता विभाग की उपसचिव शीला दाहिमा को श्योपुर और नगर निगम रीवा के आयुक्त डॉ. सौरभ संजय सोनवणे को बैतूल जिले का कलेक्टर बनाया गया है। ये सभी आईएएस अधिकारी पहली बार जिलों की कमान संभालेंगे।

प्रियंक मिश्रा

प्रतिमा पाल

कौशलेंद्र विक्रम

नर्मदापुरम के आयुक्त और कलेक्टर बदले: प्रशासनिक सर्जरी में नर्मदापुरम के संभागायुक्त कृष्णगोपाल तिवारी और वहां की कलेक्टर सोनिया मीना को भी बदला गया है। कमिश्नर तिवारी को आयुक्त सामाजित न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण और कलेक्टर मीना को वित्त विभाग का अपर सचिव बनाया गया है।

तीन घंटे सीएम, सीएस ने की मंत्रणा: इससे पहले गुरुवार को दोपहर 1:30 बजे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन भवन पहुंचकर मुख्य सचिव अनुराग जैन के साथ तबादलों को लेकर मंत्रणा की। दोनों अधिकारी यहां लगभग साढ़े तीन घंटे से ज्यादा समय रहे और स्थानांतरण की सूची को अंतिम रूप दिया। हालांकि, अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और विभागाध्यक्षों के नामों को लेकर भी सीएम, सीएस के बीच चर्चा हुई है, लेकिन उन नामों पर अंतिम फैसला नहीं हो सका, जिसके बाद सचिव, अवर सचिव और उपसचिव स्तर के 26 अधिकारियों के दायित्व बदले जाने का आदेश जारी कर दिया गया।

जनगणना शुरू होने से पहले फेरबदल: मध्यप्रदेश में जनगणना का कार्य 16 अप्रैल से प्रारम्भ होना है। केंद्र सरकार ने इसके लिए आदेश जारी कर राज्य सरकार से अपेक्षा की थी कि जनगणना के कार्य में लगे अधिकारियों को तय समय तक स्थानांतरित नहीं किया जाए। हालांकि, इसमें आईएएस अधिकारियों को इस दायरे से बाहर रखे जाने की बात कही जा रही है, लेकिन मध्य प्रदेश सरकार ने जनगणना शुरू होने से पहले ही आईएएस अधिकारियों को स्थानांतरित करने का आदेश जारी कर दिया।

सिवनी की कलेक्टर रही शीतला पटले को मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग का सचिव बनाया गया है।

(तबादला सूची पेज-2 पर)

प्रदेश में आईएएस की कमी, प्रतिनियुक्ति से नहीं लौटते अफसर

मप्र में 489 पद स्वीकृत, 150 से ज्यादा खाली, 50 प्रतिनियुक्ति पर, कई अफसरों पर दो से ज्यादा विभागों की जिम्मेदारी

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश में भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की कमी की वजह से यहां पदस्थ आईएएस अफसरों पर वर्क लोड ज्यादा है। राज्य में आईएएस अफसरों के 150 से ज्यादा पद रिक्त हैं। जबकि प्रदेश से बाहर प्रतिनियुक्ति पर अपनी सेवाएं देने वाले अधिकांश अफसर प्रदेश वापस नहीं लौटना चाहते। इससे मध्यप्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था गड़बड़ाई हुई है। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश में भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के 489 पद स्वीकृत है। इनमें से वर्तमान में राज्य में प्रतिनियुक्त पर गए 50 अधिकारियों सहित 391 अफसर ही विभिन्न पदों पर अपने दायित्वों का निर्वाहन कर रहे है। ऐसी स्थिति की वजह से अपर मुख्य सचिव से लेकर सचिव स्तर के अधिकारियों के पास दो से ज्यादा विभागों की जिम्मेदारी है। इसके बाद भी इन अधिकारियों को राज्य सरकार की अपेक्षा के अनुरूप खरा उतरना पड़ रहा है। जिससे उन पर वर्कलोड लगातार बढ़ता जा रहा है। यह मामला राज्यसभा में उठाया गया था, जिसमें मध्यप्रदेश के संदर्भ में पदों की कमी के बारे में जानकारी दी गई थी। सदन में लिखित रुप से बताया गया था कि मध्यप्रदेश में आईएएस, आईपीएस और आईएफएस के 203 पद रिक्त हैं।

पर्याप्त नए अधिकारी नहीं मिले

मध्यप्रदेश को पिछले कुछ वर्षो से सीधी भर्ती के नए आईएएस अधिकारी आवश्यक संख्या से कम मिले हैं। जबकि बड़ी संख्या में अधिकारी केंद्र या दूसरे राज्यों की प्रतिनियुक्ति पर हैं। इसके साथ ही प्रत्येक वर्ष बड़ी संख्या में अधिकारी सेवानिवृत्त भी हो रहे हैं, जिसकी वजह से मध्यप्रदेश में अधिकारियों की कमी लगातार बढ़ती जा रही है। इसी तरह राज्य प्रशासनिक सेवा से आईएएस के तौर पर पदोन्नत होने वाले अधिकारियों की संख्या भी काफी कम है। वर्ष 2025 में 16 राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को आईएएस संवर्ग आवंटित किया गया।

सेवानिवृत्ति तक रहे प्रतिनियुक्ति पर

मध्यप्रदेश कैडर के कई अधिकारी ऐसे हैं, जो प्रतिनियुक्ति के पदों से ही सेवानिवृत्त हो गए। उन्हें कई बार मध्यप्रदेश वापस लाने के प्रयास भी हुए, लेकिन वे वापस नहीं आए और वहीं से सेवानिवृत्त हो गए। इसी तरह आईएएस वीएल कांताराव भी रक्षा, तकनीकी विभागों में प्रतिनियुक्ति पर रहे हैं। पंकज अग्रवाल और मनोज गोविल, पल्लवी जैन गोविल, विवेक अग्रवाल सहित दूसरे कई अधिकारी हैं, जो मध्यप्रदेश में सेवाएं देने की बजाए केन्द्र सरकार में रहते सेवा निवृत्त हुए हैं।

ये अधिकारी हैं प्रतिनियुक्ति पर

अल्का उपाध्याय, नीलम शमी राव, आशीष श्रीवास्तव, अल्का उपाध्याय, अनिरुद्ध मुखर्जी, हरिरंजन राव, तरुण पिथौड़े, प्रियंका दास नीरज कुमार सिंह, राहुल हरिदास फटिंग सहित दूसरे नेता प्रतिनियुक्ति पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

कई अधिकारियों की रुचि केन्द्र

मध्यप्रदेश कैडर के कई आईएएस अधिकारी राज्य सरकार के लिए काम करने की तुलना में केंद्र सरकार की सेवा करने में अधिक रुचि रखते है। इधर मध्यप्रदेश सरकार द्वारा आईएएस अधिकारियों की कमी को पूरा करने के लिए कई बार केन्द्रीय कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग को पत्र लिखा गया है। जिसमें कहा गया है कि राज्य में प्रशासनिक कार्यो के सुचारु संचालन,सरकारी परियोजनाओं के क्रियान्वयन और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों की अत्याधिक आवश्यकता है। राज्य शासन ने प्रतिनियुक्ति पर गए अधिकारियों की वापसी के लिए भी केन्द्र से आग्रह किया है।

इस वर्ष भी 26 अधिकारी होंगे सेवानिवृत्त

मौजूदा वर्ष में भी मध्यप्रदेश कैडर के 16 आईएएस अधिकारी सेवानिवृत्त होंगे। इनमें कुछ अधिकारी वर्तमान में संभागायुक्त व जिलों के कलेक्टर है,तो कुछ मंत्रालय में बड़े विभाग संभाल रहे है। एक साल का एक्सटेंशन मिलने के बाद राज्य के मुख्य सचिव अनुराग जैन भी सितंबर 2026 को सेवानिवृत्त हो जाएंगे, बशर्ते उन्हें सरकार फिर से सेवा विस्तार न दे। इनके अलावा एसीएस स्तर की अधिकारी अलका उपाध्याय और आशीष श्रीवास्तव,चंबल संभागायुक्त सुरेश कुमार, शहडोल कलेक्टर केदार सिंह,शिवपुरी कलेक्टर रविन्द्र चौधरी भी इसी वर्ष सेवानिवृत्त होंगे। कुछ ऐसी ही स्थिति भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों की है, जिनके पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना सहित स्पेशल डीजी स्तर के अन्य अधिकारी भी सेवानिवृत्त होंगे।

संक्षिप्त खबरें

अंबेडकर जयंती पर बैंकों में अवकाश की मांग

मुख्य संवाददाता, भोपाल। केंद्र सरकार ने आदेश जारी कर डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पर 14 अप्रैल को सभी केंद्रीय सरकारी कार्यालयों में अवकाश घोषित किया है। इस आदेश में बैंक एवं वित्तीय संस्थानों के संबंध में स्पष्ट निर्देश न होने से बैंक कर्मचारियों एवं अधिकारियों के बीच असमंजस की स्थिति बनी हुई है। गुरुवार को यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) एमपी के कोऑर्डिनेटर वीके शर्मा ने इस संबंध में प्रदेश के सीएम डॉ मोहन यादव से अनुरोध किया है कि डॉ. अंबेडकर जयंती के अवसर पर राच्य के सभी बैंक एवं वित्तीय संस्थानों में भी अवकाश घोषित किया जाए। गौरतलब है कि प्रदेश सरकार नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट के तहत राच्य में स्थित केंद्र सरकार की संस्थाओं में छुट्टी घोषित कर सकती है। ऐसे में बैंक यूनियन की मांग है कि इस संबंध में प्रदेश सरकार अवकाश के लिए आदेश जारी करे।

नरसिंहपुर की पुलिस टीम को डीजीपी ने दिया नकद इनाम

मुख्य संवाददाता, भोपाल। नरसिंहपुर में करोड़ों रुपये के सायबर फर्जीवाड़े का पर्दाफाश करने वाली पुलिस टीम को डीजीपी कैलाश मकवाणा ने नकद इनाम देने की घोषणा की है। इस संबंध में जारी आदेश के अनुसार जिले की स्पेशल टीम ने 15 करोड़ के संदिग्ध लेन-देन वाले 180 म्यूल अकाउंट यानी फर्जी खातों को न केवल फ्रीज कराया, बल्कि छापेमारी कर 17 शातिर जालसाजों को जेल की सलाखों के पीछे पहुंचाया। टीम ने इस फ्रॉड का शिकार हुए लोगों को 53 लाख रुपये की रिकवरी कराई, जबकि जालसाजों के खातों में 45 लाख रुपये होल्ड भी कराए। डीजीपी ने टीम में शामिल निरीक्षक रत्नाकर हिंगवे और किशोर बामनकर को 5-5 हजार, उप निरीक्षक अनिल अजमेरिया और राहुल सोनकर को 4-4 हजार रुपये, जबकि प्रधान आरक्षक देवेन्द्र और राजेश बागरी को 3-3 हजार रुपये का पुरस्कार दिया है।

प्रदेश में आज से नारी शक्ति वंदन का उत्सव

विसं, भोपाल। शुक्रवार से प्रदेश व्यापी नारी शक्ति वंदन पखवाड़े शुरू होगा। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के प्रावधानों से जनता को अवगत कराया जाएगा राज्य शासन द्वारा इसे जन-उत्सव के रूप में आयोजित करने के निर्देश जारी किए हैं। उत्सव 25 अप्रैल चलेगा। अभियान की शुरुआत रविन्द्र भवन से होगी जहाँ प्रबुद्धजनों का एक राज्य स्तरीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसके साथ ही प्रदेश के सभी संभाग मुख्यालयों और छिंदवाड़ा, खरगोन एवं मंदसौर जिला मुख्यालयों पर भव्य नारी शक्ति वंदन सम्मेलन आयोजित होंगे। इन कार्यक्रमों में महिला सांसदों, विधायकों, महापौर व पंचायत प्रतिनिधियों सहित सफल महिला उद्यमियों को सम्मानित कर उनके अनुभवों को साझा किया जाएगा।

जून तक हो पाएगी क्षतिग्रस्त सूखीसेवनिया आरओबी की मरम्मत, परिवर्तित मार्ग से गुजर रहे भारी वाहन

10 हजार वाहनों को रोज लगाना पड़ रहा 66 किमी का चक्कर, देना पड़ रहा दो जगह टोल

- नो एंट्री खुलते ही शहर में घुस रहे वाहन
- रिंग रोड के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं

नगर संवाददाता, भोपाल। इंदौर व राजगढ़ की तरफ से आकर जबलपुर और होशंगाबाद की ओर जाने वाले वाहनों को इन दिनों 66 किलो मीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाना पड़ रहा है। इसकी वजह है भोपाल रिंग रोड का वह पुल जो सूखी सेवनिया के पास क्षतिग्रस्त है। इसके मरम्मत कार्य के चलते एमपीआरडीसी (मध्य प्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन) ने मार्ग परिवर्तित किया हुआ है। परिवर्तित मार्ग भोपाल बायपास पर विदिशा चौराहा से सूखी सेवनियां, बालमपुर की घाटी, दीवानगंज, सलामतपुर चौराहा, रायसेन होते हुए बिलखिरिया और फिर कोकता चौराहे से 11 मील को जोड़ रहा है। यह पूरा रास्ता 66 किमी का है। इस 66 किमी का चक्कर लगाने के लिए वाहनों को न सिर्फ समय खर्च करना पड़ रहा है, बल्कि डीजल और दो टोल पर पैसा भी खर्च करना पड़ रहा है। एमपीआरडीसी के अनुसार पुल की मरम्मत का काम 15 जून तक चलेगा, इसके बाद ही यह मार्ग बहाल हो पाएगा।

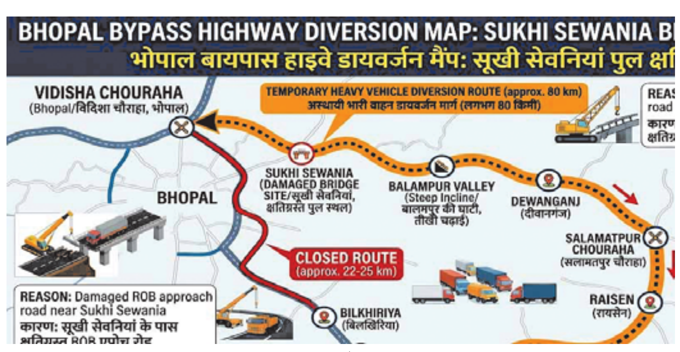

1500 का डीजल और 500 रुपए टोल

परिवर्तित मार्ग पर चलने के बाध्य भारी वाहन चालकों पर दोहरी मार पड़ रही है। उन्हें 66 किमी का अतिरिक्त चक्कर लगाने के लिए 15 लीटर डीजल एक्स्ट्रा खर्च करना पड़ रहा है, जिसकी बाजार कीमत लगभग 1500 रुपए है। इसके अलावा उन्हें इस रूट पर दो टोल चुकाने पड़ रहे हैं। इसमें पहला टोल नाका रायसेन रोड पर बीयर फैक्ट्री के पास मौजूद है। जबकि दूसरा टोल 11 मील के पास मौजूद है। दोनों टोल पर न्यूनतम शुल्क 500 से 600 रुपए के बीच है। इस तरह कुल दो हजार रुपए का खर्च एक वाहन पर पड़ रहा है।

10 लेन के लिए अयोध्या बायपास भी बंद

एमपीआरडीसी द्वारा जो परिवर्तित मार्ग चुना गया है, उसकी सबसे बड़ी वजह भोपाल में अयोध्या बायपास पर चल रहे 10 लेन सड़क का निर्माण कार्य है। गांधी नगर में आशाराम तिराहे से रत्नागिरी तक इस सड़क को 10 लेन के रूप में बनाया जा रहा है, वर्तमान में यह फॉर लेन है। निर्माण कार्य के चलते भारी वाहनों का यहां से निकल पाना नामुमकिन है। इस सड़क पर जगह जगह फ्लाई ओवर का काम चल रहा है, इससे यह सड़क बड़े वाहनों के लिए उपयुक्त नहीं बची है।

8 करोड़ से हो रही मरम्मत

सूखी सेवनिया के पास क्षतिग्रस्त हुए रेलवे ओवर ब्रिज को नए ढंग से बनाया जा रहा है। इसके लिए करीब आठ करोड़ रुपए का बजट निर्धारित किया गया है। इस काम को करने का ठेका इंदौर की एक निजी फर्म को दिया गया है। कंपनी द्वारा यहां ब्रिज के धसे हुए हिस्से को पूरा तरह से तोड़ कर नए सिरे से खड़ा किया जा रहा है। इस काम में दो से ढाई महीना लग सकता है।

रात के समय भोपाल से गुजर रहे वाहन

रात में 11 बजे से लेकर सुबह 6 बजे तक नो एंट्री खुली रहती है। इस अवधि में ज्यादातर भारी वाहन भोपाल शहर में से गुजर रहे हैं। यह वाहन एयरपोर्ट रोड व इंदौर की तरफ से आकर लालघाटी, वीआईपी रोड, पॉलीटेक्निक, न्यू मार्केट से होकर होशंगाबाद रोड पर पहुंच रहे हैं। इस कारण रात में शहर में भारी वाहनों का दबाव बढ़ गया है।

> मार्ग परिवर्तन के कारण भारी वाहनों को आर्थिक बोझ वहन करना पड़ रहा है। हमने एनएचएआई को पत्र लिखकर मांग की है कि वह दो टोल में से किसी एक टोल को फ्री कर दे, जिससे वाहनों को सिर्फ एक जगह टोल देना पड़े।
>
> **कमल पंजवाणी**, सचिव, प्रांतीय ट्रांसपोर्ट वेलफेयर एसोसिएशन

कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह की मानहानि मामले में स्टेट्स रिपोर्ट तलब

जागरण, जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने दो दशक पहले पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती के खिलाफ दायर मानहानि के मामले की स्टेटस रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। जस्टिस प्रमोद कुमार अग्रवाल की एकलपीठ ने हाईकोर्ट कि रजिस्ट्री को निर्देश दिए हैं कि निचली अदालत से बुलवाकर प्रकरण की अपडेट रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। अगली सुनवाई 27 अप्रैल को होगी। 2003 में दिग्विजय सिंह ने भोपाल के सीजेएम कोर्ट में मानहानि का यह मामला दायर किया था। जिसमें कहा गया था कि उमा भारती ने मीडिया से बातचीत के दौरान दिग्विजय सिंह पर कुछ गंभीर आरोप लगाए थे। इस बयान से उनकी छवि को नुकसान हुआ था। सुनवाई के दौरान दिग्विजय सिंह की ओर से सभी गवाहों के बयान हो गए थे। उमा भारती की ओर से नरेन्द्र बिरथरे को गवाह बनाया गया। दिग्विजय सिंह की ओर से आग्रह किया गया कि नरेन्द्र बिरथरे को दोबारा बुलाकर उनका प्रति परीक्षण किया जाए। इस आवेदन को सीजेएम कोर्ट ने 29 अगस्त 2017 को निरस्त कर दिया। इसके खिलाफ दायर पुनरीक्षण अर्जी भी 25 सितंबर 2017 को खारिज कर दी गई। इन दोनों आदेशों को चुनौती देते हुए दिग्विजय सिंह की ओर से 2017 में हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। सुनवाई के दौरान दिग्विजय सिंह की ओर से अधिवक्ता ने निचली अदालत में हो रहे विलंब की दलील दी।

दो दशक पहले पूर्व मुख्यमंत्री उमाभारती के खिलाफ दायर किया था मामला

विपक्षी दल के विरोध के बीच प्रदेश में किसानों से गेहूं की खरीदी शुरू

भाजपा ने मंडियों में किसानों का स्वागत किया, तो कांग्रेस ने प्रदर्शन किया

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश में राज्य सरकार ने गुरुवार से समर्थन मूल्य पर किसानों के गेहूं उपार्जन की शुरुआत की। पहले दिन जहां भाजपा के जनप्रतिनिधियों ने मंडियों में पहुंचकर किसानों का स्वागत किया, तो वहीं कांग्रेस ने किसानों को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए मंडियों के बाहर प्रदर्शन किया। राज्य सरकार के निर्देशानुसार भोपाल सहित प्रदेश के चार संभागों में गुरुवार को समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी प्रारम्भ हुई। पहले दिन यहां की मंडियों में पहुंचे किसानों का भाजपा कार्यकर्ताओं, विधायकों व दूसरे जनप्रतिनिधियों ने तिलक लगातार स्वागत किया। जबकि कांग्रेस ने प्रदेश भर में गेहूं उपार्जन के विषय पर प्रदर्शन कर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपे।

सरकार की नीयत में कमी: पटवारी

इधर कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी गुरुवार को बुंदेलखंड के दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने सागर और छतरपुर जिले में आने वाली कई मंडियों में किसानों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने वरादानों की कमी को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि किसानों के हितों को लेकर सरकार की नीयत में कमी है। पटवारी ने सागर की जिले के कृषि मंडी परिसर पहुंचकर किसानों की समस्याएं सुनीं और मौके पर प्रशासनिक अधिकारियों से चर्चा कर तत्काल समाधान की मांग की। इस दौरान किसानों ने मंडी में व्याप्त अव्यवस्थाओं, गेहूं खरीदी में देरी और बारदान की कमी को लेकर अपनी पीड़ा व्यक्त की। उन्होंने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आज तक प्रदेश में गेहूं खरीदी शुरू नहीं की गई है, जिससे किसान धूप में परेशान होकर मंडी के बाहर इंतजार करने को मजबूर हैं। मंडी चार दिन से बंद है और सरकार जश्न मनाने में व्यस्त है, जबकि प्रशासन एसी कमरों में बैठकर किसानों की समस्याओं से अनजान बना हुआ है। पटवारी ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के उस बयान पर भी सवाल उठाए, जिसमें किसानों की आय 8 गुना बढ़ने की बात कही गई थी। उन्होंने किसानों से सीधा सवाल करते हुए कहा, क्या वास्तव में आपकी आय बढ़ी है?

भोपाल में कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

इधर भोपाल में शहर जिला कांग्रेस और ग्रामीण कांग्रेस की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट परिसर में सरकार पर किसान विरोधी होने का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष प्रवीण सक्सेना ने सरकार पर किसानों को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि गेहूं खरीदी को लेकर लगातार लापरवाही बरती जा रही है। खरीदी की तारीखें बार -बार बदली जा रही है। जिससे किसान परेशान हो रहा है। इस मौके पर पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने कहा कि कांग्रेस किसानों के हित के लिए सरकार से सड़क की लड़ाई लड़ेगी।इस मौके पर कांग्रेस ने मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन अधिकारियों को सौंपा, जिसमें उन्होंने किसानों की समस्याओं का त्वरित समाधान करने, समय पर खरीदी प्रारंभ करने और उचित समर्थन मूल्य दिलाने का आग्रह किया।

पहले दिन 1616 क्विंटल गेहूं का उपार्जन

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि गेहूँ का उपार्जन इंदौर, उज्जैन, भोपाल और नर्मदापुरम संभाग में 9 अप्रैल से शुरु हो चुका है। पहले दिन 45 उपार्जन केन्द्रों पर 1616 क्विंटल गेहूँ का उपार्जन किया गया है। उन्होंने बताया कि शेष संभागों में 15 अप्रैल से गेहूँ का उपार्जन शुरु किया जायेगा।राजपूत ने बताया है कि प्रदेश में गेहूँ उपार्जन के लिये इस वर्ष रिकार्ड 19 लाख 4 हजार किसानों ने पंजीयन कराया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 3 लाख 60 हजार अधिक है। विगत वर्ष समर्थन मूल्य पर लगभग 77 लाख मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया गया था। इस वर्ष विपरीत परिस्थितियों के बावजूद किसानों के हित में सरकार द्वारा 78 लाख मीट्रिक टन गेहूँ के उपार्जन का लक्ष्य रखा गया है, जो कि पिछले वर्ष से एक लाख मीट्रिक टन अधिक है।

राज्य सरकार ने किए भारतीय प्रशासनिक सेवा के 26 अधिकारियों के तबादले

अधिकारी का नाम	वर्तमान पदस्थापना	नवीन पदस्थापना
कृष्ण गोपाल तिवारी	आयुक्त, नर्मदापुरम संभाग, नर्मदापुरम	आयुक्त सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण
शिल्पा गुप्ता	आयुक्त, लोक शिक्षण, मध्यप्रदेश भोपाल	सचिव गृह विभाग तथा पदेन सचिव स्कूल शिक्षा विभाग
अभिषेक सिंह	सचिव, मध्यप्रदेश शासन, गृह विभाग	आयुक्त लोक शिक्षण मप्र तथा पदेन सचिव स्कूल शिक्षा विभाग
श्रीकांत बनोठ	आयुक्त-सह-संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश, भोपाल	आयुक्त, नर्मदापुरम संभाग, नर्मदापुरम
कौशलेन्द्र विक्रम सिंह	कलेक्टर, जिला भोपाल	सचिव सीएम तथा आयुक्त-सह-संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश (अतिरिक्त प्रभार)
रवीन्द्र कुमार चौधरी	कलेक्टर, जिला शिवपुरी	अपर सचिव, नर्मदा घाटी विकास विभाग तथा जल संसाधन विभाग (अतिरिक्त प्रभार)
प्रतिभा पाल	कलेक्टर, रीवां	कलेक्टर, जिला सागर
राजीव रंजन मीना	वि.क.अ.-सह-आयुक्त-सह-संचालक, संस्थागत वित्त तथा संचालक, बजट, मध्यप्रदेश, भोपाल (अतिरिक्त प्रभार)	कलेक्टर, जिला धार
धरणेन्द्र कुमार जैन	कलेक्टर, जिला उमरिया	अपर सचिव, मध्यप्रदेश शासन, विमानन विभाग
नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी	कलेक्टर, जिला बैतूल	कलेक्टर, जिला रीवा
प्रियंक मिश्रा	कलेक्टर, जिला धार	कलेक्टर, जिला भोपाल
सोनिया मीना	कलेक्टर, जिला नर्मदापुरम	अपर सचिव, मध्यप्रदेश शासन, वित्त विभाग
सोमेश मिश्रा	कलेक्टर, जिला मण्डला	कलेक्टर, जिला नर्मदापुरम
संदीप जी.आर.	कलेक्टर, जिला सागर	वि.क.अ.-सह-श्रम आयुक्त, मध्यप्रदेश, इन्दौर
शीतला पटले	कलेक्टर, जिला सिवनी	सचिव, मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग, इन्दौर
नेहा मीना	कलेक्टर, जिला झाबुआ	कलेक्टर, जिला सिवनी
रानी बाटड	कलेक्टर, मैहर	उप सचिव, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग
सुधीर कुमार कोचर	कलेक्टर, जिला दमोह (अतिरिक्त प्रभार)	उप सचिव, मुख्यमंत्री तथा कार्यपालन संचालक, एप्को, भोपाल
अर्पित वर्मा	कलेक्टर, जिला श्योपुर	कलेक्टर, जिला शिवपुरी
राखी सहाय	सचिव, मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग, इन्दौर	कलेक्टर, जिला उमरिया
शीला दाहिमा	उप सचिव, मप्र शासन, सहकारिता विभाग	कलेक्टर, जिला श्योपुर
बिदिशा मुखर्जी	उप सचिव, मप्र शासन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग	कलेक्टर, जिला मैहर
प्रताप नारायण यादव	उप सचिव, मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विकास विभाग	कलेक्टर, जिला दमोह
राहुल नामदेव धोटे	उप सचिव, मप्र शासन, नर्मदा घाटी विकास विभाग तथा जल संसाधन विभाग (अतिरिक्त प्रभार)	कलेक्टर, जिला मण्डला
डॉ. योगेश तुकाराम भरसट	मुख्य कार्यपालन अधिकारी, आयुष्मान भारत, भोपाल	कलेक्टर, जिला झाबुआ
डॉ. सौरभ संजय सोनवणे	आयुक्त, नगर पालिक निगम, रीवा	कलेक्टर, जिला बैतूल

आरक्षक भर्ती प्रदेशभर में 9 लाख अभ्यर्थियों ने दी थी परीक्षा, 975 के नाम होल्ड

परिणाम घोषित: 6525 सफल कैंडिडेट की लिस्ट जारी

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल ने पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा का अंतिम परिणाम जारी कर दिया है। 7500 पदों के लिए आयोजित इस भर्ती परीक्षा में कुल 6,525 अभ्यर्थियों का अंतिम रूप से चयन हुआ है। मंडल ने अपनी वेबसाइट पर सफल आवेदकों की लिस्ट जारी कर दी है। अगस्त 2025 में 7500 पदों के लिए निकाली गई इस भर्ती के लिए प्रदेशभर से करीब 9 लाख से अधिक युवाओं ने आवेदन किया था। लिखित परीक्षा के बाद शारीरिक दक्षता परीक्षा के लिए 57,990 अभ्यर्थियों को शॉर्टलिस्ट किया गया था। यह शारीरिक परीक्षा 23 फरवरी से 14 मार्च 2026 तक प्रदेश के 10 केंद्रों पर आयोजित की गई थी, जिसमें 44,483 अभ्यर्थी शामिल हुए थे।

जबलपुर के सुनील टॉपर, पांचवें स्थान पर भोपाल के सूरज

रिजल्ट में इस बार ओबीसी वर्ग के कैंडिडेट्स आगे रहे हैं। टॉप-10 की लिस्ट में 7 उम्मीदवार इसी वर्ग के हैं। सूची में कुल 8 पुरुष और 2 महिलाएं शामिल हैं। मेरिट लिस्ट में जबलपुर के सुनील मीणा ने 169 अंक के साथ पहला स्थान हासिल किया है। दूसरे स्थान पर भी जबलपुर के अंकित रघुवंशी हैं, जबकि तीसरे स्थान पर नीमच के दीपक जाट, चौथे स्थान पर रीवा के आदर्श सेन और पांचवें स्थान पर भोपाल के सूरज मसीह ने स्थान हासिल किया। छठे नंबर पर भोपाल के ही देवेंद्र मेवाड़ा, सातवें स्थान पर भोपाल की आरती चौहान, आठवें स्थान पर सागर की रचना नामदेव, नौवें नंबर पर नीमच के बबलू राठौर और दसवें पायदान पर उच्जैन के यतेंद्र सिंह रहे।

87-13 के फॉर्मूले से जारी किया परीक्षा परिणाम, अब चिकित्सा परीक्षण होगा

अंतिम चयन सूची के अनुसार, सफल हुए 6,525 अभ्यर्थियों में से 5,916 को जिला पुलिस बल में जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। वहीं, 609 अभ्यर्थियों का चयन विशेष सशस्त्र बल (एसएएफ) के लिए किया गया है। अब चयनित अभ्यर्थियों का दस्तावेज़ सत्यापन और चिकित्सा परीक्षण होगा, जिसके बाद उन्हें पदस्थापना दी जाएगी। प्रदेश में आरक्षण को लेकर कोर्ट में केस चल रहा है, इस कारण कुल स्वीकृत पदों में से 87-13 फॉर्मूला के तहत परिणाम जारी किए गए हैं। ऐसे में 7500 पदों में से लगभग 975 पद (13 फीसदी) होल्ड पर रखे गए हैं। इन पदों को ओबीसी आरक्षण के मामले में कोर्ट के अंतिम निर्णय के बाद ही भरा जाएगा।

दैनिक जागरण
www.dainikjagranmpcg.com
वर्ष 69 ▸▸ अंक 191 ▸▸ पृष्ठ 12
भोपाल, शुक्रवार 10 अप्रैल, 2026
▸▸ वैशाख कृष्ण पक्ष 08, विक्रम संवत् 2083
▸▸ महानगर ▸▸ मूल्य 5 रुपए

अच्छे लोग, अच्छी किताबें तुरंत समझ में नहीं आती, उन्हें पढ़ना पड़ता है।
-अज्ञात

होर्मुज स्ट्रेट से रोजाना गुजरेंगे सिर्फ 15 जहाज

ईरान बोला-प्रोटोकॉल के उल्लंघन पर होगी सैन्य कार्रवाई

तेहरान, जेएनएन। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट से एक दिन में सिर्फ 15 जहाजों को गुजरने की अनुमति दी है। ईरान ने यह भी कहा है कि यह मंजूरी सिर्फ अमेरिका के साथ जारी अस्थायी संघर्ष विराम के दौरान ही लागू रहेगी। हालांकि, इस दौरान गुजरने वाले जहाजों को ईरान के बनाए सख्त प्रोटोकॉल का पालन करना जरूरी होगा। इस प्रोटोकॉल को न मानने वाले जहाजों के खिलाफ सख्त सैन्य कार्रवाई की जा सकती है। 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिकी-इजरायली हमलों के बाद से ही होर्मुज बंद है। इस कारण पूरी दुनिया में ऊर्जा संकट पैदा हो गया है। रूसी समाचार एजेंसी तास से बात करते हुए एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने बताया कि हर बार जहाज के गुजरने के लिए ईरान की मंजूरी, प्रोटोकॉल का पालन करना जरूरी होगा। इसके साथ कुछ शर्तें भी जुड़ी होंगी।

ईरान ने जारी किया होर्मुज स्ट्रेट का नया रूट मैप।

भारत भी अंडमान के समंदर में वसूले टोल : बग्गा

नई दिल्ली, जेएनएन। होर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजर रहे जहाजों से टोल वसूलने पर ईरान आमदा है। ईरान ने सीजफायर की शर्तों में भी इस बात को रखा है कि वो होर्मुज पर कंट्रोल चाहता है और वहां से होकर गुजर रहे जहाजों से कम से कम एक डॉलर प्रति बैरल का टोल वसूलेगा। इस बीच भारत के दिग्गज बैंकर अजय बग्गा ने भी कहा है कि अगर ईरान होर्मुज से टोल वसूल सकता है, तो भारत को भी दक्षिण अंडमान में समंदर से गुजरने वाले जहाजों से टोल वसूलना चाहिए।

ट्रंप का एक फोन और मान गए नेतन्याहू

इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने लेबनान के साथ जल्द सीधी बातचीत की मंजूरी दे दी है। उनका यह बयान तब आया है, जब लेबनान पर इजरायली बमबारी से अमेरिका-ईरान संघर्षविराम कमजोर पड़ता नजर आया है। इस बीच ट्रंप ने भी नेतन्याहू से फोन पर बात की है और लेबनान पर हमले कम करने को कहा। इसके बाद लेबनान को लेकर नेतन्याहू के सुर नरम पड़ते दिख रहे हैं। इस बातचीत में मुख्य जोर हिजबुल्लाह को निरस्त्र करने तथा पड़ोसी देशों के बीच शांतिपूर्ण संबंध स्थापित करने पर होगा। उन्होंने बेरूत को सैन्य-मुक्त क्षेत्र बनाने के लेबनान के प्रधानमंत्री के आह्वान का स्वागत किया। लेबनान की ओर से इस पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। ईरान और अमेरिका, दोनों ने ही युद्धविराम की घोषणा के बाद अपनी-अपनी जीत का दावा किया था। वे अब एक-दूसरे पर दबाव डालते नजर आ रहे हैं।

ईरान से बात मनवाने पाक का किया था यूज

वॉशिंगटन। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में सिर्फ औपचारिक वार्ताएं ही नहीं, बल्कि पर्दे के पीछे चलने वाली 'शांत कूटनीति' भी बड़े फैसलों को आकार देने में अहम होती है। ऐसा ही ईरान जंग में किया गया। अस्थायी युद्धविराम की कोशिशों में अमेरिका ने पाकिस्तान को अहम बैक-चैनल के तौर पर इस्तेमाल किया। फाइनेंशियल टाइम्स के मुताबिक, वाइट हाउस ने सीधे बातचीत के बजाय इस्लामाबाद के जरिए तेहरान तक बात पहुंचाई।

पूर्व इजराइली आर्मी चीफ का फोन हैक का दावा

ईरान से जुड़े हंदाला हैकर ग्रुप ने दावा किया है कि उसने इजराइली सेना के पूर्व प्रमुख हर्जी हलेवी के फोन और दूसरे डिवाइस हैक किए थे। हैकर ग्रुप का कहना है कि वह कई सालों से चुपचाप उनके सिस्टम में घुसा था। इस दौरान उसने हजारों फोटो और वीडियो इकट्ठा किए। उसे इजराइल की सीक्रेट मीटिंग, सेना के ठिकाने और कई अहम अंदरूनी जानकारी मिलती रहीं। ग्रुप ने कुछ फोटो और वीडियो जारी किए हैं। इनमें हलेवी अलग-अलग सैन्य ठिकानों पर जाते, मीटिंग करते, अधिकारियों से बात करते दिखते हैं। कुछ तस्वीरें उनकी निजी जिंदगी से जुड़ी हैं, जिनमें परिवार की फोटो,पहचान पत्र जैसी चीजें शामिल हैं। इन लीक में कुछ ऐसी मुलाकातें सामने आई हैं जिनके बारे में पहले सार्वजनिक जानकारी नहीं थी।

संक्षिप्त खबरें

आज से टोल पर कैश नहीं, सिर्फ यूपीआई

नई दिल्ली, जेएनएन। अगर आप भी नेशनल हाइवे और एक्सप्रेस वे पर सफर करते हैं, तो खबर आपके लिए है। अब टोल पर सिर्फ ऑनलाइन ही भुगतान करना होगा। केंद्र की ओर से 10 अप्रैल से नई व्यवस्था लागू की जा रही है, जिसके तहत कैश के जरिए टोल टैक्स का भुगतान नहीं किया जा सकेगा। अब सिर्फ यूपीआई या फास्टैग के जरिए ही टोल प्लाजा पर भुगतान किया जाएगा। अगर फास्टैग की जगह यूपीआई से टोल टैक्स का भुगतान करते हैं तो ज्यादा कीमत देनी होगी। अब फास्टैग से 100 रुपए की जगह यूपीआई से 125 रुपए का भुगतान करना पड़ेगा।

एअर इंडिया फ्लाइट का इंजन बंद, हादसा टला

मुंबई, जेएनएन। मुंबई से बेंगलुरु जा रही एअर इंडिया की एअरबस ए320 एनईओ फ्लाइट एआई 2812 गुरुवार को उड़ान भरने के करीब 20 मिनट बाद वापस मुंबई एयरपोर्ट लौटी। अधिकारियों ने बताया कि हवा में एक इंजन बंद होने पर पायलट ने रेडियो पर 'पैन-पैन' कॉल दी, जिसके बाद फ्लाइट को प्राथमिकता के आधार पर सुरक्षित लैंड कराया गया। विमानन इमरजेंसी प्रोटोकॉल में यह कॉल 'मेडे' से एक स्तर नीचे मानी जाती है। इसका मतलब स्थिति गंभीर है और तुरंत सहायता की जरूरत है, लेकिन तत्काल जानलेवा खतरे की स्थिति नहीं है। टेकऑफ के दौरान तेज आवाज सुनाई दी और चिंगारी भी दिखीं। फ्लाइट को सुबह 2.05 बजे उड़ान भरनी थी लेकिन यह करीब 2.30 बजे रवाना हुई थी।

आईपीएल में आज

राजस्थान बनाम बेंगलुरु
समय : शाम 7.30 बजे से
प्रसारण: स्टार स्पोर्ट्स और जियो हॉटस्टार पर

परिणाम: लखनऊ ने कोलकाता को 3 विकेट से हराया।

बेतवा सहित तीन बड़ी परियोजनाओं से सिंचाई क्षेत्र में समृद्ध होगा मप्रः सीएम

बोले-नदी जोड़ो से बढ़ेगा जलस्तर बड़ी आबादी को मिलेगी पानी

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि केन बेतवा सहित तीन बड़ी परियोजनाओं के चलते जहां प्रदेश के कई जिलों में भूमि जलस्तर में सुधार होगा, तो वहीं वहां की पेयजल व्यवस्था भी पहले से ज्यादा बेहतर होगी। अकेले केन बेतवा परियोजना से 10 जिलों की 41 लाख आबादी को पेयजल की सुविधा प्राप्त होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की तीन अंतर्राज्यीय सिंचाई परियोजनाएं किसानों की समृद्धि और प्रदेश की तरक्की का आधार बन रही हैं। किसानों को भरपूर पानी मिलेगा, जिससे वे एक वर्ष में तीन-तीन फसलें ले सकेंगे। उन्होंने कहा, उप्र के साथ केन-बेतवा लिंक परियोजना, राजस्थान के साथ पार्वती-चंबल-कालीसिंध परियोजना और महाराष्ट्र के साथ मेगा-तापी अंडरग्राउंड वॉटर रिचार्ज परियोजना पर कार्य किया जा रहा है। इनके पूरा होने पर मप्र में कृषि, उद्योग, पेयजल के लिए पर्याप्त मात्रा में जल उपलब्ध होगा। देश की प्रथम अंतर्राज्यीय नदी जोड़ो परियोजना केन-बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना से दो चरणों में मप्र में 8 लाख 11 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में वार्षिक सिंचाई क्षमता विकसित की जानी है। 126 एमसीएम जल से 10 जिलों की 41 लाख आबादी को पेयजल की सुविधा प्राप्त होगी।

डिजिटल तकनीक से किसान होंगे समृद्ध

मुख्यमंत्री ने कहा, सरकार किसानों के जीवन को आसान बनाने डिजिटल तकनीक का व्यापक उपयोग कर रही है। डिजिटल किसान डेटा इंटीग्रेशन से किसानों की जमीन, फसल उत्पादन से जुड़ी जानकारी एक क्लिक पर उपलब्ध हो रही है, जिससे योजनाओं का लाभ तेजी से किसानों तक पहुंचाया जा रहा है। कृषि के क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना समय की जरूरत है। डॉ. यादव ने कहा, वर्ष 2026 को प्रदेश में किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इसका उद्देश्य आधुनिक तकनीकों, अनुसंधान और नवाचार के माध्यम से किसानों के लिए लाभकारी कृषि का समग्र विकास सुनिश्चित करना है।

कांग्रेस की आज बड़ी बैठक 33% महिला आरक्षण पर बनेगा बड़ा प्लान

नई दिल्ली, जेएनएन। कांग्रेस ने महिला आरक्षण बिल को लेकर अपनी रणनीति को धार देने के लिए बड़ा कदम उठाया है। पार्टी ने शुक्रवार को दिल्ली में कांग्रेस वर्किंग कमेटी की अहम बैठक बुलाई है, जिसमें इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। यह बैठक ऐसे समय हो रही है जब महिला आरक्षण को लेकर देशभर में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। सूत्रों के अनुसार, इस बैठक में कांग्रेस के शीर्ष नेता शामिल होंगे और महिला आरक्षण बिल पर पार्टी की स्पष्ट और ठोस रणनीति तय की जाएगी। संसद के भीतर, बाहर इस मुद्दे को किस तरह उठाया जाए, इस पर भी विचार-विमर्श होगा, ताकि पार्टी राजनीतिक स्थिति को मजबूत कर सके। महिला आरक्षण बिल लंबे समय से देश की राजनीति में एक महत्वपूर्ण मुद्दा रहा है। यह बिल संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान करता है।

प्रदेश में नहीं चलेंगी 15 साल पुरानी कमर्शियल बसें: हाईकोर्ट

सरकार के फैसले को हाईकोर्ट ने सही ठहराते हुए बस आपरेटरों की याचिका की खारिज

जागरण, जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के उस महत्वपूर्ण आदेश को पूर्णतः वैध करार दिया, जिसके तहत 15 साल से अधिक पुरानी कमर्शियल बसों के संचालन पर रोक लगा दी गई थी। जस्टिस विशाल मिश्रा की एकलपीठ ने बस ऑपरेटरों द्वारा दायर सभी 10 याचिकाओं को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि राज्य सरकार को परिवहन नीति बनाने और जनता के हित में निर्णय लेने का पूर्ण अधिकार है। कोर्ट ने कहा कि जब नियमों में संशोधन को पहले ही वैध ठहराया जा चुका है, तो उस आधार पर जारी प्रशासनिक आदेश को अवैध नहीं कहा जा सकता। यात्री सुरक्षा और पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए सरकार को स्टेज कैरिज परमिट से जुड़ी नीतियां बनाने का अधिकार है। न्यायालय ने गत 27 फरवरी 2026 को सुरक्षित रखा फैसला सुनाया। मप्र सरकार ने 14 नवंबर 2025 को एक आदेश जारी किया था। जिसमें 15 साल की समय सीमा पूरी कर चुके व्यावसायिक वाहनों (विशेषकर बसों) को सड़कों से हटाने का निर्देश दिया गया था। प्रदेश में वर्तमान में 899 ऐसी बसें चल रही हैं जो अपनी आयु सीमा पार कर चुकी हैं। बस संचालकों ने तर्क दिया था कि उनके पास वैध फिटनेस सर्टिफिकेट, परमिट मौजूद हैं। सभी याचिकाकर्ताओं के पास वैध स्टेज कैरिज परमिट हैं। परमिट का समय-समय पर नवीनीकरण भी कराया गया है। फिटनेस सर्टिफिकेट और टैक्स भी नियमित रूप से जमा किए गए हैं।

हमारे उत्तम कलेक्शन को देखने के लिए स्कैन करें।
अब www.reliancejewels.com पर भी उपलब्ध
भोपाल : शॉप नं. जी/11, डी बी मॉल, अरेरा हिल्स के सामने, एमपी नगर, फोन : 8815213119 / 9238106118 | **इंदौर :** सत्यराज बिल्डिंग, मल्हार मॉल के सामने, ए बी रोड, फोन : 9201776394 / 9425974347
NETWORK RJ85-26 MP Hin

संक्षिप्त खबरें

आज से गर्मी का दौर, दिन और रात के तापमान में होगी बढ़ोतरी

नगर संवाददाता, भोपाल। प्रदेश में मौसम फिलहाल साफ हो रहा है। गुरुवार को कुछ जिलों को छोड़कर शेष मप्र में तेज धूप निकली व तापमान में इजाफा हुआ। मौसम केंद्र भोपाल से मिली जानकारी अनुसार एमपी में 10 अप्रैल से तेज गर्मी का दौर शुरू होगा। एक अनुमान के मुताबिक दिन के तापमान में 5 से 6 डिग्री तक की बढ़ोतरी होने की संभावना है। गुरुवार को जरूर कुछ जिलों में बारिश, आंधी और गरज-चमक का दौर रहा, इनमें अनूपपुर, डिंडौरी का नाम शामिल है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के लिए उमरिया, शहडोल, डिंडौरी, अनूपपुर, मंडला, सिवनी, बालाघाट में आंधी, बारिश और गरज-चमक का अलर्ट जारी किया है। प्रदेश की राजधानी भोपाल में गुरुवार को दिन का अधिकतम तापमान 34 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार इसमें आने वाले दिनों में 5 से 6 डिग्री की बढ़ोतरी हो सकती है। वहीं 15 अप्रैल से एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है, हालांकि इसका असर कितना रहेगा, अभी इसका अनुमान नहीं लगाया गया है।

आउटसोर्स कर्मचारियों के हित में बीएमएस करेगा आंदोलन

नगर संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश में विभिन्न विभागों में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर भारतीय मजदूर संघ ने व्यापक आंदोलन की तैयारी शुरू कर दी है। संघ के मंत्री एवं आउटसोर्स प्रभारी राजन नायर ने बताया कि प्रदेश में बड़ी संख्या में आउटसोर्स कर्मचारी कार्यरत हैं, लेकिन उन्हें वेतन, सेवा सुरक्षा और श्रम कानूनों के पालन जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित रहना पड़ रहा है। इसी मुद्दे को लेकर हाल ही में मजदूर कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रदेशभर से जिला मंत्री और आउटसोर्स संगठनों के पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में कर्मचारियों की प्रमुख मांगों और आंदोलन की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की गई। संघ ने स्पष्ट किया कि उनकी मुख्य मांगों में समान कार्य के लिए समान वेतन लागू करना, सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करना, श्रम कानूनों का सख्ती से पालन कराना शामिल है।

तीन महीने से हत्या के प्रयास के मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। हत्या के प्रयास और अड़ीबाजी के मामले में तीन माह से फरार चल रहे आरोपी कृष्णा नगेले को कोलार पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसने गोवा में वेटर बनकर फरारी काटी। पुलिस ने उसे बांसखेड़ी इलाके से पकड़ा है। पूर्व में पकड़े गए आरोपी कुख्यात बदमाश दुर्गेश यादव उर्फ जीतू यादव की निशानदेही पर पुलिस ने उसे दबोच लिया। पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया है। कोलार थाना प्रभारी संजय सोनी ने बताया कि ऋषभ बैरागी (18) पिता लक्ष्मण बैरागी बैरागढ़ चीचली राम मंदिर के पास कोलार रोड में रहता है। 2 जनवरी 2026 की रात साढ़े आठ बजे उस पर और उसके पिता पर आरोपी दुर्गेश यादव उर्फ जीतू ने अपने साथियों के साथ पैसों की अड़ीबाजी पर धारदार हथियार से हमला कर दिया था। इस पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी थी।

तंबाकू की खपत को नियंत्रण करने कई विभाग मिलकर कर रहे काम

नगर संवाददाता, भोपाल। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम को लेकर गुरुवार को जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक कलेक्टर कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में कोटपा एक्ट 2003 प्रावधानों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी सुमित पांडे द्वारा तंबाकू नियंत्रण गतिविधियों के बेहतर क्रियान्वयन के लिए सभी विभागों को समन्वित रूप से कार्य करने के निर्देश दिए गए। बैठक में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त नीतू सिंह ठाकुर, तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ ज्योतिर्मय चक्रवर्ती सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। तंबाखू नियंत्रण कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर अन्य विभाग भी काम कर रहे हैं। साथ ही साथ निगरानी एवं चालानी कार्रवाई भी की जा रही है। विशेषकर युवाओं को तंबाकू उत्पादों के उपयोग को हतोत्साहित कर तंबाकू नियंत्रण कानून का पालन सुनिश्चित करवाया जा रहा है। बैठक में बताया गया कि भारत सरकार ने तंबाकू के बढ़ते उपयोग को रोकने के लिए 18 मई 2003 को तंबाकू नियंत्रण अधिनियम 2003 पारित किया है।

अयोध्या बायपास सहित अन्य इलाकों में आज बिजली कटौती

जागरण संवाददाता, भोपाल। शहर में शुक्रवार को अयोध्या बायपास और गांधी नगर सहित अन्य इलाकों में बिजली सप्लाई बाधित रहेगी। कोलार कॉलोनी, दुर्गा नगर, शांति नगर, पत्रकार कॉलोनी, प्रियदर्शनी नगर, दानिश नगर, निखिल होम्स, कुंजन नगर, च्योति नगर एवं आसपास के इलाकों में सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक बिजली सप्लाई बाधित रहेगी। वहीं अयोध्या बायपास स्थित माहोली, काकड़ा अभिनव होम्स, सागर हाइट्स, अयोध्या नगर के सेक्टर, सागर स्टेट, शारदाकुंज, अभिनव कृति, शिव नगर, उड़िया बस्ती, विश्वकर्मा नगर, जनता क्वार्टर, मौलवी नगर, कमला नगर, हनीफ कॉलोनी, आशियाना कॉलोनी, पारस नगर एवं आसपास के इलाकों में सुबह 10 से शाम 4 बजे तक, सागर बंगलो, गोविंदपुरा, बंजारा बस्ती, लेक पर्ल स्प्रिंग, गांधी नगर मार्केट, अर्जुन वार्ड, प्रताप वार्ड, सेक्टर-5 एवं आसपास के इलाकों में भी सुबह 10 से शाम 4 बजे तक बिजली सप्लाई बंद रहेगी।

किसान की हत्या करने वाले गिरफ्तार

जागरण, भोपाल। बैरसिया पुलिस ने पुरानी रंजिश के चलते किसान की हत्या करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार 5 अप्रैल 2026 को रमगढ़ा निवासी सुरेश जोगी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसके भाई राजेश जोगी की गांव में रहने वाले दयाराम गुर्जर और उसके बेटे उत्तम गुर्जर ने बल्लम और डंडों से हमला कर उसकी हत्या कर दी। इस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। इस दौरान मुखबिर से पुलिस को सूचना मिली कि दोनों आरोपी गांव से फरार होकर जंगल में छिपे हैं। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

कार्यकर्ताओं की सुनीं समस्याएं

विसं, भोपाल। प्रदेश सरकार के राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने गुरुवार को भाजपा कार्यालय में प्रदेश भर से आए पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद किया और उनकी समस्याओं का निराकरण कराने की पहल की। पूर्वान्ह 11 बजे भाजपा मुख्यालय पहुंचे मंत्री वर्मा ने पार्टी कार्यकर्ताओं एवं आमजनों से की जनसमस्याओं को सुना और संभव होने पर उनका त्वरित समाधान किया। प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने गुरूवार को निवाड़ी जिले के ओरछा में छोटी टोली बैठक को संबोधित किया।

अंडर ग्राउंड नालों के लिए संसाधन नहीं कर्मचारी को उतारकर कराई गई सफाई

सामने आई नगर निगम की लापरवाही, स्वच्छता मित्र को कमर तक गंदे पानी में उतारा

जागरण संवाददाता, भोपाल। शहर के अंडर ग्राउंड नालों की सफाई करने के लिए नगर निगम के पास कोई तकनीकी एक्सपर्ट और मशीनें नहीं हैं। आज भी सीवेज और गंदे नालों की सफाई के लिए लोगों का ही सहारा लिया जाता है। गुरुवार को भी ऐसा ही एक नजारा शहर के हमीदिया रोड इलाके में देखने को मिला। जहां अल्पना तिराहे से भारत टॉकीज तक चल रही अंडर ग्राउंड नाले की सफाई के दौरान स्वच्छता मित्र को सीधे कमर तक भरे पानी में उतार दिया गया। इस दौरान स्वच्छता मित्र का काम अंडर ग्राउंड नाले के अंदर से टायर से बंधा हुआ तार निकालना था, ताकि इस तार को जेसीबी मशीन से बांधा जा सके। जेसीबी मशीन से तार को बांधने के बाद इसे खींचा जा रहा था, जिससे टायर अंदर नाले में मौजूद सिल्ट को दूसरी ओर लेकर आ रहा था, जिसके बाद सफाई की जा रही थी। इसके अलावा नाले के अंदर भारी मात्रा में सिंगल यूज प्लास्टिक जैसे डिस्पोजल, प्लास्टिक की कटोरी व चम्मच सहित अन्य सामान भी भरे हुए थे। भारी मात्रा में पॉलिथीन को भी नाले से निकाला गया। स्वच्छता मित्र मनोज कोरी ने बताया कि टायर से सफाई की जा रही है। उसे टायर में बंधे हुए तार को पकड़कर दूसरी ओर से निकालने का काम दिया गया है। इस तार का दूसरा सिरा जेसीबी से बांध दिया जाता है। जिसके बाद नाले की सफाई हो जाती है।

खतरनाक गैसें हो सकती हैं अंडर ग्राउंड नाले में

अक्सर अंडर ग्राउंड नालों, सीवेज चैंबर और अन्य भूमिगत स्थान जहां से सीवेज व ड्रेनेज की निकासी कराई जाती है। यहां पर मीथेन, कार्बन मोनो ऑक्साइड व कार्बन डाय ऑक्साइड सहित अन्य गैसें मौजूद रहती हैं। जिनके संपर्क में आते ही अक्सर स्वच्छता मित्रों की मौत हो जाती है। ऐसे में सुरक्षा के तौर पर उन्हें गैस से बचाव करने वाले मास्क दिए जाने चाहिए। इसके अलावा नालों की सफाई के लिए रोबोट भी विकसित किए जा चुके हैं, लेकिन नगर निगम भोपाल के पास ऐसी तकनीक मौजूद नहीं है, जिसके चलते स्वच्छता मित्रों को सुरक्षा दी जा सके। वहीं सफाई के दौरान स्वच्छता मित्र के पास न तो सुरक्षा के लिहाज से जूते मौजूद थे और न ही ग्लब्स व अन्य संसाधन मौजूद थे।

लैब उपकरण खरीदी में घोटाले की शिकायत मुख्य सचिव तक पहुंची

खास कंपनियों को फायदा पहुंचाने का आरोप

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश का खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) इन दिनों प्रयोगशाला उपकरणों की खरीदी को लेकर विवादों में घिरता नजर आ रहा है। आरोप हैं कि विभाग ने कुछ चुनिंदा कंपनियों को फायदा पहुँचाने के लिए न केवल सरकारी नियमों को ताक पर रख दिया, बल्कि टेंडर की शर्तों में भी ऐसे बदलाव किए जिससे टेंडर की प्रक्रिया सवालों के घेरे में आ गई। यह मामला अब मुख्य सचिव तक पहुच गया है, जिसमें करोड़ों रुपये के भ्रष्टाचार और चहेती कंपनियों को संरक्षण देने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। हालांकि इस मामले पर खाद्या एवं औषधि संचालक दिनेश श्रीवास्तव ने फिलहाल इलेक्शन ड्यूटी में प्रदेश से बाहर होने के कारण कुछ भी कहने से इंकार कर दिया है। पूरे विवाद की जड़ जेम पोर्टल के जरिए जारी किए गए टेंडर हैं। आरोप है कि साल 2025 में हुई खरीदी के दौरान ओमैट्रिक्स सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, अश्वनी एंटरप्राइजेज और शिव ट्रेडर्स इंस्ट्रूमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड जैसी कंपनियों ने कथित तौर पर फर्जी दस्तावेज और गलत टर्नओवर सर्टिफिकेट पेश किए थे, लेकिन विभाग ने उन पर कार्रवाई करने के बजाय उन्हें क्लीन चिट दे दी।

प्री बिड मीटिंग नहीं हुई फर्जी वर्क ऑर्डर के आरोप

मामले में पारदर्शिता पर सबसे बड़ा सवाल प्री-बिड मीटिंग न होने को लेकर उठ रहा है। सामान्य तौर पर ऐसे बड़े टेंडरों से पहले इच्छुक कंपनियों की बैठक बुलाई जाती है, लेकिन यहाँ ऐसा कुछ नहीं हुआ। शिकायतकर्ता का दावा है कि इन संदिग्ध फर्मों ने टेंडर हथियाने के लिए फर्जी वर्क ऑर्डर की कॉपियां तक लगा दीं और कुछ ने तो निविदा शर्तों के विपरीत चाइनीज मशीनों का कोटेशन दिया। इन तमाम गंभीर अनियमितताओं के बावजूद विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा संबंधित फर्मों को ब्लैकलिस्ट न करना और उनकी धरोहर राशि जब्त न करना कई सवाल खड़े कर रहा है। अब मांग की जा रही है कि इस पूरे घोटाले की उच्चस्तरीय जांच हो और उन दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए जिन्होंने मिलीभगत कर सरकारी खजाने को चपत लगाने की कोशिश की है।

गर्लफ्रेंड से बात करने पर युवक ने बीटेक छात्रों को मारे थे चाकू

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। गर्लफ्रेंड से बात करने पर युवक ने अपने साथियों के साथ मिलकर बीटेक छात्रों पर चाकू से जानलेवा हमला किया था। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इसके पहले उनका इलाके में जुलूस निकाला। पुलिस ने आरोपियों से वारदात में उपयोग की गई चाकू बरामद की है। अयोध्या नगर थाना प्रभारी महेश लिल्हारे ने बताया कि मंगलवार की रात दिव्यांश आर्या, धीरज वर्मा और अभिनव राय अपने घर के बाहर जीत होम्स कालोनी के गेट के पास खड़े थे। तभी आरोपी सौरभ ठाकुर उर्फ गोल्डी, रितेश, यश रघुवंशी आ गए। तीनों ने पुराने विवाद को लेकर दिव्यांश आर्या, धीरज वर्मा एवं अभिनव राय को गंदी गंदी गालियां देकर धारदार चाकू से जान से मारने की नियत से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इसके बाद आरोपी फरार हो गए। हमले में दिव्यांश को गंभीर चोट आई थी। धीरज वर्मा एवं अभिनव राय भी घायल हुए थे। सभी पीड़ित बीटेक के छात्र हैं। दिव्यांश की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी थी। गुरुवार को पुलिस ने तीनों आरोपी रितेश यादव, यश रघुवंशी एवं सौरभ सिंह ठाकुर को घेराबंदी कर दबोच लिया। आरोपी सौरभ बीटेक का छात्र है। उसकी एक लड़की से बात होती है। उसे शक है कि धीरज भी उससे बात करता है। इसी के चलते उसने वारदात को अंजाम दिया। जबकि दो अन्य आरोपी रितेश एमसीए व यश बीटेक के छात्र हैं। पुलिस ने तीनों आरोपियों को जेल भेज दिया है। यश का आपराधिक रिकार्ड है।

घर के पास आकर आरोपियों ने किया था जानलेवा हमला, तीनों आरोपी गिरफ्तार, भेजा जेल

वनकर्मी की हत्या से संघ आंदोलित, आरोपी पर रासुका लगाने की मांग

नगर संवाददाता, भोपाल। मुरैना में ट्रैक्टर से कुचलकर वनरक्षक की हत्या करने के मामले में सरकार की चुप्पी पर वन कर्मचारी संघ ने नाराजगी जताई है। संघ ने कहा है कि ड्यूटी पर तैनात वन कर्मचारियों को कानूनी सुरक्षा देने के साथ वनरक्षक भर्ती नियमों में संशोधन किया जाए। माफियाओं के विरुद्ध हत्या के साथ रासुका की कार्रवाई की जाए और लटेरी जांच आयोग की रिपोर्ट को सार्वजनिक कर उसकी सिफारिशों पर अमल किया जाए। मध्यप्रदेश वन कर्मचारी संघ ने प्रदेश में वन कर्मचारियों की समस्याओं और सुरक्षा को लेकर मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर वन अमले के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है। संघ के प्रदेश अध्यक्ष पंकज पांडेय ने पत्र में कहा है कि प्रदेश में वनकर्मियों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से वन क्षेत्र में कार्य के दौरान कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता बनी हुई हैं। कई बार कर्मचारियों को बिना पर्याप्त संसाधनों और सुरक्षा व्यवस्था के जोखिम भरे हालात में काम करना पड़ता है। संघ ने वन रक्षक को शहीद का दर्जा देने और एक करोड़ रुपए की आर्थिक मदद करने की मांग रखी है। संघ के प्रांताध्यक्ष ने कहा है कि नवंबर 2025 में तत्कालीन पीसीसीएफ एंड हॉफ ने लटेरी विदिशा न्यायिक जांच आयोग की सिफारिशों के आधार पर सरकार को सुझाव दिए थे, लेकिन वन विभाग और सरकार उन सुझावों और सिफारिशों को दबाकर बैठ गया है।

नवकार महामंत्र की गूंजीं स्वर लहरियां

विश्व शांति और मानव कल्याण की कामना के लिए जवाहर चौक जैन मंदिर में सामूहिक पाठ

108 देशों में एक साथ हुए आयोजन

जागरण, भोपाल। विश्व शांति, मानव कल्याण और सभी के मंगलमय जीवन की कामना के साथ राजधानी में नवकार महामंत्र की स्वर लहरियां गूंज उठीं। इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन जीतो के तत्वावधान में भारत सहित दुनिया के 108 देशों में एक साथ नवकार महामंत्र का पाठ किया गया। भोपाल में यह आयोजन जवाहर चौक स्थित जैन मंदिर परिसर में श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में आचार्य विद्यासागर महाराज एवं आचार्य समय सागर महाराज के शिष्य निर्यापक मुनि संभव सागर महाराज के सानिध्य में सामूहिक पाठ हुआ। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर मंत्र जाप किया, जिससे पूरे वातावरण में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ। जीतो संस्था के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत जैन और सचिव वैभव चौधरी ने बताया कि इस आयोजन के तहत भोपाल में भी घर-

घर नवकार महामंत्र का पाठ किया गया। इससे समाज में सकारात्मक ऊर्जा और एकता का संदेश गया। मुनि संभव सागर महाराज ने कहा कि नवकार महामंत्र शाश्वत और अनंत गुणों का धारक है। इसमें पंच परमेष्ठियों का स्मरण कर आत्मशुद्धि और आत्मकल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है।

महिला थाने में सर्वाइवर्स से किया संवाद

कृति सेनन ने सराहा मध्यप्रदेश पुलिस का सामुदायिक मॉडल

जागरण, भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस की सामुदायिक पुलिसिंग पहल ने गुरुवार को एक संवेदनशील और प्रेरक रूप लिया, जब संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की गुडविल एंबेसडर और अभिनेत्री कृति सेनन ने भोपाल के महिला थाने में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं, बच्चों और वंचित वर्गों के सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों को सामने लाना था। इस दौरान 'आरंभ' की अर्चना सहाय और 'संगिनी' की प्रार्थना मिश्रा ने सामाजिक मुद्दों पर अपने अनुभव साझा किए। सबसे भावुक क्षण तब आया जब सर्वाइवर्स ने नातरा प्रथा और प्रताड़ना से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। कृति सेनन ने उनसे संवाद कर उनका हौसला बढ़ाया और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

नुक्कड़ नाटक कर दिया संदेश

कार्यक्रम में बीएसएस कॉलेज के 'मयार ग्रुप' ने नुक्कड़ नाटक के जरिए नशा, बाल विवाह और कुरीतियों के खिलाफ संदेश दिया। वहीं 'सृजन कार्यक्रम' के तहत बच्चों ने मार्शल आर्ट का प्रदर्शन किया, जिसे देखकर कृति सेनन ने एक बालिका से आत्मरक्षा के गुर भी सीखे।

'शक्ति कैफे' का भ्रमण किया

अंत में उन्होंने 'शक्ति कैफे' का भ्रमण कर पुलिस की इस पहल को सराहनीय बताया। यह आयोजन संवेदनशील, भरोसेमंद और जनभागीदारी आधारित पुलिसिंग का सशक्त उदाहरण बनकर सामने आया।

संभागों में अपराधों पर नजर रखेंगे सीनियर आईपीएस

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश में कानून-व्यवस्था को और अधिक चुस्त-दुरुस्त बनाने और अपराधों पर लगाम लगाने के लिए सीएम की सीधी निगरानी वाली योजना पर काम शुरू हो गया है। गृह विभाग ने गुरुवार को 7 सीनियर आईपीएस अधिकारियों को संभागों का प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया है। ये अफसर कानून व्यवस्था और पुलिस को लेकर सीएम के दिए गए निर्देशो का संभाग स्तर पर पालन होने की निगरानी करेंगे। वरिष्ठ अफसरों को उनके वर्तमान काम के साथ-साथ इन संभागों का प्रभार भी संभालना होगा। आदेश के मुताबिक भोपाल की कमान डीजी जेल वरूण कपूर के पास होगी, जबकि उपेंद्र जैन को उच्जैन का प्रभार सौंपा गया है। सरकार ग्वालियर संभाग के लिए प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव, रीवा के लिए अनिल कुमार और इंदौर के लिए आदर्श कटियार को प्रभारी बनाने का आदेश जारी कर चुकी है।

संभागीय प्रभारी अफसरों की लिस्ट

अधिकारी का नाम एवं पद	आवंटित संभाग
वरुण कपूर, डीजी जेल	भोपाल
उपेन्द्र जैन, डीजी ईओडब्ल्यू	उच्जैन
जी अखेतो सेमा, स्पेशल डीजी जेल	चम्बल
पंकज श्रीवास्तव, स्पेशल डीजी सीआईडी	जबलपुर
रवि गुप्ता, स्पेशल डीजी रेल पुलिस	नर्मदापुरम्
अनंत कुमार सिंह, एमडी पुलिस हाउसिंग	सागर
राजाबाबू सिंह, एडीजी ट्रेनिंग	शहडोल
प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव, डीजी होमगार्ड	ग्वालियर
अनिल कुमार, स्पेशल डीजी महि सुरक्षा	रीवा
आदर्श कटियार, स्पेशल डीजी एडमिन	इन्दौर

293 शराब दुकानें अब भी नीलाम नहीं 16वें राउंड में 91 वाइन शॉप नीलाम

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश में मदिरा दुकानों की नीलामी के 16 राउंड के बाद भी 293 दुकानों के लिए ठेके नहीं हो पाए हैं। गुरुवार को नीलामी के 16वें राउंड में भी केवल 91 वाइन शॉप ही बिक सकीं। आंकड़ों के मुताबिक अब तक प्रदेश की कुल 3553 में से 3260 दुकानें ही नीलाम हो सकी हैं। आबकारी विभाग ने 2026-27 के लिए प्रदेश की सभी दुकानों का कुल रिजर्व प्राइस 19,952 करोड़ रुपये तय किया था, जो पिछले साल के मुकाबले 20 प्रतिशत अधिक था। हालांकि अब तक हुई नीलामी से सरकार को केवल 17,327 करोड़ रुपये का ही राजस्व प्राप्त हुआ है। हालांकि सरकार शेष बची दुकानों को आरक्षित मूल्य से 35 फीसदी कम पर भी देने को तैयार है, लेकिन इसके बाद भी ऑफर नहीं आ रहे हैं। गुरुवार को जिन 91 वाइन शॉप का निपटारा हुआ, उनसे करीब 421 करोड़ रुपये का राजस्व मिला, जबकि इन दुकानों की रिजर्व प्राइस 635.44 करोड़ थी। ऐसे में इन दुकानों के लिए 114 करोड़ कम रेवेन्यू हासिल हुआ। वर्तमान में जो 293 दुकानें शेष बची हैं, उनका कुल आरक्षित मूल्य 2539 करोड़ रुपये है, जबकि आबकारी विभाग के मुताबिक इन दुकानों के लिए 1120.22 करोड़ रुपये के ही ऑफर मिले हैं, जो होल्ड पर रखे गए हैं। यानी ठेकेदार तय कीमत से काफी कम दर पर दुकानें लेने की इच्छा जता रहे हैं। इन बची हुई दुकानों को बेचने के लिए विभाग अब एड़ी-चोटी का जोर लगा रहा है और कोशिश की जा रही है कि शेष दुकानों को नीलामी के अगले राउंड में हर हाल में नीलाम कर दिया जाए।

ब्यूटी कार्निवल और मास्टर क्लास में 300 प्रतिभागियों ने दिखाया हुनर

ब्राइडल रैंप शो में छाई पारंपरिक खूबसूरती सुभाष भवन में सजा ब्यूटी कार्निवल

जागरण, भोपाल। मालवीय नगर स्थित सुभाष यादव भवन में गुरुवार को आयोजित ब्यूटी कार्निवल और मास्टर क्लास में सौंदर्य, कला और आत्मविश्वास का शानदार संगम देखने को मिला। कार्यक्रम में भोपाल सहित प्रदेशभर से करीब 300 प्रतिभागियों ने हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर फिल्म अभिनेत्री सुहासी धामी, स्टेज आर्टिस्ट फिजा खान, हरिओम जटिया, संजना मोटवानी और डॉ. प्रज्ञना सहित कई अतिथि मौजूद रहे। आयोजन का संचालन राकेश बाटला ने किया।

रोशनी और संगीत के बीच रैंप देख दर्शक मंत्रमुग्ध

मास्टर क्लास में मेकअप आर्टिस्ट अनुराग राय ने लेटेस्ट ब्यूटी ट्रेंड्स और प्रोफेशनल ग्रूमिंग के टिप्स साझा किए। जिसका मुख्य आकर्षण ब्राइडल रैंप शो रहा, जहां मॉडल्स ने पारंपरिक भारतीय परिधानों में शानदार प्रस्तुति दी। रोशनी और संगीत के बीच रैंप पर हर कदम ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अंत में प्रतिभागियों को विभिन्न टाइटल्स से सम्मानित किया गया, जिससे उनका उत्साह और आत्मविश्वास बढ़ा।

नगर में आज

स्मृति व्याख्यान
▸▸ **स्थान:** गणेश शंकर विद्यार्थी सभागार, एमसीयू
▸▸ **समय:** सुबह 11 बजे से

'बाग उत्सव 2026'
▸▸ **स्थान:** गौहर महल
▸▸ **समय:** दोपहर 12 बजे से रात 10 बजे तक

सिल्क एक्सपो
▸▸ **स्थान:** दशहरा मैदान, बिट्टन मार्केट
▸▸ **समय:** सुबह 11 से रात 9 बजे

चित्र प्रदर्शनी
▸▸ **स्थान:** लिखन्दरा दीर्घा, जनजातीय संग्रहालय
▸▸ **समय:** दोपहर 12 बजे से

संक्षिप्त खबरें

बाथरूम में जलती मिली बुजुर्ग महिला, मौत

जागरण, भोपाल। चूनाभट्टी थाना क्षेत्र में बुजुर्ग महिला की जलने से मौत हो गई। घटना के वक्त वह घर में अकेली थी। पुलिस की शुरुआती जांच में बुजुर्ग ने बीमारी से परेशान होकर आग लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस के अनुसार 75 वर्षीय निर्मला पटेल सी सेक्टर, शाहपुरा में रहती थी। वह लंबे समय से ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही थीं। परिजन उनका इलाज भी करवा रहे थे। बुधवार को महिला का बेटा हिमांशु बैंक गया था। वहीं उनकी पत्नी काम पर गई थी। बुधवार दोपहर ढाई बजे उनका बेटा जब घर लौटकर आया तो बाथरूम में मां को आग में जलता देखा। इस पर परिजन तुरंत उन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। बुजुर्ग के 92 प्रतिशत जल जाने के कारण उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

वाहन चेकिंग के दौरान शातिर चोर गिरफ्तार

जागरण, भोपाल। टीटी नगर पुलिस ने वाहन चोर को गिरफ्तार कर एक बाइक जब्त की है। बरामद की गई बाइक की कीमत करीब 30 हजार रुपए आंकी जा रही है। पुलिस के अनुसार सोमवार को बाणगंगा निवासी फरियादी निखिल कुमार ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी हो गई। इस दौरान शुक्रवार को चेकिंग प्वाइंट लगाकर पुलिस ने संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी। जहां पुलिस को देखकर एक बाइक चालक यूटर्न लेकर भागने लगा। इस पर पुलिस ने उसे पकड़कर गाड़ी से संबंधित दस्तावेज मांगे। नहीं दिखाने पर पूछताछ के दौरान उसने उक्त बाइक को चोरी की होना बताया। आरोपी की पहचान 25 वर्षीय हर्ष हवेलियां निवासी बाणगंगा के रूप में हुई। आरोपी के खिलाफ पहले से ही चार आपराधिक मामले दर्ज है।

बीच सड़क पर रास्ता रोककर युवती से छेड़छाड़

जागरण, भोपाल। पिपलानी थाना क्षेत्र में युवक ने बीच सड़क पर रास्ता रोककर युवती से छेड़छाड़ की। विरोध करने पर उसने युवती को जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 18 वर्षीय अलीशा नेहरू नगर में रहती है। जहां मोहल्ले का रहने वाला युवक मुर्तजा उल्ला लंबे समय से उसका पीछा कर परेशान कर रहा था। बुधवार को उसने युवती का बीच सड़क पर रास्ता रोककर अश्लील हरकत कर छेड़छाड़ की। इधर, कोहेफिजा इलाके में चार युवकों ने 23 वर्षीय युवती से छेड़छाड़ की। पुलिस ने आरोपी फैजान, हमजा खान, अरशान, अरशद के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

342 सिलेंडरों से लदे ट्रक की जांच, 27 में 3 किलो तक कम मिली गैस

आईओसीएल डिपो से 342 एलपीजी सिलेंडर लेकर चला ट्रक 13 घंटे बाद मालीखेड़ी में पहुंचा, इस बीच निकाली गई गैस

जागरण संवाददाता, भोपाल। शहर में एलपीजी की कालाबाजारी करने वालों के हौसलें बुलंद हैं। गुरुवार को सामने आए मामले ने आईओसीएल के अधिकारी, गैस एजेंसी संचालक सहित तमाम लोगों पर ही सवालिया निशान लगा दिए हैं।

दरअसल गुरुवार को खाद्य एवं आपूर्ति विभाग को शिकायत मिली थी कि इमलिया में इंडेन गैस के सिलेंडर से लदा ट्रक अवैध रूप से खड़ा हुआ है। शिकायत के आधार पर अमले ने जब जांच की तो पता चला कि ट्रक में 342 घरेलू एलपीजी सिलेंडरों लदे हुए हैं। यह ट्रक बुधवार रात 8 बजे बकानिया स्थित आईओसीएल डिपो से मालीखेड़ी के लिए रवाना हुआ था। वाहन को रात 10 बजे तक मालीखेड़ी स्थित सैनी इंडेन गैस एजेंसी पहुंच जाना था, लेकिन सुबह 9 बजे तक यह वाहन इमलिया में ही खड़ा था। जब इसकी जानकारी खाद्य एवं आपूर्ति विभाग को मिली तो इसे मालीखेड़ी बुलाया गया और दोपहर दो बजे से नापतौल निरीक्षक गोविंद प्रसाद रायकवार और अर्पित जैन ने ट्रक में लदे सिलेंडरों की जांच की, जिसमें 50 सिलेंडरों की रेंडम जांच करने पर 27 सिलेंडरों में 1 से 3 किलो तक एलपीजी कम पाई गई। आशंका जताई जा रही है कि इस दौरान ट्रांसपोर्टर के कर्मचारियों ने ही विभिन्न गैस सिलेंडरों से एलपीजी निकाली होगी। हालांकि डिपो के कर्मचारियों और अधिकारियों की मिलीभगत से भी इंकार नहीं किया जा सकता है। नापतौल के अधिकारी गैस एजेंसी संचालक पर भी सवालिया निशान लगा रहे हैं, लेकिन एजेंसी संचालक ने तर्क दिया है कि ट्रक डिपो से आ रहा था। इस कारण पूरे मामले में उनका कोई लेना देना नहीं है।

इस तरह हुई कार्रवाई

खाद्य एवं आपूर्ति विभाग को शिकायत मिली थी कि इमलिया में इंडेन गैस एजेंसी का अवैध रूप से खड़ा हुआ है। जानकारी मिलने के बाद खाद्य विभाग के अधिकारी संदीप भार्गव सहित अन्य अमला मौके पर पहुंचा। वहां पता चला कि यह वाहन सैनी इंडेन के मालीखेड़ी स्थित गोदाम में पहुंचना था और वाहन रात 8 बजे आईओसीएल डिपो से रवाना हुआ है। जानकारी मिलने के बाद नापतौल के अधिकारियों को जानकारी दी गई। नापतौल अमले ने दोपहर 2 बजे से शाम 7 बजे तक जांच के दौरान पाया कि 27 सिलेंडरों में कम एलपीजी भरी हुई है। इस दौरान 5 सिलेंडरों पर सील भी मौजूद नहीं थी। सिलेंडर का परिवहन करने वाला ट्रक ग्वालियर की बालाजी ट्रांसपोर्ट कंपनी का है। जिसे ट्रक ड्राइवर मोहम्मद सिराज मालीखेड़ी लेकर जा रहा था। जांच के बाद वाहन को सूखी सेवनिया पुलिस के हवाले कर दिया गया है। कम वजन वाले 27 गैस सिलेंडर और 5 अन्य सिलेंडर अभिषेक गैस एजेंसी में जमा कराए गए हैं। जबकि 310 गैस सिलेंडर वापिस आईओसीएल डिपो भेज दिए गए हैं।

> इमलिया में वाहन के खड़े होने की शिकायत के बाद जब नापतौल के अमले से जांच कराई गई तो 50 सिलेंडरों में से 27 में एक एलपीजी मिली, जिसके बाद 310 सिलेंडर वापिस डिपो भेजे गए हैं। कम गैस व खुली सील वाले सिलेंडर अन्य एजेंसी पर जाम कराए गए हैं।
>
> ■ **चंद्रभान सिंह जादौन,** खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक भोपाल

> खाद्य विभाग से मिली जानकारी के बाद गैस सिलेंडरों की जांच करवाई गई है। 50 सिलेंडरों की रेंडम जांच करवाने के बाद 27 में कम गैस मिली है।
>
> ■ **नसीमुद्दीन, उपनियंत्रक** नापतौल विभाग

10 दिन में 5 मीटर ही चली टीबीएम दुर्गावती विभागीय लापरवाही के चलते अटका काम

मेट्रो के अधिकारी रोज कर रहे जर्जर इमारतों का निरीक्षण, होटल राजश्री में भी लगाई सेंटिंग

जागरण संवाददाता, भोपाल। शहर की पहली अंडर ग्राउंड मेट्रो लाइन का काम लापरवाही और सुस्ती के चलते पिछले 10 दिनों से थम गया है। हालात यह हैं कि 31 मार्च से टनल बनाने उतारी गई टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) 10 दिनों में केवल 5 मीटर ही आगे बढ़ सकी है। यानि 10 दिनों में मशीन ने औसतन 0.5 मीटर की ही खुदाई की है, जबकि इसे रोज 15 मीटर तक खुदाई करनी है। यानि 9 अप्रैल तक मशीन को 150 मीटर टनल की खुदाई कर देनी थी। टीबीएम दुर्गावती दिसंबर 2025 में भोपाल आ गई थी और मेट्रो कंपनी ने मार्च माह से टनल की खुदाई करने की बात कही थी। खुदाई के पहले 3 माह तक एसकेवेशन वर्क और मशीन के इंस्टॉलेशन का काम किया गया, लेकिन इस अवधि में पुरानी और जर्जर की इमारतों की जांच सहित इनका सुरक्षा व्यवस्था का कोई ऑडिट मेट्रो कंपनी द्वारा नहीं कराया गया, जिसके चलते वर्तमान में 10 दिनों से निर्माण कार्य रुका हुआ है। हालांकि मेट्रो कंपनी तर्क दे रहे हैं कि शुक्रवार से टीबीएम टनल बनाने का काम शुरू करेगी, लेकिन इस दौरान होटल रेड सी प्लाजा और होटल राजश्री सहित विशाल सेंटर और आगे मौजूद होटल मिलन भी टीबीएम की खुदाई में बाधा पैदा कर सकते हैं। गुरुवार को इमारतों की जांच करने मेट्रो कंपनी के अधिकारी, नगर निगम और मैनिट के जांच दल के साथ होटल राजश्री और विशाल सेंटर पहुंचे और जांच की।

बता दें कि टीबीएम में आगे का रिंग वर्क टनल की खुदाई का काम करता है, जबकि पीछे स्थित बूस्टिंग से वह आगे बढ़ती है। बताया जा रहा है कि वर्तमान में रिंग वर्क 5 मीटर की खुदाई का काम कर चुका है, जबकि बूस्टिंग से मशीन को आगे ढकेलने का काम शुरू किया जा रहा है। यह मशीन 265 मीटर का स्लोप (ढलान) बनाते हुए आगे बढ़ती है।

भोपाल स्टेशन से पुल पातरा की ओर खुदाई

टीबीएम दुर्गावती भोपाल रेलवे स्टेशन से पुल पातरा की ओर टनल की खुदाई का काम कर रही है। इस दौरान खुदाई वाले स्थान की जद में सबसे पहले होटल रेड सी प्लाजा आया, यह इमारत 45 साल पुरानी है। इसके बाद होटल राजश्री और इससे लगा हुआ विशाल सेंटर आ रहा है। यह दोनों इमारतें लगभग 70 साल पुरानी हैं। आगे होटल सूर्या, होटल मेघदूत, होटल मिलन सहित अन्य बड़ी इमारतें मौजूद हैं। इनमें होटल मिलन भी पुरानी इमारत है। ऐसे में जब इस रूट पर टनल की खुदाई की जाना थी, तो पहले इन सभी इमारतों की जांच कर ली जाना चाहिए थे। ताकि टनल निर्माण के दौरान किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति निर्मित न हो।

वाइब्रेशन भी तय मानक के भीतर रखा जाएगा

खुदाई के पूर्व मेट्रो के अधिकारियों ने बताया था कि मशीन का वाइब्रेशन तय मानक के भीतर रखा जाएगा और पिक पार्टिकल वेलोसिटी (पीपीवी) का लगातार मापन किया जाएगा। ताकि हमीदिया रोड और आसपास मौजूद इमारतों पर असर न पड़े। खुदाई के पहले मेट्रो द्वारा दावा किया गया था कि टीबीएम से खुदाई के दौरान पुरानी हेरिटेज इमारतों को कोई नुकसान नहीं होगा। न ही इमारतों को खाली कराए जाने की जरूरत पड़ेगी, लेकिन अब मशीन की जद में आ रही इमारतों को सेटिंग लगाई गई है। अफसर दबी जुबान में कह रहे हैं कि संभवतः इमारतें खाली भी कराई जा सकती हैं।

> टीबीएम मशीन ने टनल निर्माण का काम शुरू किया है। टीबीएम के बूस्टर ने रिंग वर्क को धक्का देकर टनल वाली दीवार की ओर सेट कर दिया है। सभी काम तय समय में पूरे होंगे। पुरानी इमारतों की जांच मैनिट के एक्सपर्ट कर रहे हैं।
>
> ■ **धीरज शुक्ला,** जनसंपर्क अधिकारी, एमपी मेट्रो रेल कॉरपोरेशन

एसआईटी ने लॉरेंस गैंग के फरार गुर्गे को मुरैना से दबोचा

मुख्य संवाददाता, भोपाल। लॉरेंस गैंग के खिलाफ दर्ज शिकायतों की जांच कर रही स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गैंग के एक गुर्गे को मुरैना से गिरफ्तार किया है। प्रदीप शुक्ला नाम का यह आरोपी लॉरेंस के करीबी हैरी बॉक्सर के साथ जुड़ा था और उस पर 20 हजार रुपये का इनाम घोषित था। प्रदीप की तलाश में एसआईटी पिछले एक सप्ताह से जुटी हुई थी। एसआईटी ने घेराबंदी करते हुए उसे मुरैना के शिकारपुर इलाके से उस वक्त दबोचा, जब वह शहर में दाखिल होने की कोशिश कर रहा था। गौरतलब है कि प्रदेश में लॉरेंस बिश्नोई के नाम पर फिरौती के लिए दी जा रही धमकियों के मामलों की गंभीरता को देखते हुए डीजीपी ने इनकी जांच एसआईटी को सौंपी थी। इसके बाद से इंदौर, अशोकनगर, खरगोन और भोपाल में दर्ज ऐसे सभी मामलों की पड़ताल डीआईजी राहुल लोढ़ा की टीम कर रही है।

एसआईटी से बचने बदल रहा था ठिकाना

पकड़ा गया आरोपी प्रदीप शुक्ला उत्तर प्रदेश के आगरा का रहने वाला है और वह अशोकनगर में एक व्यापारी को धमकाने और फायरिंग के मामले में फरार था। जांच में सामने आया है कि प्रदीप शुक्ला ने ही सह-आरोपी मनीष जांगिड़ को व्यापारी के घर की रेकी करने और फायरिंग करने को कहा था। इसके लिए उसने भिंड और गोवा से ऑनलाइन पैसे भी भेजे थे। इस गिरोह के तीन अन्य सदस्य पहले ही पकड़े जा चुके हैं, लेकिन मुख्य आरोपी प्रदीप लगातार अपनी लोकेशन बदलकर राजस्थान, पंजाब और उत्तर प्रदेश में छिपता फिर रहा था। प्रदीप के खिलाफ रंगदारी, फिरौती और हत्या के प्रयास जैसे गंभीर किस्म के 9 मामले पहले से दर्ज हैं। वह हैरी बॉक्सर गैंग का एक बेहद खास सदस्य है, जो तकनीक और ऑनलाइन लेनदेन का सहारा लेकर आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देता था। फिलहाल एसआईटी प्रदीप को लेकर भोपाल आई है और उससे लॉरेंस गैंग को लेकर पूछताछ की जा रही है।

नशे के इंजेक्शन की खेप के साथ तस्कर गिरफ्तार, 385 शीशी जब्त

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। हनुमानगंज पुलिस ने नशे के सौदागर को गिरफ्तार किया है। वह नशे के इंजेक्शन भोपाल से खरीदकर शहडोल लौट रहा था। इस बीच पुलिस ने उसे दबोच लिया। उसके पास 385 इंजेक्शन बरामद हुए हैं, जोकि नशे के रूप में भी उपयोग होते हैं।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया। इसके बाद जिला अदालत में पेश कर एक दिन की रिमांड पर लिया है। पुलिस पूछताछ में यह जानने की कोशिश करेगी कि उसने यह नशे के इंजेक्शन कहां से और किससे खरीदे हैं। वह शहडोल का रिकार्डेड ड्रग तस्कर है। हनुमानगंज थाना प्रभारी अवधेश सिंह भदौरिया के मुताबिक, बुधवार की रात मुखबिर से सूचना पर सिंधी कालोनी के पास मुख्य रोड से संदेही राहुल मिश्रा (29) पिता अवधेश मिश्रा निवासी वार्ड नंबर 16 न्यू बस स्टैंड सिटी स्टार होटल के पीछे बलपूर्वा सोहागपुर जिला शहडोल को हिरासत में लिया। तलाशी लेने पर उसके पास रखे बैग में एक पन्नी में 130 नग इंजेक्शन व दूसरी पन्नी में 255 नग इंजेक्शन मिले। आरोपी राहुल के पास कुल 385 नग इंजेक्शन मिले, जिनमें कुल 770 एमएल ड्रग भरा होना पाया गया। पुलिस ने राहुल से वैध लायसेंस मांगा जो वह नहीं दे पाया। इस पर पुलिस ने उसके खिलाफ केस दर्ज कर गिरफ्तार किया। जब्त किए इंजेक्शन की कीमत 21 हजार रुपए है। आरोपी का पूर्व आपराधिक रिकार्ड है। फिलहाल पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

शिवलिंग पर मिट्टी के कलश

छायाः एचसी वर्मा

कमला पार्क स्थित मंदिर मे गर्मी के दौरान शिवलिंग पर मिट्टी के कलश रखे गए हैं। इनसे लगातार पानी गिर रहा है।

इलाज

गंभीर कुपोषण के कारण एम्स के पीआईसीयू में दिया गया इलाज, दस दिन में सुधरी सेहत

कुपोषण... एम्स में भर्ती हुआ 5.5 किलो का बच्चा

नगर संवाददाता, भोपाल। भले ही सरकार कुपोषण से मुक्ति का दावा कर रही हो, लेकिन हकीकत यह है कि आज भी प्रदेश में कुपोषित बच्चे पाए जा रहे हैं। इसका उदाहरण है कि एम्स में भर्ती हुआ एक 5.5 किलोग्राम का बच्चा। जिसकी उम्र 5 साल है और उसका वजन सिर्फ 5.5 किलो। बच्चा गंभीर कुपोषण की स्थिति में एम्स लाया गया था, जहां चिकित्सकों ने उसको पीआईसीयू में भर्ती कर इलाज दिया और दस दिन में उसकी सेहत में सुधार आया। जानकारी अनुसार 58 माह के एक बच्चे को अत्यधिक कमजोरी, उल्टी, भोजन न लेने और पेशाब कम होने की शिकायत के साथ अस्पताल लाया गया। जांच में पाया गया कि बच्चा गंभीर तीव्र कुपोषण से पीड़ित है। उसका वजन मात्र 5.5 किलोग्राम था, जबकि उसकी उम्र के अनुसार अपेक्षित वजन लगभग 18 किलोग्राम होना चाहिए था। इसके साथ ही शरीर में पानी की कमी, खून की कमी (एनीमिया) और विटामिन डी की कमी जैसी जटिलताएं भी मौजूद थीं। बच्चे की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे तुरंत पीआईसीयू (बाल गहन चिकित्सा इकाई) में भर्ती किया गया, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में उपचार शुरू किया गया।

विशेष पोषण आहार से सुधरी सेहत

एम्स के चिकित्सकों द्वारा धीरे-धीरे उसकी स्थिति को स्थिर किया गया और प्रोटोकॉल के अनुसार स्मार्ट यूनिट में तैयार विशेष पोषण आहार दिया गया। बाद में ऐसा आहार शुरू किया गया जिसे घर पर भी जारी रखा जा सके। साथ ही माता और परिजनों को बच्चे के लिए संतुलित और उच्च कैलोरी युक्त भोजन तैयार करने और सही तरीके से खिलाने का प्रशिक्षण दिया गया।

नियमित मॉनीटरिंग से 7.8 किग्रा तक पहुंचा वजन

एम्स में भर्ती करने के बाद बच्चे का इलाज शुरू हुआ और 10 दिनों के उपचार के बाद बच्चे की स्थिति में सुधार हुआ और उसका वजन बढ़कर 6.06 किलोग्राम हो गया। वह सामान्य रूप से भोजन लेने लगा। डॉक्टरों ने छुट्टी के समय परिवार को नियमित फॉलो-अप, उच्च कैलोरी आहार और बच्चे की वृद्धि की निगरानी करने की सलाह दी। एक महीने बाद की जांच में बच्चे का वजन बढ़कर 7.8 किलोग्राम हो गया और उसके स्वास्थ्य में निरंतर सुधार देखा गया। यह उदाहरण दर्शाता है कि समय पर उपचार, सही पोषण और उचित देखभाल से गंभीर कुपोषण जैसी स्थिति को भी बदला जा सकता है।

पहले 1000 दिन बहुत विशेष

विशेषज्ञों ने बताया कि यदि बच्चे का वजन उम्र के अनुसार नहीं बढ़ रहा है तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। कुपोषण केवल वजन की समस्या नहीं है, बल्कि यह बच्चे के शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास को भी प्रभावित करता है। जीवन के पहले 1000 दिन, यानी गर्भावस्था से लेकर 2 वर्ष तक का समय, बच्चे के समग्र विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। अभिभावक अपने बच्चे के पोषण की स्थिति जानने के लिए पोषण ट्रैकर का उपयोग कर सकते हैं तथा नियमित अंतराल पर उसके वजन की जांच भी करवाते रहें। यदि बच्चा मध्यम कुपोषण से ग्रस्त है तो उचित आहार दें और नजदीकी आंगनवाड़ी केंद्र से संपर्क करें। वहीं यदि बच्चा गंभीर कुपोषण की श्रेणी में है तो तुरंत स्वास्थ्य कार्यकर्ता से सलाह लें या पोषण पुनर्वास केंद्र में उपचार कराएं। याद रखें, समय पर उठाया गया एक छोटा कदम आपके बच्चे का भविष्य बदल सकता है।

दिनदहाड़े पिस्टल से फायर कर दहशत फैलाने वाला बदमाश गिरफ्तार

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। ऐशबाग इलाके में दिनदहाड़े पिस्टल से हवाई फायर कर दहशत फैलाने वाले आरोपी सोहेल उर्फ दिलावर खान को मंगलवारा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से भाग निकला था। उसने पुलिस को बताया कि धमकाने के लिए वह अपने पास नकली पिस्टल रखता है। लोगों को पास आता देख उसने हवाई फायर कर दिया था। पिस्टल से सिर्फ आग निकालने के साथ धुंआ निकलता है। मंगलवारा को एक अपराध में आरोपी सोहेल फरार चल रहा था। पुलिस ने उसे मामले में भी गिरफ्तार किया है। ऐशबाग पुलिस के मुताबिक, 67 वर्षीय सरसाद खान बरखेड़ी जहांगीराबाद में रहते हैं। बुधवार सुबह करीब 11.50 बजे वह अपनी पत्नी के साथ एक गमी में शामिल होने के लिए मोपेड से जा रहे थे। वह अभी बाग उमराव दूल्हा पहुंचे थे, तभी बाइक सवार सोहेल ने उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी। बुजुर्ग ने इसका विरोध किया तो आरोपी ने उनसे बहस की। आरोपी ने कमर से पिस्टल निकाली और डराने लगा। यह देखकर उनकी पत्नी उससे भिड़ गई। आरोपी ने उनके साथ झूमाझटकी कर दी। आसपास के लोगों ने भी युवक को समझाया, लेकिन उसने किसी की बात नहीं सुनी। इस बीच महिला गिर गईं। लोगों को पास आता देख आरोपी ने फिर से पिस्टल निकाली और हवाई फायर कर दिया था। इससे इलाके में दहशत फैल गई थी। आरोपी ने धौंस जमाते हुए लोगों को डराया और बाइक लेकर मौके से फरार हो गया था। घटना के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान सोहेल उर्फ दिलावर खान निवासी करोंद के रूप में हुई थी। गुरुवार सुबह मंगलवारा पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

> **मोपेड सवार दंपति को धमकाया था, गाड़ी टकराने के बाद की थी महिला से धक्का-मुक्की**

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

युद्ध विराम : रणनीति में बदलाव का संकेत

तमाम किंतु-परंतु के बावजूद अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम की घोषणा से दुनिया को उस युद्ध से राहत मिली है, जिसने संघर्षरत पक्षों के अलावा पूरी दुनिया के लोगों के जीवन यापन को गहरे तक प्रभावित किया। निस्संदेह इस युद्ध ने पश्चिम एशिया के रणनीतिक परिदृश्य को पूरी तरह से बदलने के साथ ही वैश्विक कूटनीति पर असर डाला है। एक माह से अधिक समय तक चले इस युद्ध में विनाशकारी हवाई हमलों, होर्मुज जलडमरूमध्य की प्रभावी नाकाबंदी और सभ्यता के विनाश के खतरों के बाद अब एक अस्थायी विराम ने पूरी दुनिया को राहत दी है।

युद्ध भले ही अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच लड़ा जा रहा था, लेकिन इसने दुनिया के तमाम देशों, उसके नागरिकों, वैश्विक बाजारों और ऊर्जा पर निर्भर अर्थव्यवस्थाओं को गहरे तक प्रभावित किया। उनके लिये अस्थायी युद्ध विराम होना निस्संदेह राहतकारी खबर है। इसके बावजूद हकीकत यह है कि इस नाजुक शांति के पीछे कई चिंताजनक सच्चाइयां छिपी हुई हैं। यह सर्वविदित है कि जिन उद्देश्यों को लेकर अमेरिका-इस्राइल ने यह युद्ध शुरू किया था, वे कहीं से पूरे होते नजर नहीं आते। वह बात अलग है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बार-बार लक्ष्य पूरे होने की दलील देते रहते हैं। वहीं ईरान भी युद्ध विराम को अपनी सफलता के रूप में दर्शा रहा है। दरअसल, डोनाल्ड ट्रंप इस युद्धविराम को अमेरिकी सैन्य प्रभुत्व के प्रमाण और ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को खत्म करने के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर ईरान इसे अपनी एक रणनीतिक जीत बताता है। उसकी दलील है कि उसने दुनिया की सुपरपॉवर अमेरिका व आक्रामक इस्राइल की सेनाओं के हमलों का अकेले ही मुकाबला किया और वैश्विक तेल आपूर्ति पर अपने प्रभाव को प्रदर्शित किया है। ऐसे में कूटनीति के जानकार आशंका जता रहे हैं कि ये परस्पर विरोधी बयानबाजी स्थायी शांति की दिशा में एक कारगर कदम नहीं, बल्कि महज रणनीति में बदलाव का संकेत है।

मौजूदा परिदृश्य व लगातार संवेदनशील घटनाक्रमों के बीच कहना मुश्किल है कि यह युद्धविराम किसी तार्किक परिणति तक पहुंचेगा। कहा नहीं जा सकता कि युद्धविराम के बावजूद इस्राइल पड़ोसी देशों पर हमले रोकेगा। वह कह रहा है कि लेबनान पर उसके हमले जारी रहेंगे। एक तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति की 'पल-पल, क्षण-क्षण' बदलती बयानबाजी और दूसरी ओर इस्राइल की आक्रामक रणनीति स्थायी शांति के मार्ग में संदेह के कांटे बोती नजर आती है। ईरान भी कह रहा है कि यदि उस पर इस्राइल के हमले जारी रहते हैं तो वह सीमाओं से परे संघर्ष का विस्तार करेगा, जो निश्चित ही चिंता की बात है। युद्ध विराम की खबरों के बीच इस्राइल का लेबनान में हिजबुल्लाह को निशाना बनाना और हमले में नागरिकों के घायल होने की खबरों ने दुनिया की चिंता को बढ़ाया है। इस्राइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू का यह बयान कि लेबनान में संघर्ष का मोर्चा सक्रिय रहेगा, युद्धविराम की सीमाओं को ही दर्शाता है। अमेरिका-ईरान युद्ध के समांतर संघर्षों को नजरअंदाज करने वाला यह युद्धविराम टिकाऊ होगा, इसमें संदेह व्यक्त किया जा रहा है। इस युद्ध के बाद पाकिस्तान के प्रमुख मध्यस्थ के रूप में उभरने के बीच युद्धविराम की शर्तों की परस्पर विरोधी व्याख्याएं चिंता बढ़ाने वाली हैं।

आशंका जतायी जा रही है कि युद्ध विराम को लेकर स्पष्टता का अभाव, मामूली उल्लंघन भी समझौते को विफल कर सकते हैं। सही मायनों में देखा जाए तो यह युद्धविराम संघर्षरत पक्षों के इरादे की परीक्षा भी है। निस्संदेह, मौजूदा स्थिति वार्ताओं के लिये एक सीमित अवसर प्रदान करती है। यह भी स्पष्ट करती है कि उपलब्धियां कितनी जल्दी खोई जा सकती हैं। आशंका जतायी जा रही है कि यदि इस्लामाबाद में प्रस्तावित वार्ताएं दोनों के पक्षों के बीच जारी मतभेदों की खाई को पाटने में विफल रहती हैं तो जल्द ही क्षेत्र में युद्ध के बादल फिर से मंडरा सकते हैं।

प्रसंगवश

रेत के अवैध खनन पर रोक लगाना जरूरी

मध्य भारत में स्थित राष्ट्रीय चंबल घड़ियाल अभयारण्य तीन राज्यों में फैले एक क्षेत्र में जलीय परिवेश (लोटिक इकोसिस्टम) की रक्षा करता है। इसका अस्तित्व गंभीर रूप से लुप्तप्राय घड़ियाल, लाल मुकुट वाले कछुए और लुप्तप्राय गंगा नदी के डॉल्फिन के लिए महत्वपूर्ण है। ये तीनों प्रजातियां जीवित रहने के लिए रेत पर निर्भर करती हैं। खासकर नदी के रेतीले टीलों और रेतीले किनारों पर। फिर भी, संगठित अपराध और राज्य की निष्क्रियता उसी रेत को चुरा रही है। इसके चलते सुप्रीम कोर्ट ने स्थानीय रेत खनन माफिया को 'आधुनिक डाकू' कहा है।

उत्तर भारत में निर्माण कार्य में आई तेजी के दौरान रेत की मांग को पूरा करने के लिए इस माफिया का उदय हुआ। अदालत एवं राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) द्वारा इस गतिविधि पर प्रतिबंध लगाए जाने के बावजूद, वे तीन राज्यों - राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश - के बीच अधिकार क्षेत्र की उलझनों का फायदा उठाने में कामयाब रहे हैं। राज्य सरकारों ने भी माफिया के खिलाफ कार्रवाई करने की जिम्मेदारी दूसरों पर डालकर इस साजिश में एक तरह से सहयोग किया है। साल 2017 से 2024 के बीच, अवैध रूप से खनन की गई रेत से लदी ट्रैक्टर ट्रॉलियों ने जहां वन रक्षकों और पुलिस अधिकारियों को कुचला, वहीं खननकर्ताओं ने छापेमारी के दौरान पुलिस पर गोलियां भी चलाईं। पुलिस के मुताबिक खननकर्ताओं ने मोबाइल ऐप एवं जीपीएस का उपयोग करके गश्ती वाहनों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए स्थानीय ग्रामीणों का भी इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। खबरों से पता चलता है कि 2023 से ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में खनन गिरोह अर्ध-स्वचालित हथियारों का इस्तेमाल कर रहे हैं और अक्सर स्थानीय वन विभाग के अमले पर भारी पड़ रहे हैं।

खून-खराबे को रोकने में विफल रहने से हताश होकर, मध्य प्रदेश और राजस्थान ने इस अभयारण्य के भीतर कुछ जिलों में रेत खनन को वैध बनाने की कोशिश की। मध्य प्रदेश ने दो जिलों में सीमित खनन के लिए प्रस्ताव पेश किए थे, लेकिन एनजीटी के विरोध के चलते उसकी योजनाएं रुक गईं और राज्य ने बाद में उन प्रस्तावों को वापस ले लिया। राजस्थान ने इसी साल मार्च में इसी किस्म का प्रस्ताव रखा था, लेकिन अदालत ने इसे खारिज कर दिया। चंबल की घाटियों में पारंपरिक तरीके से खेती करना मुश्किल है। इसकी वजह से कई युवा अपनी आजीविका के लिए रेत खनन की ओर रुख करने को मजबूर हो जाते हैं। माफिया उन्हें अपने निजी सैनिकों के रूप में भर्ती करता है। नतीजतन, वन अधिकारियों को माफिया के खिलाफ कार्रवाई करने पर 'जनता की नाराजगी' का सामना करना पड़ता है। अदालत ने राजस्थान के इस कदम का स्वतः संज्ञान लिया और न्यायमूर्ति संदीप मेहता ने पिछले हफ्ते राज्य को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम और राज्य-विशिष्ट गुंडा अधिनियम की 'याद' दिलाई। अदालत की निराशा स्वाभाविक है। लेकिन हरित प्रशासन के हालिया समस्याग्रस्त इतिहास, जहां इसने नियामक की भूमिका निभाई है, के मद्देनजर अदालत द्वारा नियामक को बदलने के बजाय उसे अनुशासित करना मुनासिब है। चंबल के हिंसक इतिहास से यह सबक मिलता है कि सिर्फ ताकत के जोर से उस अर्थव्यवस्था पर ढक्कन नहीं लगाया जा सकता जो शिकायतों पर पनपती है। व्यापक स्तर पर की जाने वाली कार्रवाई से स्थानीय असंतोष और गहराएगा और उसी सामाजिक आवरण को मजबूत करेगा जो इन गिरोहों को टिकाए रखता है। स्थायी बदलाव सिर्फ वैध आजीविका को बहाल करने और विश्वसनीय एवं निष्पक्ष प्रवर्तन से ही आएगा।

युद्ध और नीति

युद्ध से संयम की अनुपस्थिति, रणनीतिक रूपरेखा की असफलता

रणनीति का मतलब अंतहीन संघर्ष नहीं

एस एस मेहता
रिटा. लेफ्टिनेंट जनरल

आजकल युद्ध खत्म नहीं होते, खिंचते जाते हैं, अपना स्वरूप बदल रहे हैं और खुद को जायज ठहराते हैं। यह रणनीति नहीं है। यह रणनीतिक रूपरेखा की असफलता है। मैंने युद्धों को खत्म होते देखा,और उन्हें खत्म होने से इनकार करते भी। सेना में, हमें युद्ध शुरू करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। हम आरंभिक व्यूह रचना, ज़ोरदार हमले, शत्रु का घेरा तोड़ने व इच्छाशक्ति कुचलने का अध्ययन करते हैं। युद्ध का विस्तार करना समझते हैं। लेकिन एक अन्य शांत अनुशासन है जो कभी रणनीति को परिभाषित करता था, लेकिन अब धीरे-धीरे धुंधला रहा है। वह है, रुकने की कला।

दरअसल, जिन संघर्षों का अंत बढ़िया हुआ, उनकी संरचना सीधी-सादी थी। दुश्मन को पूरी तरह मिटाना नहीं, बल्कि उद्देश्य में स्पष्टता रखना। तब, किसी में इतनी हिम्मत होती थी कि वह फैसला कर सके कि मिशन पूरा हो गया है। इसलिए नहीं कि दुश्मन का खात्मा हो गया, बल्कि इसलिए कि काम पूरा हो गया था। बल का इस्तेमाल हुआ। तयशुदा सीमा तक पहुंचे। फिर आया सबसे मुश्किल आदेश : रुको। घर वापसी करो। आज, वह माद्दा गायब है। कोई फैसला नहीं करता। संघर्ष खिंचते रहते हैं। बिना किसी तय अंत वाला युद्ध कोई अभियान नहीं होता। यह तो जान-माल की हानि के साथ भटकाव है।

भारत का 'गोल्ड स्टैंडर्ड' (सर्वोच्च मानक) : हमें किसी मानक की तलाश करने की ज़रूरत नहीं है। साल 1971 में, भारत ने आधुनिक इतिहास के सबसे निर्णायक अभियानों में से एक को अंजाम दिया। यह सिर्फ़ जीत नहीं थी। यह उसके बाद बरते गए संयम का उदाहरण था। हम वहां रुके नहीं रहे। हमने अपनी जीत को कब्ज़े में नहीं बदला। हमें भान था कि 'पूरा हुआ काम' कैसे दिखता है।1988 में मालदीव में, हमने दखल दिया, व्यवस्था बहाल की और वापसी कर ली। पीछे कुछ बाकी नहीं छोड़ी। कोई अन्य एजेंडा नहीं। प्रभाव अधिकतम, दखल न्यूनतम। यहां तक कि श्रीलंका में भी, जहां पर हालात बहुत पेचीदा थे, हमने तब पीछे हटने का अनुशासन दिखाया, जब हमें लगा कि अब वहां से कुछ खास हासिल नहीं होने वाला। भारत का संयम सिर्फ़ इसमें नहीं था कि उसने क्या किया, बल्कि इस बात में भी था कि उसने किन चीज़ों पर हमला न करना चुना। बुनियादी ढांचे को कभी भी निशाना नहीं बनाया। इसी आधारभूत ढांचे पर किसी भी समाज का जीवन टिका होता है। इसे तबाह करने का मतलब है, उन्हीं लोगों को सज़ा देना जिनके नाम पर अक्सर युद्धों को सही ठहराया जाता है। इसी अनुशासन ने हमारी वैधता को बनाए रखा। 'ऑपरेशन सिंदूर' पर गौर कीजिए। सटीक। तय परिधि में। उद्देश्यपूर्ण। लक्ष्य हासिल। काम पूरा। और फिर रुक जाना। हरेक मामले में, परिणामों ने साधनों को परिभाषित किया। लेकिन अब साधन खुद मकसद बनने का जोखिम उठा रहे हैं।

सिद्धांत के रूप में भटकाव : हम इसे 'हाइब्रिड वॉर', ग्रे ज़ोन या सोच-समझकर पैदा की गई अस्पष्टता कहते हैं। धरातल पर यह सरल दिखता है। सिद्धांत के आवरण में भटकाव। पश्चिम एशिया में, उद्देश्य बदलते रहते हैं जबकि युद्ध जारी है। कोई दिन निर्णायक जीत मिलने का अहसास करवाता है। अगले रोज़ लगता है लड़ाई अब लंबी खिंचेगी। बातचीत, विराम और तनाव इस कदर गडमड हो जाते हैं कि शब्दों का अर्थ ही समाप्त हो जाए।

आमजन पर असर की हकीकत : रणनीति यह भूल जाती है कि इस भटकाव की कीमत कौन चुकाएगा। रणनीतिकार मैदान ए जंग की बातें करता है। नागरिक इसकी अवधि की कीमत चुकाता है। चाय की दुकान पर बैठा व्यक्ति सिद्धांत नहीं पढ़ा होता। वह तो बाधित हुई आपूर्ति शृंखलाओं से बढ़ती कीमतों का दंश झेलता है, जो कभी स्थिर नहीं होतीं क्योंकि युद्ध अंतहीन हो चले हैं। वे अपने परिवारों को युद्धक्षेत्रों में फंसा हुआ पाता है जहां से निकलने की कोई राह नहीं। जब युद्ध का कोई निश्चित समय होता है, तो समाज संगठित होता है और उबरता है। जब नहीं तो होता, तो अर्थव्यवस्था और भावनाएं उसी के अनुरूप आकार लेने लगती हैं।

क्षमता का विरोधाभास : संघर्ष समाप्त करने के लिए हमारे पास पहले से कहीं अधिक संसाधन हैं, फिर भी हम उन्हें समाप्त करने में असमर्थ हैं। ड्रोन, साइबर ऑपरेशन और सटीक हमले घोषित युद्ध से इतर दबाव डालने का जरिया बन गए हैं। हम अनिश्चित काल तक न तो शांति और न ही युद्ध की स्थिति बनाए रख सकते हैं। यह एक तरह का जाल है। क्षमता ने निर्णय लेने की शक्ति का स्थान ले लिया है। युद्ध रोकने को जवाबदेही की आवश्यकता पड़ती है। बताने की जरूरत पड़ती है कि क्या पाया और क्या खोया। इसके लिए जिम्मेवारी लेने की जरूरत होती है। किसी नतीजे की घोषणा करने के मुकाबले में यह कह देना आसान है कि परिस्थिति स्वरूप बदल रही है।

बल का मापन : बल प्रयोग स्पष्टता और उद्देश्य के साथ किया जाए। लेकिन इसकी वैधता विवेक पर आधारित है। यदि एक थप्पड़ ही काफी है, तो लाठी क्यों? यदि उद्देश्य सुधारना है, तो एक व्यक्ति की गलती के लिए पूरे वर्ग को दंड क्यों? बुनियादी ढांचा युद्धक्षेत्र नहीं होता। यह समाज की जीवनधारा होता है। इस पर चोट करने से आप युद्ध को आकार नहीं दे रहे, बल्कि भविष्य को सजा दे रहे हैं। संतुलित प्रतिक्रिया व्यवहार सुधारती है। अंधाधुंध प्रतिक्रिया पीढ़ियों को घाव देता है जो बार-बार लौट आते हैं।

मानवता बतौर वैश्विक संसाधन : कोविड-19, जलवायु परिवर्तन और युद्धों ने एक सरल सत्य उजागर किया। किसी भी संकट का असर स्थानीय नहीं रह सकता। एक क्षेत्र में हो रहा युद्ध महाद्वीपों भर में भोजन, ईंधन, व्यापार और भरोसे को बाधित कर देता है। मानवता अब परम वैश्विक साझा संसाधन है। युद्ध से पहले ही युद्ध जीता जाना चाहिए। और यदि यह संभव न हो, तब विनाश करने की रणनीति बनाएं।

कानून जो हमने कभी सुधारे नहीं : युद्ध कभी भी कानूनविहीन नहीं रहा। इसकी हमेशा सीमाएं रही हैं। जिनेवा सम्मेलनों ने आधाररेखा स्थापित की -घायलों की रक्षा। युद्धबंदियों को बचाना, नागरिकों को अभयदान। नागरिक अब रणक्षेत्र से अधिक दूर नहीं रहे। नागरिक परिसरों पर हमला न किया जाए। जीवन-निर्वाह के लिए भोजन, पानी और आवश्यक बुनियादी ढांचे जैसी प्रणालियों को निशाना न बनाया जाए। लेकिन युद्धक्षेत्र कानून से अधिक तेज़ी से बदल रहा है। आज बिजली ग्रिड पर हमला शहरों को ठप कर देता है। अर्थव्यवस्थाएं डेटा नेटवर्क पर निर्भर हैं। आपूर्ति शृंखला की सततता पर राष्ट्र टिके हैं। इन प्रणालियों का महत्व कम नहीं। वे अपने आप में समाज हैं। और फिर भी, उन्हें निशाना समझा जा रहा। हमें नए सिद्धांतों की ज़रूरत नहीं, मौजूदा सिद्धांतों को उन युद्धों में लागू करने के लिए अनुशासन की ज़रूरत है, जो जारी हैं।

हमारा न्यूनतम दायित्व : सदियों से, सुन त्ज़ू से लेकर चाणक्य, मैक्यावली और क्लॉज़विट्ज़ तक - रणनीति का मतलब कभी भी अंतहीन संघर्ष नहीं रहा। यह उद्देश्य-क्रियान्वयन-समाप्ति युक्त रणनीति रही है। संयम कमज़ोरी नहीं, नियंत्रण है। युद्ध की शुरुआत भले रणनीति से हो, लेकिन अंत अनुशासनगत ही होना चाहिए। यदि हम यह तय नहीं कर पाएं कि युद्धों का अंत कैसे हो, तो हमें विरासत में अंतहीन संघर्ष मिलेंगे।

खुला मंच

बधाई हो, कट हुआ है...

पीए सिद्धार्थ

झुन्नू लाल जी अपनी सीट पर बैठे-बैठे एक हथेली में एक चुटकी तंबाकू में थोड़ा सा बुझा चूना मिलाने के बाद उसे अंगूठे से अच्छी तरह रगड़ने के बाद निचले होंठ में दबाते हुए संता सिंह से बोले, 'बधाई हो! सुना है आपको कट हुआ है।' संता सिंह अपनी ऐनक को एक ओर रखते हुए बोले, 'हां बड़े बाबू, आपको भी बधाई हो कि आप भी प्रदेश को मुफलिसी के जाल से बाहर निकालने में अपनी हिस्सेदारी दर्ज करवाने जा रहे हैं। पर आप 'कट हुआ' तो ऐसे बोल रहे हैं मानो किसी के यहां बेटा हुआ हो। झुन्नू लाल जी खीखी...हीही...करते हुए हंसकर बोले, 'यार! सच कहूं तो मुझे बड़ा मजा आ रहा है। इसे कहते हैं आगे-आगे दौड़ और पीछे-पीछे छोड़। सरकार का यह कदम तो मेरे घर पर बिल्कुल ठीक बैठता है। श्रीमती हर महीने के शुरू में शोर मचाती हैं कि बचत करनी है। कभी दूध में कट, कभी सब्जी में, कभी लोकल मिल का सुपर फाइन आटा। ग्रोसरी स्टोर में घंटों लगाकर एक-एक सामान खरीदते हुए उनके दामों का विश्लेषण करती हैं। फिर महीने आखिर में उन्हें यकायक याद आता है कि इस महीने कोई सूट, साड़ी, स्वेटर या जूता नहीं लिया और जो थोड़ा-बहुत बचाया होता है, उसे एक बार में खर्च कर आती हैं। फिर अगले महीने का डेफिसिट शुरू। सरकारें भी तो यही करती हैं। बचत का शोर करते हुए एकाएक किसी तुगलकी योजना का शुभारंभ कर बचत, वर्तमान और भविष्य तीनों का कबाड़ा कर देती हैं।' ' 'यार, मैं तो कई बार सोचता हूं कि उधार लेकर घी पीने की जरूरत क्या थी, राज्य में रही विभिन्न सरकारों को। अब देखो, बड़े साहिब की गाड़ी दो लाख किलोमीटर भी नहीं चली। पर उनके लिए टोयोटा की इनोवा एसक्रॉस आ रही है। घर में साहिब ने बीस साल पुरानी मारुति एस्टीम रखी है। हर महीने करोड़ों रुपए गाडियों, बंगलों और फर्नीचर पर खर्च किए जा रहे हैं। सरकार की तो शान ही निराली है।' झुन्नू जी सोचते हुए बोले। संता सिंह गहरी सोच में उतरते हुए बोले, 'आप सही फरमा रहे हैं। कुछ साल पहले सरकारों ने विश्व बैंक से उधार लेकर पर्यटन की जो ऊटपटांग योजनाएं शुरू की थीं, उनके बारे में अब सोच कर ही हंसी आती है। सिमिट्री टूरिज्म, निर्जन जगहों पर पार्क, रेस्तरां, होटेल, चौराहों का सौंदर्यीकरण और न जाने क्या-क्या। रही बात दूध, गेहूं, हल्दी पर समर्थन मूल्य की, तो बाजार में अच्छा दूध पहले ही साठ से अस्सी रुपए किलो मिल रहा है, हल्दी चार सौ और आटा साठ रुपए किलो। आपको लगता है कि इस कटौती से छह महीने में सरकार की वित्तीय हालत अच्छी हो जाएगी और हमारी तनख्वाह से कटौती बंद हो जाएगी।' झुन्नू जी हंसते हुए बोले, 'शी...। सुबह-सुबह मजाक करना अच्छी बात नहीं। चलो, अब कुछ काम कर लेते हैं।'

ट्रांसजेंडर कानून

लंबी प्रतीक्षा के बाद तीसरी प्रकृति के लिए खुली खिड़की को अचानक बंद कर दिया गया

संशोधन से मर गयी ट्रांसजेंडर कानून की आत्मा

योगेन्द्र यादव

चलिए, ट्रांसजेंडर कानून में हुए संशोधन की बात 'कामसूत्र' से शुरू करते हैं. संस्कृत साहित्य के इस कालजयी ग्रंथ में स्त्री और पुरुष के अतिरिक्त एक तृतीया प्रकृति का जिक्र किया गया है. वात्स्यायन के अनुसार, यह मामला 'प्रकृति', यानी स्वभाव या मनोवृत्ति का है, शरीर की लैंगिक बनावट का नहीं. इस तीसरी श्रेणी में वे लोग आते हैं जिनका शरीर तो पुरुष जैसा है, पर मन और हाव-भाव या तो स्त्रीरूपिणी है, या कम से कम वह नहीं है जिसे समाज पुरुष के रूप में पहचानता है. या वह जो जन्म से लड़की मानी गयी, पर जिनका आचार-व्यवहार स्त्री के लिए बनाये खांचे में फिट नहीं बैठता. वात्स्यायन इस तीसरी प्रकृति को किसी विकार की तरह देखने की बजाय, बस एक अन्य श्रेणी की तरह दर्ज करते हैं. ट्रांसजेंडर शब्द भले ही नया हो, पर पश्चिमी संस्कृति से संपर्क से सैकड़ों वर्ष पहले हमारे यहां इस बात की कमोबेश सहज स्वीकारोक्ति थी कि कुछ लोग तन से और कुछ लोग मन से पुरुष बनाम स्त्री के दो डब्बों में कैद नहीं हो सकते. हमारी भाषाओं और परंपराओं में अनगिनत कथाएं और मिसाल यह साबित करते हैं कि लैंगिक विविधता का विचार हमारे यहां कहीं बाहर से नहीं आया. दरअसल, औपनिवेशिक संस्कृति के वर्चस्व के चलते हमने इस लैंगिक विविधता के प्रति शर्म महसूस करनी शुरू की और अंग्रेजों की नकल करते हुए ऐसे सामाजिक आदर्श बनाये, जिनमें तीसरी प्रकृति के लिए जगह नहीं थी. यही नहीं, ब्रिटेन की तरह हमारे यहां भी ऐसे कानून बनाये गये, जो स्त्री-पुरुष के एकरूपी संबंध से हटकर हर संबंध और हर आचार-व्यवहार को गैरकानूनी बना देता था. सामाजिक बंदिशों और कानूनी बेड़ियों की इस मिलावट ने न जाने कितने खूबसूरत रिश्तों को पाप में बदल दिया, न जाने कितने अरमानों का गला घोंट दिया. सुप्रीम कोर्ट ने 2014 के एक निर्णय से इस ऐतिहासिक अन्याय पर रोक लगायी. 'राष्ट्रीय विधि सेवा प्राधिकरण (नालसा) बनाम भारत सरकार' नामक इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने तीसरी प्रकृति को कानूनी मान्यता दे दी. इसमें केवल उभयलिंगी (जिनके शरीर में नर और मादा दोनों के लक्षण हों) और हिजड़ा, किन्नर, अरावनी, जोगता ही शामिल नहीं थे, बल्कि वे सब, जो इसमें शामिल होना चाहें. जो अपने आपको न पुरुष समझते हैं, न स्त्री. न्यायालय ने सरकार को हिदायत दी कि वह इस तीसरी प्रकृति को मान्यता दे, इनके विरुद्ध होने वाले भेदभाव पर पाबंदी लगाये और इस वर्ग की बेहतरी के लिए भी इंतजाम करे. अंततः, पांच वर्ष बाद संसद ने इस आशय का कानून बनाया. ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 ने उस परिभाषा को स्वीकार किया जिसे विश्व स्वास्थ्य संगठन पहले ही निरूपित कर चुका था. मतलब, हर व्यक्ति अपनी लैंगिक प्रकृति का चुनाव स्वयं कर सकता है. आप सोचेंगे, 'देर आयद दुरुस्त आयद.'

कौन अपने आपको पुरुष माने, कौन स्त्री माने और कौन इन दोनों से हटकर- इसमें किसी का क्या जाता है? वैसे भी, इस कानून के तहत अभी बहुत कुछ हुआ भी नहीं है. विशेषज्ञों के अनुसार, देश में पचास लाख से एक करोड़ के बीच ट्रांसजेंडर व्यक्ति हैं (उनमें से 2011 की जनगणना में कोई पांच लाख व्यक्तियों ने अपने आपको अन्य में दर्ज करवाया था), मगर अभी तक केवल 32 हजार को ही औपचारिक पहचान पत्र दिये गये हैं. पर पिछले सप्ताह संसद ने इस कानून में संशोधन कर दिया. इस कानून की आत्मा थी ट्रांसजेंडर की परिभाषा, यानी अपनी लैंगिक पहचान स्वयं चुनने की स्वतंत्रता. संशोधन के माध्यम से इसी मूल प्रावधान को हटा दिया गया है.

अब वही लोग ट्रांसजेंडर हो सकेंगे, जो शारीरिक रूप से उभयलिंगी हों, या जो हिजड़ा, किन्नर, अरावनी, जोगता हों. बाकी किसी को ट्रांसजेंडर होने के लिए मेडिकल आधार देना होगा, डॉक्टर के पैनल और प्रशासन से अनुमति लेनी होगी. यदि कोई लिंग परिवर्तन की सर्जरी करवाता है, तो उसकी सूचना प्रशासन को देनी होगी. यही नहीं, ट्रांसजेंडर के विरुद्ध होने वाले अपराधों की सूची में अब ऐसे प्रावधान जोड़ दिये गये हैं जिनका इस्तेमाल इसी समुदाय और इसके मित्रों के विरुद्ध किया जा सकता है. एक बार फिर ट्रांसजेंडर समुदाय के जीवन को आपराधिकता के कटघरे में खड़ा कर दिया गया है. और वह भी बिना किसी चर्चा के. इतनी लंबी प्रतीक्षा के बाद तीसरी प्रकृति के लिए खुली इस खिड़की को अचानक बंद कर दिया गया है.

मगर ऐसा क्यों? सरकारी बहाना यह है कि ऐसा इस कानून का दुरुपयोग रोकने के लिए किया गया है. मगर कोई यह नहीं बता पा रहा कि जिस कानून का उपयोग ही नहीं हुआ, उसके दुरुपयोग का खतरा कहां से आ गया? अगर दुरुपयोग का खतरा है, तो कोई ट्रांसजेंडर व्यक्ति या समुदाय ने शिकायत क्यों नहीं की? अगर यह उनके हित में है, तो देशभर के ट्रांसजेंडर समूह एक स्वर में इसका विरोध क्यों कर रहे हैं? कहीं ऐसा तो नहीं कि खतरा बाहर नहीं भीतर से है? कहीं तीसरी प्रकृति का होना मर्द के भीतर छिपी औरत और औरत के भीतर बसे मर्द की याद तो नहीं दिलाता? कहीं यह अहसास कुर्सी पर बैठे लोगों को असहज तो नहीं कर देता? कितनी बेचारी और घबरायी होगी वह मर्दानगी, जिसे किसी और को मर्द बनाने के लिए कानूनी डंडे का सहारा लेना पड़ रहा है?

जीवन दर्शन

हम एक-दूसरे से जुड़े भी हैं और अकेले भी

हर मनुष्य अपने आप में अलग होता है, जैसे एक विशाल समंदर में कई छोटे-छोटे द्वीप होते हैं। हम सब अलग जरूर हैं, पर हमारे बीच कुछ ऐसी बातें होती हैं, जो हमें एक-दूसरे से जोड़ती हैं। हम साथ रहते हैं, एक-दूसरे के करीब होते हैं, एक-दूसरे के जीवन में दखल देते हैं, प्रभाव डालते हैं और प्रतिक्रियाएं भी देते हैं, फिर भी हर क्षण, हर परिस्थिति में हम अक्सर खुद को अकेला ही पाते हैं। यह अकेलापन कोई संयोग नहीं, बल्कि हमारे अस्तित्व का मूल स्वभाव है। जब दो करीबी मृत्यु की ओर बढ़ते हैं, तब वे एक-दूसरे का हाथ थाम सकते हैं, पर अंतिम क्षणों की पीड़ा केवल उनकी अपनी ही होती है। कोई दूसरा उनके उस अनुभव को महसूस नहीं कर सकता है।

प्रेमी भी जब एक-दूसरे को गले लगाते हैं, तो वे अपनी-अपनी सीमित खुशियों और अनुभूतियों को एक करने की पूरी कोशिश करते हैं। वे चाहते हैं कि उनका आनंद एक हो जाए, उनका अस्तित्व एक हो जाए, लेकिन यह प्रयास अंततः असफल ही रहता है। इसकी वजह यह है कि हर आत्मा अपनी ही अनुभूति के घेरे में बंधी होती है। कोई भी चेतन आत्मा, चाहे वह कितनी ही संवेदनशील क्यों न हो, अपने सुख और दुख को अंततः अकेले ही जीती है। हमारी संवेदनाएं, भावनाएं, गहरी समझ, और कल्पनाएं, ये सब हमारे भीतर की निजी दुनिया का हिस्सा हैं। हम उन्हें शब्दों में ढालकर दूसरों तक पहुंचाने की कोशिश तो करते हैं, लेकिन शब्द केवल प्रतीक होते हैं, वे अनुभव को पूरी तरह से जाहिर नहीं कर पाते। दरअसल, हम अपने अनुभवों के बारे में जानकारी साझा तो कर सकते हैं, पर उस अनुभव की गहराई, उसकी सच्ची अनुभूति, कभी भी पूरी तरह किसी और तक नहीं पहुंचती है।

जब हम किसी और के दर्द या खुशी को समझने की कोशिश करते हैं, खुद को उसकी जगह रखकर सोचते हैं, तो भले ही हम उसे पूरी तरह न समझ पाएं, फिर भी यही कोशिश हमें इन्सान बनाती है। हालांकि, कुछ स्थितियां ऐसी भी होती हैं, जहां समझ और संवाद लगभग असंभव हो जाता है। कुछ लोगों का मानसिक संसार इतना भिन्न होता है कि वह सामान्य अनुभवों से परे चला जाता है।

हर इन्सान के मन की अपनी एक अलग दुनिया होती है, खासकर जो लोग बहुत प्रतिभाशाली होते हैं, उनकी सोच और अनुभव आम लोगों से काफी अलग हो सकते हैं। इसलिए कई बार वे एक-दूसरे को पूरी तरह समझ नहीं पाते। फिर भी, यही जिंदगी की सच्चाई है कि हम एक-दूसरे से जुड़े भी हैं और कहीं न कहीं अकेले भी। लेकिन यही एहसास हमें सोचने, महसूस करने और खुद को समझने की ताकत और दिशा, दोनों देता है। जीवन का सबसे गहरा सत्य यह है कि हम भीतर से अकेले हैं, पर यही अकेलापन हमारी सबसे बड़ी शक्ति भी है। अपने अनुभवों, भावनाओं व विचारों को समझना आत्मबोध की पहली सीढ़ी है। दूसरों को पूरी तरह समझ पाना संभव नहीं, फिर भी सहानुभूति और करुणा हमें आपस में जोड़ती है। खुद को जानना ही जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

एल्डस हक्सले

॥ गीता ज्ञान ॥

श्लोक

न चोरहार्य न राजहार्य न भ्रतृभाज्यं न च भारकारि!
व्यये कृते वर्धति एव नित्यं विद्याधनं सर्वधनप्रधानम् !!

भावार्थ

इसे न ही कोई चोर चुरा सकता है, न ही राजा छीन सकता है, न ही इसको संभालना मुश्किल है और न ही इसका भाइयो में बंटवारा होता है। यह खर्च करने से बढ़ने वाला धन हमारी विद्या है जो सभी धनो से श्रेष्ठ है।

देश में सिंधी मातृ भाषा के बुरे हाल ज्यों ज्यों दवा की त्यों त्यों मर्ज बढ़ा

उत्थान में सिंधी नेता नाकाम, एनसीपीएसएल भटकी अपने उद्देश्यों से

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। पूरे देश के सिंधी, जब 85 फीसदी को सिंधी मातृ भाषा पढ़ना व लिखना नहीं आता, शुक्रवार 10 अप्रैल को सिंधी भाषा दिवस मनाएंगे। क्योंकि 10 अप्रैल 1967 को सिंधी भाषा को संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल किया गया था और हमारे हिसाब से उसी दिन से सिंधी लिपी के पतन का प्रारंभ भी हुआ। वैसे इसकी शुरूआत आजादी के बाद से ही हो चुकी थी। क्योंकि देश विभाजन में पंजाबियों को आधा पंजाब एवं बंगालियों को आधा बंगाल मिला और सिंध जहां सिंधी पली, बढ़ी हुई, वह पूरा पाकिस्तान में चला गया। वैसे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने आजाद भारत में गांधीधाम कच्छ, पाली, वारवार, पोरबंदर आदि इलाकों को मिलाकर पृथक सिंधु प्रदेश बनाने का वादा किया था, लेकिन 30 जनवरी 1948 के महात्मा गांधी की हत्या के बाद यह सपना साकार नहीं हो सका। जिसके बाद सिंधी पूरे भारत में बिखर गए। जहां तक इसे 8वीं

अनुसूची में शामिल करने का सवाल है, तो 10 अप्रैल 1967 के समय तक देश व दुनिया के सिंधियों (हिंदू) के घरों में 85 प्रतिशत सिंधी मातृ भाषा में आपस में बात करते थे, लेकिन अब मुश्किल से 15 प्रतिशत ही सिंधी अपने घरों में मातृ भाषा में बात करते हैं। जो मातृ भाषा का इस्तेमाल कर उनमें भी 50 पार उम्र वाले अधिक हैं, अगर यही हाल रहा, तो आने वाले दो तीन दशकों में सिंधी लिपि पूरी तरह से लुप्त हो जाएगी।

जिम्मेदार कौन: आजाद भारत में पृथक सिंधु प्रांत नहीं होना तो सिंधी लिपी के पतन का एक मुख्य कारण है ही लेकिन इससे भी अधिक जिम्मेदार है राजनीतिक दलों के वे सभी सिंधी नेता जिन्होंने सिंधी लिपी को रोजगार से जुड़वाने की कभी कोशिश नहीं की। साथ ही देश विदेश की तथाकथित सामाजिक संस्थाएं जिनके संपन्न (धनवान) लोगों ने बड़े बड़े मंच संभाले, लंबे चैड़े भाषण दिए, खुद को प्रचारित प्रसारित किया, अपनी निजी वाह वाही हासिल की, देश विदेश में मेडल मिला, बार बार देश विदेश में सिंधी सम्मेलन किए, लेकिन अपनी मां मातृभाषा को वृद्धाश्रम में छोड़ दिया, लेकिन उसे स्वस्थ और जीवित रखने की रत्तीभर भी कोशिश नहीं की।

नाकाम रही एनसीपीएसएल

इसमें कोई दो राय नहीं कि भारत विभाजन के बाद जहां सिंधी लिपि पली, बढ़ी हुई, वह प्रदेश सिंधी हिन्दुओं से छिन गया। तत्कालीन कांग्रेसी नेताओं यहां तक कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भी वादा किया था, कि आजाद भारत में पृथक सिंधु प्रांत बनाया जाएगा, लेकिन 1948 में उनकी हत्या हो जाने के कारण यह सपना भी साकार नहीं हो सका, ऐसे में सिंधी लिपि, संस्कृति का नुकसान होना तो स्वाभाविक था, क्योंकि आजाद भारत में सिंधी पूरी तरह एवं बुरी तरह से बिखर गए, उत्तर से लेकर दक्षिण एवं पूर्व से लेकर पश्चिम तक जहां ठिकाना मिला, वहां कारोबार शुरू किया। ऐसे में सिंधी आर्थिक रूप से तो सम्पन्न हो गए लेकिन सिंधी भाषा एवं संस्कृति समाज से कोसों दूर चली गई, इसका कैसे उत्थान हो, इसके लिए कांग्रेस शासनकाल में केन्द्र सरकार ने 26 मई 1994 को उच्चतर शिक्षा विभाग के अंतर्गत एक स्वायत्त पंजीकृत निकाय के रूप में सिंधी भाषा विकास परिषद स्थापना की जिसका मुख्यालय दिल्ली में रखा गया। इसका उद्देश्य सिंधी मातृ भाषा का उत्थान करना था, परन्तु इसके जितने भी आज तक डायरेक्टर या उपाध्यक्ष बने हैं, उन्होंने सिंधी मातृ भाषा के विकास में कोई दिलचस्पी नहीं ली ऐसे में आज जब देश व दुनिया में सिंधी मातृ भाषा दिवस मना रहे हैं, सिंधी लिपिक पूरी तरह से वेंटीलेटर पर है, जो किसी भी समय खत्म हो सकती है।

सिंधी लिपी की दुर्दशा के लिए एनसीपीएसएस जिम्मेदार है, जिसने देवनागरी को बढ़ावा दिया है, हमें एक ऐसे डायरेक्टर की जरूरत है, जिसे सिंधी लिपि व देवनागरी दोनों का ज्ञान हो।
आशा चांद, ख्याति प्राप्त सिंधी लिपि विशेषज्ञ, दुबई

सिंधी लिपि की दुर्गति के विभाजन के बाद के दो दशक के सिंधी विद्वानों का निजी स्वार्थ जिम्मेदार है, अब समय है जब सिंधी लिपि एवं देवनागरी दोनों का इस्तेमाल हो।
ईश्वरदास झामनानी, वयोवृद्ध सिंधी ज्ञाता व समाज सेवी

उपराष्ट्रपति करेंगे अनुवादित संस्करण का अनावरण

संत हिरदाराम नगर। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन शुक्रवार को सिंधी भाषा दिवस के शुभ अवसर पर उपराष्ट्रपति भवन में सुबह 9.30 बजे सिंधी देवनागरी भाषा में अनुवादित संस्करण का अनावरण करेंगे। इस अवसर पर केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल भी विशेष रूप से मौजूद रहेंगे। आयोजन के संयोजक व इंदौर सांसद शंकर लालवानी ने बताया कि देश में रह रहे सिंधी भाषी व्यक्ति के लिए सिंधी भाषा दिवस का दिन काफी महत्वपूर्ण व अपने आप को गौरान्वित करने वाला दिन होगा, क्योंकि इस दिन देश में पहली बार देश की राजधानी दिल्ली में उपराष्ट्रपति सिंधी देवनागरी लिपि में देश के संविधान का विमोचन करेंगे। भारत का संविधान अब सिंधी भाषा में भी उपलब्ध होगा, इस पहल का उद्देश्य संविधान को जन-भाषा में उपलब्ध कराकर आम नागरिकों को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना है।

पंजाब नैशनल बैंक punjab national bank

मंडल कार्यालय, भोपाल
अरेरा हिल्स, भोपाल
फोन नं. 0755-2550020

अचल संपत्ति के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 (6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु **ई-नीलामी विक्रय नोटिस**

आम लोगों को और विशेष रुप से उधार लेने वाला और प्रत्याभूतिदाता को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल सम्पत्ति जो प्रतिभूत लेनदार के पास गिरवी/प्रभारित है, का प्रलक्षित/वास्तविक कब्जा/सांकेतिक कब्जा (इनमें से जो भी लागू होता हो) प्रतिभूत लेनदार के द्वारा लिया गया है, को ''जहां है जैसा है और जो कुछ भी है'' के आधार पर निम्नलिखित ऋणियों एव जमानतदारों से बैंक/प्रतिभूत लेनदार की निम्नलिखित रुपए की बकाया राशि की वसूली हेतु निम्न दिनांक को बेचा जाएगा। आरक्षित मूल्य एवं अग्रिम धनराशि निम्नलिखित है:–

ऋणी/बंधनकर्ता का नाम एवं बंधक संपत्ति का विवरण	आरक्षित मूल्य / धरोहर राशि	मांग नोटिस दि. / कब्जा दिनांक / बकाया राशि
ई नीलामी दिनांक : 28.04.2026 (ई-नीलामी का समय : प्रातः 11.00 बजे से दोपहर 5.00 बजे तक प्रत्येक 10 मिनिट के असिमित विस्तार के साथ)		
निविदाकार अपने प्रस्ताव रु. 25000/- (रु. पच्चीस हजार मात्र) के गुणांक में बढ़ा सकेंगे। मंडल कार्यालय, भोपाल | प्राधिकृत अधिकारी : श्री योगेश कृष्ण सक्सेना | फोन नं. 0755-2550020/9425013866		
श्री बृजेश याग्निक पुत्र श्री उदयवीर सिंह (भौतिक आधिपत्य) फ्लैट नं. 04, प्लॉट नं. 10, सेक्टर डी, चतुर्थ तल, क्षिप्रा ब्लॉक नं. 01, इंडस्ट्रीयल एरिया, मंडीदीप, वार्ड नं. 13, तहसील गोहरगंज, जिला रायसेन, **क्षेत्रफल**–600 वर्ग फिट। **सीमाएँ :–** पूर्व: खुला भाग, पश्चिम: क्षिप्रा ब्लॉक 01, चतुर्थ तल 05, उत्तर : गलियारा, दक्षिण : क्षिप्रा ब्लॉक 02, चतुर्थ तल 03, **सम्पत्ति मालिक:** श्री बृजेश याग्निक पुत्र श्री उदयवीर सिंह।	(₹) 7,30,000/- / (₹) 73,000/-	01.08.2019 / 22.10.2019 / ₹ 1518496.62 +देय ब्याज एवं अन्य खर्चे
मेसर्स अम्बे ट्रडर्स (भौतिक आधिपत्य) कामर्शियल संपत्ति दुकान नं.04, भूतल '' अंशिका काम्प्लेक्स'' साहु समाज मंदिर के पास, बाबू सहाब परिसर के सामने, गली, घोड़ा निकास, जिला– भोपाल, क्षेत्रफल: 119 वर्ग फीट, सीमाऐं : पूर्व–पैसेज, पश्चिम–मंदिर साहु समाज, उत्तर–दुकान नं. 05, दक्षिण–दुकान नं. 03, संपत्ति मालिक : श्री मनीष मतानी	(₹) 8,20,000/- / (₹) 82,000/-	21-01-2016 / 11-03-2019 / ₹ 1482000.00 + दिनांक 01.01.2016 से देय ब्याज एवं अन्य खर्चे
श्री मनीष कुमार वर्मा पुत्र श्री चंद्रशेखर वर्मा (भौतिक आधिपत्य) आवासीय फ्लैट नं.03, तृतीय तल, नर्मदा ब्लॉक–04, प्लाट नं.10 डी सेक्टर पर स्थित, इंडस्ट्रीयल एरिया, मंडीदीप, गोहरगंज,रायसेन क्षेत्रफल : 600 वर्ग फिट, **सीमाऐं :** पूर्व–नीचे खुला, पश्चिम–नर्मदा ब्लॉक नं. 4, उत्तर–नर्मदा ब्लॉक नं. 3 , दक्षिण – कोरिडोर, संपत्ति मालिक : श्री मनीष वर्मा	(₹) 5,85,000/- / (₹) 58,500/-	16-09-2021 / 27-12-2021 / ₹1921998.25 + दिनांक 01.09.2021 से देय ब्याज एवं अन्य खर्चे
ई नीलामी दिनांक : 05.05.2026 (ई-नीलामी का समय : प्रातः 11.00 बजे से दोपहर 5.00 बजे तक प्रत्येक 10 मिनिट के असिमित विस्तार के साथ)		
श्री राधेश्याम पटेल पुत्र श्री पतिराम पटेल (भौतिक आधिपत्य) फ्लैट नं. एस–2, द्वितीय तल, दो मंजिला बिल्डिंग बंसिका अपार्टमेंट, प्लाट नं.74 पर निर्मित, प्रियंका नगर, म.प्र पुलिस गृह निर्माण सहकारी समिती भोपाल, ग्राम–गैंहुखेड़ा, मेन रोड के अंदर, वार्ड नं. 84, हुजूर भोपाल, क्षेत्रफल 36.40 वर्ग मीटर, **सीमाऐं :** पूर्व–सीढ़ियां एवं कोरिडोर, पश्चिम–अन्य भूमि , उत्तर–प्लाट नं.75 , दक्षिण–फ्लैट नं. एस–1, संपत्ति मालिक : श्री राधेश्याम पटेल एवं श्रीमती मंजू सिंगरोले	(₹) 9,77,113.36 / (₹) 97,711.33	14-10-2021 / 31-12-2021 / ₹1701756.24 +देय ब्याज एवं अन्य खर्चे
श्री सुधीर पांडया पुत्र श्री आर.सी. पांडया (भौतिक आधिपत्य) फ्लैट नं. एफ–2, प्रथम तल, वंशिका अपार्टमेंट, खसरा नं. 32,36/3 का भाग, म.प्र पुलिस गृह निर्माण सहकारी समिती भोपाल, प्रियंका नगर, ग्राम–गैंहुखेड़ा, कोलार रोड, भोपाल, **क्षेत्रफल** 36.40 वर्ग मीटर, **सीमाऐं :** पूर्व–सीढ़ियां एवं कोरिडोर, पश्चिम–अन्य भूमि , उत्तर–प्लाट नं.75 , दक्षिण–फ्लैटनं. एफ–01, **संपत्ति मालिक :** श्री सुधीर पांड्या	(₹) 9,77,113.36 / (₹) 97,711.33	21-12-2021 / 14-03-2022 / ₹1761128.62 + दिनांक 01.12.2021 से देय ब्याज एवं अन्य खर्चे
मेसर्स गुसांई टायर रिमोल्डिंग इंडस्ट्रीज़ (प्रो.श्री हुकुम चंद पुत्र श्री नाथूराम अहिरवार) (सांकेतिक आधिपत्य) स्थावर संपत्ति प्लाट नं.23, इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सागर रोड, ग्राम–विदिशा, तहसील विदिशा, जिला विदिशा, क्षेत्रफल 3000 वर्ग फिट, प्रो.श्री हुकुम चंद पुत्र श्री नाथूराम अहिरवार के माध्यम से मेसर्स गुसांई टायर रिमोल्डिंग इंडस्ट्री के पक्ष में महाप्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र ,विदिशा द्वारा निष्पादित लीज़ डीडदिनांक 24.06.1996 के अनुसार,**सीमाएं–** उत्तर :सागर रोडएवं नगर पालिका विदिशा की दीवार, दक्षिण : रोड, पूर्व : प्लाटनं. 22 मेसर्स पितालिया प्लास्टिक, पश्चिम : खुली भूमी , एवं साथ में लगा हुआ प्लाट क्षेत्रफल 1200 वर्ग फिट,ग्राम–विदिशा, तहसील विदिशा, जिला विदिशा, प्रो.श्री हुकुम चंद पुत्र श्री नाथूराम अहिरवार के माध्यम से मेसर्स गुसांई टायर रिमोल्डिंग इंडस्ट्री के पक्ष में महाप्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र ,विदिशा द्वारा निष्पादित लीज़ डीड दिनांक 16.05.2002 के अनुसार,,**सीमाएं–** उत्तर :इंडस्ट्रीयल एस्टेट की बाउंड्री, दक्षिण : खुली भूमी एवं एल.यू.एन शेड, पूर्व : गुसांई टायर रिमोल्डिंग इंडस्ट्री , पश्चिम : खुली भूमी , **बंधककर्ता :** श्री हुकुम चंद पुत्र श्री नाथूराम अहिरवार	(₹) 29,28,240.00 / (₹) 2,92,824.00	31-03-2021 / 25-10-2021 / ₹ 722180.90 + देय ब्याज एवं अन्य खर्चे
श्री ग्यासीराम रायकवार (भौतिक आधिपत्य) आवासीय फ्लैट नं. टी–1, प्लाट नं. 212 पर निर्मित बहुमंजिला इमारत निरंजन अपार्टमेंट के तृतीय तल पर, खसरा नं.13, 18, 16, 904/16/2, 8/2 का भाग, ''गोपाल नगर'' ग्राम–खजूरीकलां, वार्ड नं. 61 ,तहसील–हुजूर,जिला– भोपाल, क्षेत्रफल : 750 वर्ग फिट , सीमाएँ :– पूर्व : लॉबी , पश्चिम : ओपन स्काई, उत्तर :ओपन स्काई, दक्षिण : प्लाट नं. 211 (नोट: लोन से संबंधित सभी मूल दस्तावेज आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (EOW) भोपाल में जमा है)	(₹) 14,17,500/- / (₹) 1,41,750/-	14-09-2018 / 15-03-2019 / ₹1988147.00 + दिनांक 01.09.2018 से देय ब्याज एवं अन्य खर्चे
श्री दीपक सुरमा पुत्र श्री दिनेश (सांकेतिक आधिपत्य) नजूल शीट नं. 9–ए, प्लाट नं.287/1 एवं 291 (नया)262 एवं 263 (पुराना) , ,गणेश शंकर विद्यार्थी वार्ड नं. 11,हरदा, सेल डीड पंजीयण 19.12.68, दस्तावेज नं. 1814 , गिरवी दिनांक 22.04.2017, **सीमाऐं :** पूर्व–रोड, पश्चिम–कमल दुबे , उत्तर–पतिराम सोलंकी , दक्षिण–महेश बलाही , संपत्ति मालिक : श्री नरेश कुमार रंसुरमा पुत्र श्री शंकरलाल रंसुरमा	(₹) 7,50,870/- / (₹) 75,087/-	26-08-2021 / 24-12-2021 / ₹1664435.07 + देय ब्याज एवं अन्य खर्चे
1. श्री अमित श्रीवास्तव 2. श्रीमती आशा श्रीवास्तव (सांकेतिक आधिपत्य) बंधक संपत्ति फ्लैट नं. 614, छठ्वां तल, उत्तरी ब्लॉक, एसबीडी कॉसमॉस, ग्राम–बोरदा, भोपाल (म.प्र.)–462042 I क्षेत्रफल : 39.50 वर्ग मीटर, सीमाऐं : पूर्व–बी–613, पश्चिम–खुला, उत्तर–फ्लैट नं. बी–615, दक्षिण–फ्लैट नं. बी–611, संपत्ति मालिक : श्री अमित श्रीवास्तव एवं श्रीमती आशा श्रीवास्तव	(₹) 5,35,500/- / (₹) 53,550/-	07-02-2025 / 26-06-2025 / ₹ 970862.00 + देय ब्याज एवं अन्य खर्चे
श्री अभिनव सिंह एवं श्री राजेन्द्र प्रसाद सिंह (सांकेतिक आधिपत्य) बंधक संपत्ति समस्त भूभाग फ्लैट नं. बी–17, द्वितीय तल (राजवेद गृह निर्माण सहकारी समिति) मधुवन पार्क फेस–1 स्थित (निर्मित प्लाट नं. 105,106,107 एवं 108, सेक्टर –टी, बहुमंजिला बिल्डिंग खसरा नं. 19, नया खसरा नं. 123) ग्राम–बैरागढ़ चीचली, तहसील–हुजूर, कोलार रोड, भोपाल (म.प्र.) क्षेत्रफल : 604.17 वर्ग फिट, सीमाऐं सेल डीड अनुसार : पूर्व–फ्लैट नं. बी–19 एवं कोरिडोर, पश्चिम–फ्लैट नं. बी–16, उत्तर–कोरिडोर, दक्षिण– अन्य संपत्ति, संपत्ति मालिक : श्री अभिनव सिंह एवं श्री राजेन्द्र प्रसाद सिंह	(₹) 11,76,000/- / (₹) 1,17,600/-	19-11-2022 / 29-04-2023 / ₹1229671.00 + दिनांक 01.11.2022 से देय ब्याज एवं अन्य खर्चे
1.श्रीमती. निधि पारोथी पत्नी श्री चरणजीत पारोथी 2. श्री चरणजीत परोथी पुत्र कालूराम परोथी (सांकेतिक आधिपत्य) संपत्ति का वह पूरा हिस्सा जिसमें एक फ्लैट नं. 302, तृतीय तल , ब्लॉक ''सी''(यशोदा हाइट्स) है जिसका निर्मित क्षेत्रफल 506 वर्ग फीट (47.02 वर्ग मीटर) है, जिसमें खसरा नंबर 2/1, 2/2 और 3 का 59.10 वर्ग मीटर का सुपर–निर्मित क्षेत्रफल है, जो अर्जुन वार्ड, तहसील – हमलापुर, जिला – बैतूल 46000 में स्थित है, जिसकी सीमा इस प्रकार है : पूर्व में– फ्लैट नं. 304 सी, पश्चिम में– गार्डन और नाला, उत्तर में– फ्लैट नं. 301 सी, दक्षिण में– ओपन डक (गोविंदा हाइट्स), संपत्ति मालिक – श्री चरणजीत परोथी पुत्र कालूराम परोथी और श्रीमती निधि परोथी पत्नी श्री चरणजीत परोथी	(₹) 18,60,000/- / (₹) 1,86,000/-	17-09-2025 / 26-11-2025 / ₹ 1745480.30 + देय ब्याज एवं अन्य खर्चे
मेसर्स कुलदीप ट्रेडर्स प्रो. कुलदीप सिंह पटेल (सांकेतिक आधिपत्य) आवासीय मकान पी.सी. नं. 20, खसरा नं.384/60, निदान अस्पताल एरिया के पीछे, ग्राम–हथवास, तह.पिपरीया , जिला होंशगाबाद (नर्मदापुरम) म.प्र 461775, क्षेत्रफल 861 वर्ग फिट, प्लाट क्षेत्रफल एवं आर.सी.सी फ्रेमयुक्त संरचना जी + 1 स्टोरी बिल्डिंग निर्मित , सीमाऐं : पूर्व–अद्युत खारे का मकान, पश्चिम–श्याम बाई की भूमि, उत्तर– 20 फिट चौड़ा कच्चा रोड, दक्षिण– मंजू साहू की भूमि, सपंत्ति मालिक – श्री रमेश कुमार पुरविया पुत्र श्री खुमान सिंह ठाकुर (पुरविया)	(₹) 28,57,000/- / (₹) 2,85,700/-	18-04-2023 / 13-07-2023 / ₹1312826.06 + देय ब्याज एवं अन्य खर्चे
सुमन कुटीकर पुत्री शंकर लाल (सांकेतिक आधिपत्य) आवासीय फ्लैट नं. जी–100, भूतल प्लाट नं. 143–ए, आस्था अपार्टमेंट कावेरी गृह निर्माण सहकारी समीति मर्यादित द्वारा निर्मित, ग्राम–बंजारी, तहसील– हुजूर , जिला–भोपाल, सीमाऐं :– पूर्व– मकान नं. 144–ए, पश्चिम–सीढ़ियां एवं मकान नं. 142–ए, उत्तर–कॉलोनी रोड, दक्षिण –मकान नं. 154–ए	(₹) 16,65,000/- / (₹) 1,66,500/-	09-08-2024 / 22-04-2025 / ₹ 996784.27 + दिनांक 01.08.2024 से देय ब्याज एवं अन्य खर्चे

नियम एवं शर्तें :– 1. विक्रय सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम व शर्तों के आधीन होगा तथा निम्नलिखित शर्तो का पालन करना होगा। 2. सम्पत्तियों की बिक्री ''जहां है जैसा है एवं जिस अवस्था में है'' के आधार पर होगी। 3. ऊपर वर्णित सम्पत्तियों का विवरण प्रतिभूत लेनदार को प्राप्त जानकारी के आधार पर है। किन्तु प्रतिभूत लेनदार किसी भी त्रुटि, गलत जानकारी, घोषणा में चूक लिये जिम्मेदार नहीं होगा। 4. विक्रय अधिकृत ऑनलाईन ई–निलामी सेवा प्रदाता के द्वारा **दिनांक 28/04/2026 एवं 05/05/2026 को वेबसाइट** https://baanknet.com पर किया जायेगा। इच्छुक बोली लगाने वाले / खरीददारों को नीलामी के उचित समय से पहले बैंक से मान्यता प्राप्त सेवा प्रदाता PSB Alliance के संबंधित ई–नीलामी वेब पोर्टल https://baanknet.com में रजिस्ट्रेशन कर अपने ग्लोबल ईएमडी वॉलेट में ऑनलाईन मोड का उपयोग करके ईएमडी राशि को ट्रांसफर करना होगा। यदि ग्लोबल ईएमडी वॉलेट में ईएमडी राशि उपलब्ध नहीं है, तो सिस्टम बोली लगाने की अनुमति नहीं देगा। बिक्री के विस्तृत नियम व शर्तो के लिए https://baanknet.com और www.pnb.bank.in पर देखें।

दिनांक: 09/04/2026, स्थान: भोपाल

प्राधिकृत अधिकारी, पंजाब नैशनल बैंक

मेले में आज जुटेंगे किसान वैज्ञानिक और विशेषज्ञ

जागरण औबेदुल्लागंज। उन्नत कृषि महोत्सव के अंतर्गत आयोजित प्रदर्शनी का शुभारंभ दशहरा मैदान, रायसेन में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान शुक्रवार की शाम को करेंगे। प्रदर्शनी परिसर में स्थापित विभिन्न स्टॉलों एवं डेमॉस्ट्रेशन क्षेत्रों का अवलोकन करेंगे। केंद्रीय कृषि मंत्री की पहल पर आयोजित राष्ट्रीय स्तर के इस कृषि मेले के प्रदर्शनी क्षेत्र में राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय संस्थानों, अग्रणी कंपनियों एवं नवोन्मेषी कृषि स्टार्ट-अप्स द्वारा नवीनतम कृषि तकनीकों, उपकरणों एवं समाधान मॉडलों का प्रदर्शन होगा। केंद्रीय मंत्री इनकी जानकारी प्राप्त करेंगे। डेमॉस्ट्रेशन क्षेत्र का अवलोकन करेंगे, आधुनिक कृषि यंत्रों, सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों, ड्रोन तकनीक तथा अन्य उन्नत कृषि मॉडलों का लाइव प्रदर्शन किया जाएगा, ताकि किसान तकनीक को लाइव देखकर समझ सकें और उसे अपनी खेत–खलिहान की परिस्थितियों में लागू कर सकें।

गांव में विकास कार्य कराए ही नहीं, फर्जी मूल्यांकन कर निकाली लाखों की राशि

ग्रामीणों ने लगाए भ्रष्टाचार के आरोप, जांच की मांग की

जागरण, बैरसिया। जनपद पंचायत फंदा भोपाल के ग्राम पंचायत अगरिया में विकास कार्य कराए बिना ही राशि निकालने के आरोप लगे हैं। ग्रामीणों ने पूर्व में मामले को लेकर शिकायत की थी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। पूरा मामला जनपद पंचायत फंदा भोपाल के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत अगरिया का है जहां में काम किए बिना ही राशि निकाला लेने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने सरपंच, सचिव और उपयंत्री पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। शमशान की भूमि पर अवैध खनन कराया जा रहा है, एवं फर्जी बिल वाउचर लगाकर एवं फर्जी मूल्यांकन कराकर, तालाब, शाला की बाउंड्री वॉल, ग्रेवल सड़क, सी सी सड़क, सार्वजनिक चबूतरा निर्माण एवं नाली निर्माण जैसे कई कामों की राशि निकाल ली है, जबकि धरातल पर कुछ काम हुए नहीं व कुछ अधूरे हैं। पंचायत दर्पण पर रहवासियों ने इसकी

पंचायत के दर्पण पोर्टल पर दर्ज जानकारी भी निकाली है। कार्य की संपूर्ण राशि का आहरण कर लिया गया है। इसके बिल भी लगाए गए हैं, जब काम ही नहीं हुआ तो बिल कैसे लगाए गए हैं। पोर्टल पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार कई ऐसे कार्य हैं जो सिर्फ कागज पर ही कर लिए गए। आरोप है कि सरपंच–सचिव, उपयंत्री व अन्य के साथ मिलीभगत कर लगभग 20 लाख रुपए से अधिक का घोटाला किया गया है। वहीं दूसरी और शमशान की भूमि पर अवैध खनन कर कोपरा बेचा जा रहा है।

सृजन कार्यक्रम से युवाओं को मिलेगा आत्मविश्वास

जागरण, मंडीदीप। सामुदायिक पुलिसिंग को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मप्र पुलिस द्वारा तकनीकी सहयोग से संचालित 18 दिवसीय सृजन कार्यक्रम का शुभारंभ एसोसिएशन ऑफ ऑल इंडस्ट्रीज सभागार मंडीदीप में शुक्रवार दोपहर 3 बजे से किया जा रहा है। यह आयोजन पुलिस, नेटलिंक और कृषक सहयोग संस्थान के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है, जो समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में एक सशक्त पहल माना जा रहा है। कृषक सहयोग संस्थान के समन्वयक अनिल भंवरे ने बताया कि इसका एसपी आशुतोष गुप्ता के नेतृत्व में किया जा रहा है।

गंदगी की चपेट में आए संत हिरदाराम नगर के कई इलाके

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। संत हिरदाराम नगर में मुख्य सड़कों पर तो प्रतिदिन झाड़ू लगते एवं कचरा उठते देखना को मिलता है, लेकिन अनेक ऐसे भीतरी इलाके हैं, जहां नियमित रूप से झाड़ू नहीं लगने से नागरिकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। हालांकि संबंधित वार्डो के पार्षदों का यह दायित्व है कि भ्रमण कर इस बात का पता लगाए कि कहां कहां कचरा है, या नाले एवं नालियों की सफाई नहीं हो रही है, लेकिन इस मामले में खासतौर पर वार्ड 4 एवं 5 के पार्षद आम जनता की अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतरे हैं, जबकि वार्ड एक गांधीनगर के कांग्रेस पार्षद का आरोप है कि बार बार की शिकायत के

बाद भी नगर निगम में उनकी नहीं सुनी जाती। इधर संत हिरदाराम नगर में वैसे तो तीनों वार्डो तीन, चार एवं पांच में समस्याओं का अम्बार लगा है, लेकिन वार्ड 5 जिसके कांग्रेसी पार्षद अशोक मारन हैं, उनके वार्ड की हालत अन्य वार्डो की तुलना में अधिक खराब है। पिछले दिनों जब उन्हें सोशल मीडिया पर शासकीय बालक हायर सेकण्डरी स्कूल के तीसरे गेट के आस पास नाले गन्दगी से चैक होने एवं गेट के पास भारी कचरे के फोटो भेजे गए।

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेसर्स रजाह इण्डस्ट्रीज, शेड क्रमांक 35 टाईप–बी ब्लॉक–02, सेक्टर–आई, विशेष औद्योगिक क्षेत्र गोविंदपुरा, भोपाल में स्थापित एक औद्योगिक इकाई है जिसका संचालन प्रोप्राईटर के रूप में श्री एस. जेड सिद्दीकी आत्मज स्व. श्री अमिरूल हक, द्वारा किया जा रहा था। इकाई के प्रोप्राईटर श्री साईदुज ज़फर सिद्दीकी आत्मज स्व. श्री अमिरूल हक, कि दिनांक 06.12.2020 को मृत्यु होने पश्चात स्वर्गीय श्री साईदुज जफर सिद्दीकी आत्मज स्व. श्री अमिरूल हक, की पत्नी श्रीमती तसनीम फातमा, द्वारा इस कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत कर शेड क्रमांक 35 टाईप–बी ब्लॉक–02, सेक्टर–आई, विशेष औद्योगिक क्षेत्र गोविन्दपुरा जिला भोपाल का अंतरण 1. पुत्र समीन उज़ ज़फर 2. पुत्र श्री अशर सईद 3. पुत्र निज़ाम उल अमीर सिद्दीकी 4. पुत्र श्री नोमान 5. श्रीमती गज़ाला सिद्दीकी 6. श्रीमती जावेदा सईद, के नाम करने हेतु शपथ पत्र प्रस्तुत किया गया एवं इकाई संचालन की अनुमति चाही गई हैं। इकाई मेसर्स रजाह इण्डस्ट्रीज, शेड क्रमांक 35 टाईप–बी ब्लॉक–02, सेक्टर–आई, विशेष औद्योगिक क्षेत्र, गोविंदपुरा, भोपाल में 1. पुत्र समीन उज़ ज़फर 2. पुत्र श्री अशर सईद 3. पुत्र निज़ाम उल अमीर सिद्दीकी 4. पुत्र श्री नोमान 5. श्रीमती गज़ाला सिद्दीकी 6. श्रीमती जावेदा सईद, को इकाई में भागीदार के रूप में मान्य कर इकाई संचालन की अनुमति प्रदान किये जाने से यदि किसी जन साधारण, शासकीय/अशासकीय कार्यालय, वित्तीय संस्थान / बैंक या अन्य किसी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस जाहिर सूचना के प्रकाशन के दिनांक से 30 दिवस के भीतर महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, गायत्री शक्तिपीठ के सामने, होशंगाबाद रोड, भोपाल कार्यालय में ठोस प्रमाण सहित अपनी आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। नियत दिनांक तक कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर ''मध्यप्रदेश एम.एस.एम.ई औद्योगिक भूमि तथा भवन आवंटन एवं प्रबंधन नियम, 2025 के नियम के तहत इकाई मेसर्स रजाह इण्डस्ट्रीज, शेड क्रमांक– 35 टाईप–बी ब्लॉक–02, सेक्टर–आई, विशेष औद्योगिक क्षेत्र, गोविंदपुरा, भोपाल के गठन में परिवर्तन कर 1. पुत्र समीन उज़ ज़फर 2. पुत्र श्री अशर सईद 3. पुत्र निज़ाम उल अमीर सिद्दीकी 4. पुत्र श्री नोमान 5. श्रीमती गजाला सिद्दीकी 6. श्रीमती जावेदा सईद, को इकाई में भागीदार के रूप में मान्य कर इकाई संचालन की अनुमति इस कार्यालय द्वारा प्रदान कर दी जायेगी। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त होने वाली आपत्ति स्वीकार नहीं की जायेगी और न ही उस पर किसी प्रकार की कोई कार्यवाही की जावेगी।

महाप्रबंधक,
जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, भोपाल

कार्यालय भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल

प्रगति भवन प्रेस कॉम्पलेक्स जोन-1 महाराणा प्रताप नगर भोपाल
प्रॉपर्टी आई डी. नं. a101000407 आवेदन क्रमांक-11579, आवेदन दिनांक-24/03/2026
क्रमांक 1067/राजस्व/भोविप्रा/26 भोपाल दिनांक : 08/04/2026

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि प्राधिकरण की वेदवती योजना स्थित एच.आई.जी. डुप्लेक्स भवन क्रमांक 407 आवंटी श्री देव ज्योति भट्टाचार्य आत्मज श्री वासुदेव भट्टाचार्य एवं श्रीमती प्रियंका शर्मा W/O देव ज्योति भट्टाचार्य के संयुक्त नाम पर आवंटित है। संयुक्त आवंटी में से श्री देव ज्योति भट्टाचार्य का स्वर्गवास दिनांक : 23/01/2026 को हो जाने के कारण आवंटी के वारिस पत्नी श्रीमती प्रियंका शर्मा एवं पुत्र मास्टर विराज शर्मा भट्टाचार्य द्वारा आवेदन पत्र के साथ आवंटी का मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, आधार कार्ड एवं समस्त वारिसो की सहमति/शपथ पत्र तथा वांछित प्रपत्रों को प्रस्तुत कर उक्त एच.आई. जी. डुप्लेक्स भवन क्रमांक 407 का अपने संयुक्त नाम पर नामांतरण चाहा गया है।

उक्त नामांतरण के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अंदर लिखित एवं साक्ष्य/दस्तावेजों के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति/दावा प्रस्तुत करे। उक्त समयावधि के पश्चात् कोई भी दावा/आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी, एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

राजस्व अधिकारी
भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल

SUDOKU 01

		7		4				6
	6		8		2		1	
		8		3		2		7
					5		6	
	3		1			7		2
1		2		6			9	
	5		6					8
6		1		8		4		
7			4		9			1

SOLUTIONS 200

5	2	6	8	3	9	4	1	7
1	9	8	4	7	5	2	3	6
4	7	3	6	1	2	9	8	5
3	6	9	5	4	1	7	2	8
8	5	4	9	2	7	3	6	1
7	1	2	3	6	8	5	4	9
9	4	1	7	8	3	6	5	2
6	8	5	2	9	4	1	7	3
2	3	7	1	5	6	8	9	4

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

राशिफल

मेष : आज करियर में बड़ी सफलता और मान–सम्मान की प्राप्ति होगी। रुके हुए काम पूरे करेंगे। लव लाइफ में पार्टनर के साथ थोड़ा मतभेद हो सकता है, वाणी पर संयम रखें।

वृषभ : भाग्य का पूरा साथ मिलेगा और धार्मिक यात्रा के योग बनेंगे। पुराने निवेश से अचानक धन लाभ होगा। पुरानी बीमारी से राहत मिलने वाली है।

मिथुन : गुप्त शत्रुओं से सावधान रहने और गाड़ी सावधानी से चलाने की जरूरत है। कार्यक्षेत्र में अचानक बदलाव आ सकते हैं।

कर्क : वैवाहिक जीवन में खुशियां आएंगी और नई पार्टनरशिप शुरू हो सकती है।करियर में प्रमोशन पाने के लिए कई जरूरी टास्क मिल सकते हैं। मान सम्मान में बढ़ोतरी होगी।

सिंह : विरोधियों पर विजय मिलेगी और पुरानी कानूनी अड़चनें दूर होंगी। कुंभ राशि में स्थित बुध और मीन के मंगल की वजह से नौकरीपेशा लोगों पर काम का बोझ बढ़ेगा।

कन्या : संतान पक्ष से कोई सुखद समाचार मिलेगा और बौद्धिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। सेहत सामान्य रहेगी।

तुला : सुख–सुविधाओं में वृद्धि होगी और माता का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। जमीन–जायदाद से जुड़े पुराने विवादों को सुलझाने में सफलता मिलेगी। वाहन सुख में वृद्धि होगी।

वृश्चिक : आज आपके पराक्रम में वृद्धि होगी और छोटी यात्राएं व्यापार में लाभ दिलाएंगी। नौकरी में आपके अधिकार बढ़ेगें, सहकर्मियों के बीच आपका रूतबा बढ़ेगा।

धनु : धन की आवक बढ़ेगी और आर्थिक स्थिति काफी मजबूत होगी। पार्टनर के साथ रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी। मान सम्मान में बढ़ोतरी होगी।

मकर : आज आपके आत्म विश्वास में जबरदस्त वृद्धि होगी और व्यक्तित्व निखरेगा। करियर में पदोन्नति के योग बनेंगे।

कुंभ : फिजूलखर्ची बढ़ सकती है और विदेश से जुड़े कामों में सफलता मिलेगी। वाणी और क्रोध पर नियंत्रण रखें। खर्चों में वृद्धि होगी।

मीन : आय में वृद्धि होगी और पुराने अटके हुए काम गति पकड़ेंगे। समाज में प्रतिष्ठा और मान–सम्मान बढ़ेगा। आर्थिक रूप से उतार–चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है।

आज का पंचांग: 10 अप्रैल शुक्रवार 2026। **दिशाशूल :** पश्चिम दिशा रहेगा। **पर्व एवं त्यौहार:** शीतला अष्टमी। **विशेष :** बुध मीन राशि में। विक्रम संवत 2083 शके 1948 उत्तरायण, वसंत ऋतु वैशाख मास कृष्ण पक्ष अष्टमी, तत्पश्चात नवमी पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र, तत्पश्चात उत्तराआषाढ़ा नक्षत्र शिव योग 18 घंटे 31 मिनट तक तत्पश्चात सिद्ध योग धनु में चंद्रमा 18 घंटे 04 मिनट तक तत्पश्चात मकर में।

मौसम अपडेट

प्रदेश के चार महानगरों का तापमान

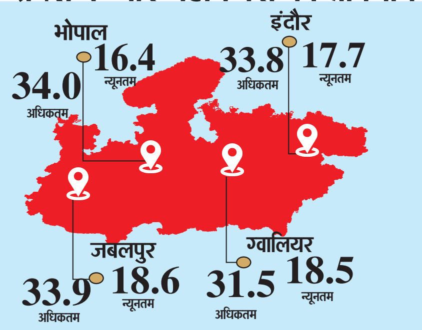

देश के चार महानगरों का तापमान

	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	30.8	16.3
मुंबई	33.5	25.2
चेन्नई	41.0	23.4
कोलकाता	26.5	21.3

सूर्यास्त 6:39 PM
सूर्योदय 6:06 AM
चन्द्रोदय 12.21 PM
चन्द्रास्त 10:56 AM

उज्जैन में संतों ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ देखे सिंहस्थ के निर्माण कार्य

29 किमी लंबे घाटों का निर्माण जारी, कान्ह डक्ट प्रोजेक्ट से शिप्रा नदी होगी प्रदूषण मुक्त

जागरण उज्जैन। सिंहस्थ-2028 को भव्य और सुव्यवस्थित बनाने को लेकर निर्माण कार्य अब जमीन पर दिखने लगे हैं। इसे लेकर साधु-संतों ने प्रशासनिक अफसरों के साथ शिप्रा तट पर चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण त्रिवेणी घाट से शुरू हुआ। यहां वैष्णव अखाड़ों के संतों ने व्यवस्थाओं का जायजा लिया। हालांकि इस दौरान शैव अखाड़ों के संतों की अनुपस्थिति चर्चा का विषय रही। निरीक्षण दल में डॉ. रामेश्वर दास, महावीरनाथ, सत्यानंद महाराज सहित कई संत शामिल रहे। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि सिंहस्थ में करीब 30 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। इतनी बड़ी संख्या को ध्यान में रखते हुए 29 किलोमीटर लंबे घाटों का निर्माण किया जा रहा है। जल संसाधन विभाग के जरिए यह कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है और अब तक 42 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। घाटों पर श्रद्धालुओं की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए चौड़ी सीढ़ियां, रैंप और मजबूत रेलिंग बनाई जा रही है। विशेष रूप से दिव्यांग और बुजुर्ग श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यवस्थाएं तैयार की जा रही हैं, जिससे वे आसानी से स्नान कर सकें। पहले जहां घाटों पर केवल रस्सियों का सहारा होता था, वहीं अब आधुनिक सुरक्षा उपाय अपनाए जा रहे हैं। निरीक्षण के दौरान संतों को कान्ह डक्ट प्रोजेक्ट की भी जानकारी दी गई। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत कान्ह नदी के प्रदूषित पानी को अंडरग्राउंड टनल के जरिए गंभीर नदी के डाउन स्ट्रीम में डायवर्ट किया जाएगा, जिससे शिप्रा का जल स्वच्छ बना रहेगा।

नया इतिहास रच सकता है उज्जैन

महावीरनाथ ने कहा कि घाटों का कार्य बेहद संतोषजनक है। उज्जैन इस बार नया इतिहास रच सकता है। वहीं डॉ. रामेश्वर दास ने निर्माण की गुणवत्ता और गति को अभूतपूर्व बताते हुए कहा कि ऐसा कार्य पहले कभी देखने को नहीं मिला। सत्यानंद महाराज ने घाटों को विश्वस्तरीय बताते हुए प्रशासन को साधुवाद दिया। हालांकि, शंभू संन्यासी मंडल के अध्यक्ष रामेश्वर गिरी ने दौरे में शामिल नहीं होने पर कहा कि उन्हें सूचना नहीं मिली, लेकिन भविष्य में कार्यों का निरीक्षण करेंगे। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने स्पष्ट किया कि सिंहस्थ से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों का लगातार निरीक्षण कराया जा रहा है और संतों के सुझावों को भी गंभीरता से लिया जा रहा है, क्योंकि आयोजन में संत समाज की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।

उज्जैन में आकार ले रहा मप्र का पहला रेलवे ट्रेनिंग सेंटर, 90% काम पूरा

प्रदेश को जल्द ही रेलवे का पहला आधुनिक ट्रेनिंग सेंटर मिलने जा रहा है। आगर रोड क्षेत्र में बन रहा यह हाईटेक संस्थान अब अंतिम चरण में है और करीब 90 से 95 फीसदी काम पूरा हो चुका है। फर्नीचर लगते ही यहां ट्रेनिंग गतिविधियां शुरू कर दी जाएंगी। यह ट्रेनिंग सेंटर न सिर्फ प्रदेश के लिए बड़ी सौगात है, बल्कि इससे उज्जैन रेलवे ट्रेनिंग का प्रमुख हब बनने जा रहा है। पश्चिम रेलवे के 6 मंडलों के कर्मचारी अब यहीं अत्याधुनिक सुविधाओं

के साथ प्रशिक्षण ले सकेंगे। सेंटर की सबसे बड़ी खासियत इसके स्मार्ट क्लासरूम हैं। यहां 12 बड़े क्लासरूम तैयार किए गए हैं, जिनका आकार 36×10 वर्गमीटर है। इन कमरों में ट्रेन, रेलवे ट्रैक, स्टेशन और सिग्नल सिस्टम के छोटे-छोटे मॉडल बनाए जाएंगे। इन मॉडलों के जरिए कर्मचारियों को लाइव डेमो के साथ ट्रेनिंग दी जाएगी, जिससे वे रेलवे की तकनीकी बारीकियों को आसानी से समझ सकें। इससे ट्रेनिंग पहले से ज्यादा आसान और प्रभावी होगी।

मां के सामने 70 फीट गहरे बोरवेल में गिरा मासूम

जागरण, बड़नगर। प्रदेश की धार्मिक नगरी उज्जैन से करीब 75 किमी दूर बड़नगर के पास झालरिया गांव में मां के सामने ही 3 साल का मासूम बच्चा बोरवेल में गिर गया है। बच्चा करीब 70 फीट गहराई में फंसा हुआ है। घटना गुरुवार रात करीब 8 बजे की बताई जा रही है। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ समेत रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंच गई है। राहत-बचाव कार्य जारी है। बोरवेल में कैमरा डालकर बच्चे की लगातार निगरानी की जा रही है और उससे संपर्क बनाने की कोशिश की जा रही है। स्थानीय ग्रामीण भी रेस्क्यू ऑपरेशन में सहयोग कर रहे हैं। कलेक्टर रोशन सिंह ने बताया कि बच्चा भागीरथ पिता प्रवीण देवासी, निवासी गुड़ानला (जिला पाली, राजस्थान) है। परिवार पिछले तीन दिनों से क्षेत्र में भेड़ चराने के लिए रुका हुआ था। इसी दौरान बच्चा खेलते-खेलते पलदूना रोड स्थित खुले बोरवेल में गिर गया। बच्चे की मां ने उसे बोरवेल में गिरते हुए देखा। दौड़कर बचाने की कोशिश की, लेकिन तब तक बच्चा गहराई में समा चुका था। उज्जैन कलेक्टर रौशन सिंह और एसपी प्रदीप शर्मा भी मौके पर पहुंचे हैं।

बड़नगर में हुआ हादसा रेस्क्यू जारी

मगरमच्छ से दो-दो हाथ कर किशोर ने बचाई जान, घायल

जागरण, मैहर। जिले के रामनगर क्षेत्र स्थित बाणसागर जलाशय में बकरी चराने गए एक किशोर पर मगरमच्छ ने हमला कर दिया। इस जानलेवा हमले के बावजूद किशोर ने साहस और सूझबूझ का परिचय देते हुए खुद को मगरमच्छ के चंगुल से छुड़ाकर अपनी जान बचा ली। जानकारी के अनुसार कुदरी खुर्द निवासी 17 वर्षीय अजय कोल पिता रामप्रसाद कोल रोज की तरह अपने गांव के पास स्थित बाणसागर जलाशय के किनारे बकरियां चराने गया था। दोपहर के समय वह बकरियों को पानी पिलाने के लिए जैसे ही जलाशय के करीब पहुंचा ही था कि तभी पानी में छिपे मगरमच्छ ने अचानक हमला कर दिया। मगरमच्छ ने तेजी से झपट्टा मारते हुए अजय के पैर को अपने मजबूत जबड़ों में जकड़ लिया। यह हमला इतना अचानक और खतरनाक था कि आसपास मौजूद लोगों को संभलने का मौका नहीं मिला। हमले के बाद अजय ने घबराने के बजाय हिम्मत दिखाई और पूरी ताकत के साथ मगरमच्छ के जबड़ों से अपना पैर छुड़ाने की कोशिश शुरू कर दी।

पढ़ा लिखाकर बनाया टीचर पत्नी ने काटीं पति की उंगलियां

जागरण, ग्वालियर। जिले के चीनोर क्षेत्र का रहने वाला संजीव सिंह उर्फ सोनू सरदार अपनी पत्नी की शिकायत लेकर एसपी कार्यालय पहुंचा। संजीव ने अपनी कटी हुई दो उंगलियां दिखाते हुए आरोप लगाया कि पत्नी ने धारदार हथियार से उसकी उंगलियां काट दीं और ससुरालवालों ने उसे पीटा। थाने में शिकायत करने के बावजूद कार्रवाई भी उसने अधिकारियों से न्याय की गुहार लगाई। पीड़ित के मुताबिक, 27 मार्च को वह अपनी पत्नी से मिलने उसके घर गया था। इसी दौरान साले सुनील भटनागर और साढू रवि जाटव ने उसके साथ मारपीट की। संजीव का आरोप है कि इसी बीच उसकी पत्नी ने धारदार वस्तु से उसके हाथ पर वार किया, जिससे उसकी दो उंगलियां कट गईं। संजीव ने बताया कि मारपीट के बाद आरोपी उसे छोड़कर चले गए, उसके बाद वह किसी तरह घायल हालत में थाने पहुंचा। साथ ही उसका आरोप है कि पुलिस ने शिकायत दर्ज नहीं की। संजीव ने बताया कि 2010 में गोहद निवासी जयश्री मंगरोलिया से कोर्ट मैरिज की थी। पत्नी ने पहले पति से तलाकशुदा होने की बात कही थी। पिछले करीब 5 वर्षों से दोनों अलग रह रहे हैं। पत्नी 14 साल की बेटी और 12 साल के बेटे को छोड़ चुकी है। संजीव का दावा है कि उसने पत्नी को 2012-13 में डीएड करवाया। 2014 में नौकरी लगने के बाद पत्नी की आय करीब 60 हजार पहुंची। इसके बाद से घर में विवाद होने लगे। पत्नी ने उस पर 7 झूठे केस दर्ज कराए और लगातार प्रताड़ित किया।

रुबीना को भारी पड़ा 'भाड़ में जाए कांग्रेस' का बयान, पार्टी ने भेजा निष्कासन का प्रस्ताव

इंदौर में वंदे मातरम को लेकर सियासत गरमाई

जागरण, इंदौर। प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में वंदे मातरम को लेकर सियासत गरमा गई है। 'भाड़ में जाए कांग्रेस' का बयान पार्षद रुबीना खान को खजराना वार्ड की पार्षद रुबीना खान को शहर कांग्रेस द्वारा बाहर करने की तैयारी शुरू कर दी है। इस संबंध में निष्कासन प्रस्ताव प्रदेश कांग्रेस कमेटी को भेजा गया है। वंदे मातरम विवाद में कांग्रेस के दूसरे पार्षदों का साथ न देने पर रुबीना ने कहा था कि भाड़ में जाए कांग्रेस, हम औवेसी की पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर लेंगे। उनके इस बयान को कांग्रेस ने अनुशासनहीनता माना है। इधर शहर कांग्रेस कमेटी ने अपनी सभी गतिविधियों में वंदे मातरम गाना अनिवार्य कर दिया है और इससे जुड़ी पोस्ट भी सोशल मीडिया पर साझा की गई थी। इसी मुद्दे पर विवाद बढ़ने के बाद अब रुबीना खान के खिलाफ कार्रवाई की बात सामने आ रही है।

पार्टी का फैसला स्वीकार: रुबीना

रुबीना का कहना है कि कांग्रेस उन्हें पार्टी से निकाल दे, उन्हें इस बात की चिंता नहीं है। पार्टी जो फैसला लेगी, वे उसे स्वीकार करेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि एक बाप की औलाद वाला बयान गुस्से में उनके मुंह से निकल गया था। वंदे मातरम विवाद गहराने पर चिंटू चौकसे ने कहा कि शहर कांग्रेस कमेटी के सभी कार्यक्रमों में वंदे मातरम गीत अनिवार्य कर दिया है, जिन्हें नहीं गाना है, वे कार्यक्रमों में न आएं। उन्होंने रुबीना के बयान को उनका निजी बयान बताया और यह कहा कि उससे कांग्रेस का कोई लेना-देना नहीं है। कांग्रेस राष्ट्रीय गीत का पूरा सम्मान करती है।

पोरबंदर-आसनसोल और पुणे-निजामुद्दीन के बीच चलेगी स्पेशल ट्रेन

जागरण, रतलाम। पश्चिम रेलवे ने ग्रीष्मकाल के दौरान यात्रियों की सुविधाओं को देखते हुए पोरबंदर-आसनसोल और पुणे-हजरत निजामुद्दीन के बीच साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। ये ट्रेनें रतलाम मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर ठहराव के साथ गुजरेगी। जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार के अनुसार 09205 पोरबंदर-आसनसोल साप्ताहिक स्पेशल 13 अप्रैल से 29 जून तक प्रति सोमवार सुबह 8.50 बजे पोरबंदर से प्रस्थान करेगी और बुधवार सुबह 6.45 बजे आसनसोल पहुंचेगी। इसी तरह 09206 आसनसोल-पोरबंदर स्पेशल 15 अप्रैल से एक जुलाई तक प्रति बुधवार को आसनसोल से रात 11.05 बजे प्रस्थान करेगी और शुक्रवार को रात 9.10 बजे पोरबंदर पहुंचेगी। 01491 पुणे-हजरत निजामुद्दीन स्पेशल पुणे से 17 अप्रैल से 10 जुलाई तक चलेगी। यह ट्रेन पुणे से प्रति शुक्रवार शाम 5.30 बजे चलेगी तथा अगले दिन शाम 6.30 बजे हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। इस ट्रेन का रतलाम आगमन शनिवार सुबह 6.50 बजे व प्रस्थान सात बजे होगा।

महुआ बीनने गए ग्रामीण को बाघ ने बनाया शिकार, हाथ पैर और अन्य हिस्सों को खाया

एसटीआर की घटना, शव के पास रातभर पहरा देता मिला शिकारी

जागरण, इटारसी। प्रदेश के नर्मदापुरम जिले में स्थित सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के चूरना रेंज के अंतर्गत आने वाले पुराने चनागढ़ के घने जंगलों में इंसान और वन्यजीव संघर्ष की एक रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना सामने आई है। रोजी-रोटी की तलाश में महुआ बीनने जंगल गए 45 साल के आदिवासी ग्रामीण सुधराम चौहान को एक बाघ ने अपना शिकार बना लिया। हृदय विदारक स्थिति तब बनी जब परिजन गुरुवार सुबह मौके पर पहुंचे और बाघ को अपने प्रियजन के क्षत-विक्षत शव के पास बैठा पाया। बाघ ने ग्रामीण के हाथ, पैर और शरीर के अन्य हिस्सों को खा लिया था; मौके पर केवल सिर, सीना और दाहिना पैर ही शेष बचा था।

तवा नदी पार करते ही काल ने झपटा

पुलिस और मर्ग डायरी से प्राप्त जानकारी अनुसार, ग्राम चनागढ़ निवासी सुधराम चौहान बुधवार सुबह अपने साथी गुड्डू के साथ महुआ बीनने के लिए तवा नदी पार कर एसटीआर के कोर क्षेत्र (पुराना चनागढ़ जंगल) में गया था। शाम तक घर न लौटने पर परिजनों ने खोजबीन शुरू की। गुरुवार सुबह करीब 8 बजे जब ग्रामीण जंगल में 15 किमी अंदर पहुंचे, तो तवा नदी से महज 500 मीटर की दूरी पर बाघ की दहाड़ सुनाई दी। ग्रामीणों ने शोर मचाकर बाघ को वहां से भगाया, लेकिन पास जाकर देखा तो सुधराम का शव क्षत-विक्षत हालत में पड़ा था।

आजीविका और मौत के बीच झूलता आदिवासी जीवन

यह घटना उस समय हुई है जब क्षेत्र में महुआ बीनने का सीजन चरम पर है। आदिवासियों के लिए महुआ केवल एक फल नहीं, बल्कि साल भर की आजीविका का मुख्य आधार है। इसी 'पीले सोने' की तलाश में ग्रामीण अक्सर अपनी जान जोखिम में डालकर टाइगर रिजर्व के प्रतिबंधित कोर क्षेत्रों में प्रवेश कर जाते हैं। सुधराम की मौत ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आजीविका की मजबूरी और सुरक्षा के बीच का संतुलन कैसे कायम हो। घटना के बाद से चनागढ़ और आसपास के इलाकों में भारी दहशत व्याप्त है।

> सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे। आदिवासी के शव को पुलिस कार्रवाई के साथ ही पीएम के लिए सुखतवा भेज दिया था। यहां लगातार गश्ती भी चलती है। हम पता कर रहे हैं कि यह कौन सा बाघ है, जो इस तरह से हमला कर रहा है। ● **विनोद वर्मा** अधीक्षक, बोरी अभयारण्य

रीवा के बीहर नदी के पुल में आई दरार, 30 अप्रैल तक उत्तर प्रदेश जाने वाले वाहनों का बदला रास्ता

जागरण, रीवा। बीहर नदी पर बने पुल में दरार आ गई है। इसके चलते पुल पर से भारी वाहनों का गुजरना 30 अप्रैल तक प्रतिबंधित कर दिया है। प्रयागराज और वाराणसी जाने वाले वाहनों को मैहर-सतना रूट पर डायवर्ट किया गया है। अधिकारियों के अनुसार का कहना है कि इस पुल का निर्माण लगभग दो दशक पहले हुआ था। वर्तमान में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचआई) की देखरेख में मरम्मत का काम हो रहा है। कलेक्टर प्रतिभा पाल द्वारा इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी की जा रही है ताकि समय

रहते रूट को दोबारा बहाल हो सके। पुल की सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता है। दरार दिखने के बाद तुरंत भारी वाहनों को रोका गया है। प्रशासन ने कई स्थानों पर रूट डायवर्जन के साइन बोर्ड लगाए हैं। यात्रियों और ट्रांसपोर्टरों को सलाह दी गई है कि वे नेशनल हाईवे-30 पर सफर शुरू करने से पहले नए रूट की जानकारी ले लें, ताकि जाम और परेशानी से बचा जा सके।

मैहर-सतना-चित्रकूट होकर गुजरेंगे वाहन

मप्र से उत्तर प्रदेश (प्रयागराज और वाराणसी) को जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग अगले कुछ हफ्तों के लिए प्रभावित रहेगा। जिला मुख्यालय से करीब 5 किमी दूर बीहर नदी पर बने 20 साल पुराने पुल में दरार आने के बाद पुलिस प्रशासन ने एहतियात के तौर पर भारी वाहनों के प्रवेश पर 30 अप्रैल तक रोक लगा दी।

पेशाब के बहाने रुकवाया पुलिस का वाहन हथकड़ी सहित चोरी का आरोपी फरार

जागरण, खरगोन। प्रदेश में खरगोन जिले के बलकवाड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम बलगांव के रहने वाले चोरी के आरोपी को महाराष्ट्र पुलिस ने गिरफ्तार किया था। महाराष्ट्र के थाना अमलनेर की पुलिस जब आरोपी फरीद खान को अपने साथ ले जा रही थी। इसी दौरान धार जिले के खलघाट टोल पर आरोपी ने पेशाब करने के बहाने गाड़ी रुकवाई और हथकड़ी सहित फरार हो गया। धामनोद पुलिस ने महाराष्ट्र पुलिस की शिकायत पर केस दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार उप निरीक्षक नामदेव बोरकर, थाना अमलनेर जिला जलगांव (महाराष्ट्र) अपनी टीम के साथ चोरी के मामले में आरोपी फरीद को गिरफ्तार करने आए थे, उनके साथ पुलिस स्टाफ और एक निजी वाहन चालक भी मौजूद था। आरोपी के फरार होने के बाद महाराष्ट्र पुलिस ने आसपास के क्षेत्र में आरोपी की तलाश की लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिल सका। इस पर महाराष्ट्र पुलिस ने धामनोद थाने पर सूचना दी। धामनोद पुलिस के एएसआई सावन मुवेल ने बताया कि महाराष्ट्र पुलिस की शिकायत पर केस दर्ज किया गया है ।

खरगोन से पकड़कर ले जा रही थी महाराष्ट्र पुलिस

अहमदाबाद मंडल में अपग्रेडेशन मामलों पर न्यायिक निर्णय, 321 को पदोन्नति का लाभ

अहमदाबाद। अहमदाबाद मंडल के अंतर्गत कार्यरत कुछ रेल कर्मचारियों द्वारा वेतन मैट्रिक्स के लेवल-7 से लेवल-8 में अपग्रेडेशन (उन्नयन) हेतु जारी पात्रता सूची को चुनौती देते हुए केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण अहमदाबाद के समक्ष कुल 10 मूल आवेदन प्रस्तुत किए गए थे। ये सभी मामले लगभग तीन वर्षों से लंबित थे, जिससे संबंधित कर्मचारियों में अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई थी।

मंडल रेल प्रबंधक वेद प्रकाश के मार्गदर्शन में तथा वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी सिद्धार्थ एवं विधि अधिकारी मुकेश श्रीवास्तव एवं उनकी टीम के समन्वित प्रयासों से इन मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए विशेष पहल की गई, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों की निष्पक्ष सुनवाई के बाद सभी 10 मामलों का निर्णय मात्र एक माह की अवधि में कर लिया गया। रेलवे बोर्ड के पत्र के अंतर्गत कुछ श्रेणियों में 50त्न पदों को लेवल-7 से लेवल-8 में अपग्रेड किया था। इस प्रक्रिया के अंतर्गत पात्र कर्मचारियों के लिए एक चयन/पात्रता सूची जारी की थी। कुछ कर्मचारियों द्वारा यह तर्क प्रस्तुत किया कि यह केवल वित्तीय लाभ का मामला है, अतः इसमें आरक्षण लागू नहीं होना चाहिए। इसी आधार पर उक्त पात्रता सूची को कैट में चुनौती दी गई थी। कैट अहमदाबाद ने छह अप्रैल के अपने आदेश में स्पष्ट किया कि यह अपग्रेडेशन केवल वेतन वृद्धि नहीं है, बल्कि इसमें पदोन्नति की सभी आवश्यक विशेषताएं शामिल हैं, इसलिए इसे पदोन्नति माना जाएगा। अतः इस प्रक्रिया में आरक्षण के प्रावधान लागू रहेंगे। यह निर्णय एक महत्वपूर्ण 'लैंडमार्क जजमेंट' के रूप में उभरा है, जिससे न केवल अहमदाबाद मंडल बल्कि पूरे पश्चिम रेलवे ज़ोन एवं भारतीय रेल के कर्मचारियों को मार्गदर्शन एवं लाभ प्राप्त होगा। यह फैसला भविष्य में ऐसे सभी मामलों के लिए स्पष्ट दिशा निर्धारित करेगा। निर्णय प्राप्त होते ही अहमदाबाद मंडल के कार्मिक विभाग ने तत्परता दिखाते हुए सभी 10 मामलों के आदेशों का एक ही दिन में पूर्ण एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया गया। इस महत्वपूर्ण निर्णय के परिणामस्वरूप अहमदाबाद मंडल की 10 विभिन्न श्रेणियों में कुल 321 कर्मचारियों को लेवल-8 में पदोन्नति का लाभ प्राप्त हुआ।

महिला बोली-बिजली, सड़क कहां है सांसद मिश्रा ने कहा-चुप रहोगी या नहीं

सीधे में आयोजित समस्या निवारण शिविर का मामला

जागरण, सीधी। जिले के बहरी क्षेत्र में आयोजित जन समस्या निवारण शिविर के दौरान ग्राम छिहरा टोला की निवासी रानी प्रजापति को सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने डांट दिया। रानी ने सांसद मिश्रा से गांव में सड़क, बिजली और पानी की कमी को लेकर सवाल पूछे थे। इस दौरान सांसद ने महिला को चुप रहने को कह दिया। साथ ही वीडियो बना रहे व्यक्ति को भी डांट दिया। रानी प्रजापति ने मंच से शिकायत करते हुए बताया कि सांसद ने छह महीने पहले गांव का दौरा किया था। उस समय उन्होंने बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने का भरोसा दिया था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। महिला के अनुसार, गांव के 30 घर आज भी बिजली और पक्की सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। महिला कहा कि छिदहा टोला में न रोड है, न लाइट है, न पानी सुविधा है। इस पर सांसद ने कहा एक मिनट रुको, इसके बाद महिला ने कहा बताइए भाई सांसद ने झुंझलाते हुए कहा कि अरे पहले तुम चुप हो जाओ तब बताएं। हम नहीं लगवाए तो रानी ने कहा नहीं लगवाए। सांसद गुस्से में चिल्लाते हुए कहा कि अभी रुक जाओ! एमडी को बुलाते हैं, चुप! पहले पूरी बात सुनो, रुको। बुलाते हैं! चुप! एक मिनट रुको, बात करते हैं। बोल दिया न, चुप रहो!

शिविर में जब महिला ने अपनी मांगें रखीं, तो सांसद ने उन्हें सभ्यता से बोलने की नसीहत दी। बहस बढ़ती देख सांसद ने वहां मौजूद लोगों को फटकार लगाई। उन्होंने मौके पर मोबाइल से वीडियो रिकॉर्ड कर रहे एक युवक को वीडियो बनाने से रोक दिया।

खेत में नवविवाहित दंपति ने जहर पीकर की खुदकुशी

जागरण, टीकमगढ़। जिले के देहात थाना अंतर्गत सुंदरपुर सातखेरा गांव में एक नवविवाहित पति-पत्नी ने संदिग्ध परिस्थितियों में कीटनाशक का सेवन कर लिया। गंभीर हालत में दोनों को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि दयाचंद लोधी और उनकी पत्नी लक्ष्मी की महज सालभर पहले शादी हुई थी। शाम को दोनों अपने खेत पर काम करने गए थे। इसी दौरान दोनों ने कीटनाशक पी लिया। जब उनकी हालत बिगड़ने लगी, तो उन्हें तुरंत निजी वाहन से जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को गंभीर हालत में डॉक्टरों ने झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर किया। हालांकि झांसी ले जाते समय रास्ते में ही दोनों की मौत हो गई।

बाघ के शव की सूचना निकली जंगली बिल्ली

जागरण, बालाघाट। जिले के बालाघाट-बैहर मार्ग पर संचालित पेट्रोल पंप के सामने सड़क किनारे झाड़ी में सड़ी-गली अवस्था में वन्यप्राणी बाघ के मृत पड़े होने की जानकारी डायल 112 पुलिस तक पहुंची। नगरीय क्षेत्र के अंदर बाघ के मृत होने की सूचना ने बड़े तेजी वन अमले के होश उड़ा दिए और आनन-फानन में वन अमला भी मौके पर पहुंच गया। मौके पर पहुंच वन अमले ने जब मृत पड़े वन्यप्राणी के शव का बारीकी से निरीक्षण किया तो पता चला कि यह शव बाघ का नहीं बल्कि जंगली बिल्ली का है।

M.P. STATE ELECTRONICS DEVELOPMENT CORPORATION LTD.
State IT Centre, 47-A, Arera Hills, Bhopal-462011 (M.P.)
www.mpsedc.mp.gov.in, 0755-2518300, marketing@mpsedc.com

NOTICE INVITING TENDERS (NIT)

MPSEDC invites online proposals for following bids on GeM Portal :-

S.No.	Bid No.	NIT
1	GEM/2026/ B/7423715	Group Mediclaim Insurance Service - Contract Employees; Hospitalization for accident & emergency Treatments, OPD, Maternity, All pre-existing illness; Yes

For detailed scope of work, terms and conditions please refer to the respective bid document available on GeM Portal.
M.P. Madhyam/125283/2026 **CHIEF GENERAL MANAGER**

वन रक्षक एवं क्षेत्र रक्षक (कार्यपालिक) एवं जेल विभाग के अंतर्गत जेल प्रहरी एवं सहायक जेल अधीक्षक (कार्यपालिक) पदों की सीधी भर्ती परीक्षा-2026 के संबंध में संशोधित सूचना

कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख, सतुपड़ा भवन, भोपाल के पत्र क्रमांक/प्रशा./II/क्षे.स्था.2/1333 भोपाल दिनांक 02 अप्रैल 2026 के अनुसार अनूसचित जाति श्रेणी के पदों को जोड़कर अद्यतन आरक्षण तालिका प्रदान की गई है। जिसको नियम पुस्तिका में समाहित कर संबंधित पृष्ठ मण्डल की अधिकारिक वेबसाइट **www.esb.mp.gov.in** पर अपलोड की गई है।
उपरोक्तानुसार परीक्षा हेतु उम्मीदवार आवेदन कर सकेंगे। संशोधित जानकारी मण्डल की अधिकारिक बेवसाइट **www.esb.mp.gov.in** पर उपलब्ध है। ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने एवं संशोधन की तिथियां यथावत रहेंगी।
विज्ञापन क्रमांक 03/2026 **संचालक**
मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मण्डल
'चयन भवन' मेन रोड नं. - 1, चिनार पार्क (ईस्ट)
भोपाल-462011, Fax : +91-0755-2550498, Web.: www.esb.mp.gov.in
म.प्र. माध्यम/125288/2026

बाजार पर नजर

शेयर बाजार में आज

931 ▲ 76,632

Nifty 50 Top Gainers

Scrip	High	%Gain
Hindalco	989.85	3.56%
Dr Reddys Labs	1,214.70	1.72%
Bajaj Auto	9,625.00	1.16%
Bharat Elec	443.30	1.54%
Max Healthcare	962.50	1.47%

Nifty 50 Top Losers

Scrip	Close	%Loss
Interglobe Avi	4,433.70	-3.61%
Jio Financial	236.70	-3.25%
Larsen	3,885.60	-2.74%
Shriram Finance	990.45	-2.63%
Eternal	236.70	-2.35%

फोरेक्स रेट

मुद्रा	बिक्री
$ डॉलर	92.6600
€ यूरो	108.17
¥ येन	0.5828
£ पौंड	124.20

मिडिल ईस्ट में तनाव के बीच रूस का भारत को 40% तक सस्ती एलएनजी का ऑफर

आयात पर निर्भर एशियाई देशों के लिए भी सस्ती एलएनजी अच्छा विकल्प

नई दिल्ली, जेएनएन। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव और ऊर्जा संकट के बीच रूस ने एक बड़ा दांव चलते हुए भारत समेत दक्षिण एशियाई देशों को सस्ती स्नह्व (लिक्विफाइड नेचुरल गैस) देने का ऑफर दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रूस अपनी गैस पर करीब 40 प्रतिशत तक का भारी डिस्काउंट देने को तैयार है, जिससे वैश्विक ऊर्जा बाजार में हलचल तेज हो गई है। फरवरी के अंत से मिडिल ईस्ट में बढ़े तनाव के कारण तेल और गैस की सप्लाई बुरी तरह प्रभावित हुई है। खाड़ी क्षेत्र के कई गैस प्लांट्स पर हमले हुए, जिनमें कतर का रास रिफाइनरी भी शामिल है। इसके चलते दुनियाभर में गैस की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं। ऐसे समय में रूस ने सस्ती एलएनजी की पेशकश कर खुद को एक बड़े सप्लायर के रूप में पेश किया है।

40 प्रतिशत तक सस्ती गैस लेकिन शर्तें भी

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, यह एलएनजी रूस के उन प्रोजेक्ट्स से आ रही है, जिन पर अमेरिका के बैन लगे हुए हैं। इसे चीन और रूस की कुछ मध्यस्थ कंपनियों के जरिए बेचा जा रहा है। खास बात यह है कि गैस के स्रोत को छुपाने के लिए इसे ओमान या नाइजीरिया जैसे देशों से आया हुआ दिखाया जा सकता है।

भारत के सामने चुनौती

हालांकि यह ऑफर भारत के लिए सस्ता विकल्प हो सकता है, लेकिन इसके साथ खतरा भी जुड़े हैं। भारत अब तक अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण ऐसी डील्स से दूरी बनाए हुए है। अगर भारत इस ऑफर को स्वीकार करता है, तो उसे अमेरिका की संभावित प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ सकता है।

ऊर्जा संकट और बढ़ती कीमतें

हॉर्मुज जलडमरूमध्य पर असर और सप्लाई में कमी के चलते तेल और गैस की कीमतों में भारी उछाल आया है। दुनिया का बड़ा हिस्सा इसी रूट पर निर्भर है, जिससे संकट और गहरा गया है। अमेरिका और ईरान के बीच अस्थायी युद्धविराम हुआ है, हालात अभी भी पूरी तरह सामान्य नहीं हुए हैं।

एशिया बन सकता है बड़ा खरीदार

ऊर्जा के लिए आयात पर निर्भर एशियाई देशों के लिए यह सस्ती एलएनजी अच्छा ऑप्शन बन सकता है। फिलहाल चीन ही रूस से इस तरह की गैस खरीद रहा है, लेकिन आने वाले समय में अन्य देश भी इसमें दिलचस्पी दिखा सकते हैं।

बैंक विदेशी भुगतान प्रक्रिया में तेजी लाएं : रिजर्व बैंक

मुंबई, जेएनएन। आरबीआई ने बृहस्पतिवार को बैंकों से कहा कि वे सीमा पार से आने वाले भुगतान की प्रक्रिया को दुरुस्त ताकि ग्राहकों को शीघ्र सूचना मिल सके और लाभार्थियों को समय पर रकम प्राप्त हो सके। केंद्रीय बैंक की एक अधिसूचना के अनुसार, बैंकों के लिए यह अनिवार्य कर दिया गया है कि भुगतान प्राप्त होने के तुरंत बाद ग्राहकों को सूचित किया जाए। विदेशी मुद्रा बाजार के समय के बाद भुगतान होने की स्थिति में, बैंकों को अगले दिन ग्राहक को सूचित करना होगा। अधिसूचना के अनुसार, नोस्ट्रो खातों का मिलान एक घंटे से अधिक समय में नहीं करने का भी निर्देश दिया गया है।

ईरान युद्ध वैश्विक आर्थिक वृद्धि गति को धीमा करेगा : आईएमएफ प्रमुख

वाशिंगटन, जेनएन। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) ने बृहस्पतिवार को आगाह किया कि ईरान युद्ध विश्व अर्थव्यवस्था के परिदृश्य को प्रभावित कर रहा है और इससे आर्थिक वृद्धि की रफ्तार धीमी होगी। आईएमएफ की प्रबंध निदेशक क्रिस्टलीना जॉर्जीवा ने कहा कि मुद्राकोष अगले सप्ताह विश्व अर्थव्यवस्था के लिए अपने अनुमान को कम करेगा। उन्होंने अगले सप्ताह होने वाली आईएमएफ-विश्व बैंक की बैठकों से पहले अपने संबोधन में कहा, अगर यह झटका न लगा होता, तो हम वैश्विक वृद्धि के पूर्वानुमान को बढ़ा रहे होते। लेकिन अब हमज वृद्धि के अनुमान में कमी करने जा रहे हैं। पिछले साल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दुनिया के अधिकतर देशों से आयात पर व्यापक कर लगाने के फैसले के बावजूद विश्व अर्थव्यवस्था ने मजबूती दिखायी थी। जनवरी में, 191 देशों की सदस्यता वाले अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष ने वैश्विक वृद्धि के अनुमान को बढ़ाकर 3.3 प्रतिशत कर दिया था और अगले मंगलवार को अपने नए पूर्वानुमान जारी करते समय इसे फिर से बढ़ाने के लिए तैयार था। लेकिन 28 फरवरी को शुरू हुए युद्ध ने सब कुछ बदल दिया। इस संघर्ष ने तेल और प्राकृतिक गैस की कीमतों को बढ़ा दिया, तेल रिफाइनरियों, टैंकर टर्मिनल और अन्य ऊर्जा बुनियादी ढांचों को नुकसान पहुंचाया, दुनिया भर के किसानों के लिए महत्वपूर्ण उर्वरक की आपूर्ति बाधित की और कंपनियों तथा उपभोक्ताओं के भरोसे को ठेस पहुंचाई। अमेरिका और ईरान ने मंगलवार को युद्धविराम की घोषणा की।

मर्सिडीज-बेंज की बिक्री तिमाही में 7% बढ़कर 5,131 इकाई हुई

नयी दिल्ली, जेएनएन। जर्मनी की लक्जरी कार विनिर्माता कंपनी मर्सिडीज-बेंज की कुल बिक्री जनवरी-मार्च तिमाही में सात प्रतिशत बढ़कर 5,131 इकाई रही। पिछले साल की इसी तिमाही में कंपनी ने 4,775 वाहन बेचे थे। वित्त वर्ष 2025-26 मर्सिडीज-बेंज इंडिया के लिए अब तक का सबसे शानदार साल रहा, जिसमें कंपनी ने रिकॉर्ड 19,363 गा?ियां बेचीं। कंपनी की कुल बिक्री में 27 प्रतिशत हिस्सा सर्वाधिक महंगे मॉडल (टॉप-एंड व्हीकल्स) का रहा, जिनकी कीमत 1.5 करोड़ रुपये से अधिक है मर्सिडीज-बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) संतोष अय्यर ने बताया कि महंगे लक्जरी पोर्टफोलियो और सर्वाधिक बिकने वाले मॉडल की भारी मांग के कारण यह प्रदर्शन संभव हुआ है। अय्यर ने कहा कि हालांकि पश्चिम एशिया के युद्ध जैसे अंतरराष्ट्रीय संकट से बाजार की धारणा प्रभावित हुई है, फिर भी कंपनी भारतीय बाजार को लेकर उत्साहित है और वित्त वर्ष 2026-27 में एक और रिकॉर्ड प्रदर्शन की उम्मीद कर रही है। कंपनी की इलेक्ट्रिक गाड़ियों (बीईवी) के क्षेत्र में भी पकड़ मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2025-26 में महंगी लक्जरी इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री में 85 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई।

डायसन ने लॉन्च किया पोर्टेबल फैन

नई दिल्ली, जेएनएन। गर्मी बढ़ रही है और इसके साथ ही कंपनियां नए-नए कूलिंग गैजेट्स लॉन्च कर रही हैं। इसी बीच ब्रिटिश कंपनी डायसन ने अपना नया पोर्टेबल फैन हशजेट मिनी कूल पेश किया है। कंपनी इसे एक छोटा लेकिन पावरफुल कूलिंग डिवाइस बता रही है, लेकिन सवाल यह है कि क्या यह सच में उतना काम का है या सिर्फ एक और प्रीमियम गैजेट। डायसन का यह नया फैन ट्रेडिशनल टेबल फैन जैसा नहीं है। यह एक हैंडहेल्ड डिवाइस है, जिसे आप हाथ में पकड़ सकते हैं, टेबल पर रख सकते हैं या गले में पहन भी सकते हैं। स्पेसिफिकेशन्स की बात करें तो यह फैन 25 मीटर प्रति सेकंड तक की एयरफ्लो स्पीड देने का दावा करता है। इसके अंदर 65,000 आरपीएम तक घूमने वाली मोटर दी गई है। पेपर पर तो यह काफी पावरफुल लगता है, खासकर इसके छोटे साइज को देखते हुए. लेकिन असली टेस्ट यही होगा कि क्या यह भारतीय गर्मी में भी उतना ही असरदार रहता है। इसमें 5 स्पीड मोड और एक बूस्ट मोड दिया गया है। यानी जरूरत के हिसाब से आप इसकी हवा को कंट्रोल कर सकते हैं। बैटरी की बात करें तो कंपनी का दावा है कि यह एक बार चार्ज करने पर करीब 6 घंटे तक चल सकता है। हालांकि यह बैटरी बैकअप किस स्पीड पर मिलेगा, यह भी उतना ही अहम सवाल है। डायसन ने इसमें हशजेट नाम की टेक्नोलॉजी दी है, जिसका मकसद है तेज हवा के साथ कम शोर। आम तौर पर छोटे फैन तेज आवाज करते हैं, लेकिन कंपनी का कहना है कि इसमें आवाज को काफी कंट्रोल किया गया है।

टीसीएस का चौथी तिमाही का शुद्ध लाभ 13,718 करोड़ हुआ

मुंबई, जेएनएन। देश की सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ 12.22 प्रतिशत बढ़कर 13,718 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को बयान में यह जानकारी दी। इससे गत वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में कंपनी ने 12,224 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ 1.35 प्रतिशत बढ़कर 49,210 करोड़ रुपये हो गया जो वित्त वर्ष 2024-25 में 48,553 करोड़ रुपये था। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में हालांकि कंपनी के कर्मचारियों की संख्या 23,460 घटकर 5.84 लाख रह गई। हालांकि, चौथी तिमाही में कंपनी के कर्मचारियों की संख्या में 2,356 की बढ़ोतरी हुई। इस दौरान बदलते प्रौद्योगिकी परिदृश्य के कारण कंपनी ने 12,000 नौकरियां घटाने की प्रक्रिया शुरू की थी। 315 अरब डॉलर के भारतीय आईटी क्षेत्र में टीसीएस वित्त वर्ष 2025-26 के नतीजे घोषित करने वाली पहली कंपनी है। इस दौरान एआई प्रौद्योगिकी का विस्तार हुआ जिससे इस क्षेत्र में रोजगार की प्रकृति को लेकर चिंताएं भी बढ़ीं हैं जबकि यह क्षेत्र अर्थव्यवस्था में उच्च गुणवत्ता वाली नौकरियां उपलब्ध कराता है।

ऑनलाइन खुदरा बाजार 2025 में 65 अरब डॉलर पर पहुंचा

नयी दिल्ली, जेएनएन। भारत का ऑनलाइन खुदरा बाजार वर्ष 2025 में 19-21 प्रतिशत की वृद्धि के साथ करीब 65-66 अरब डॉलर हो गया। एक रिपोर्ट में यह संभावना जताई गई है। प्रबंधन सलाहकार फर्म बेन एंड कंपनी और ई-कॉमर्स दिग्गज फ्लिपकार्ट की भारत में खरीदारी के रुझानों पर केंद्रित इस साझा रिपोर्ट के मुताबिक, ऑनलाइन खुदरा बाजार अगर 20 प्रतिशत से अधिक की दर से बढ़ता रहता है तो 2030 तक यह 170-180 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत चंद मिनट में आपूर्ति वाले क्विक-कॉमर्स खंड में वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनकर उभरा है और ई-कॉमर्स के कुल सकल उत्पाद मूल्य (जीएमवी) का 16-17 प्रतिशत हिस्सा इसी खंड से आता है। क्विक कॉमर्स खंड 2025 में 10-11 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है और 2030 तक इसके 65-70 अरब डॉलर हो जाने का अनुमान है। इस अवधि में कुल ऑनलाइन खुदरा कारोबार वृद्धि में 45-50 प्रतिशत योगदान इसी खंड से आने की उम्मीद है, जबकि पारंपरिक ई-कॉमर्स का बाजार में 60-65 प्रतिशत हिस्सा बना रहेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि बेहतर आर्थिक परिस्थितियों, महंगाई में नरमी, कर राहत और ब्याज दरों में कमी से खपत बढ़ी है।

युद्धविराम को लेकर अनिश्चितता से बीएसई सेंसेक्स 931 अंक गिरा

मुंबई, जेएनएन। शेयर बाजारों में पांच दिन की तेजी के बाद बृहस्पतिवार को गिरावट आई। बीएसई सेंसेक्स 931 अंक लुढ़क गया जबकि एनएसई निफ्टी में 222 अंक की गिरावट रही। पश्चिम एशिया में युद्धविराम को लेकर अनिश्चितता के बीच बाजार नुकसान में रहा। लेबनान पर इजराइल के हमलों के जवाब में ईरान के होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से बंद करने के बाद युद्धविराम समझौते को लेकर अनिश्चितता बढ़ गयी है। एशिया और यूरोप के अन्य बाजारों में कमजोर रुख, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और विदेशी संस्थागत निवेशकों की निरंतर निकासी ने भी घरेलू बाजार में निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 931.25 अंक यानी 1.20 प्रतिशत टूटकर 76,631.65 अंक पर बंद हुआ।

शेयर बाजार में लावारिस पड़ी है 89000 करोड़ रुपये की रकम, कोई दावेदार नहीं

नई दिल्ली, जेएनएन। बैंक से लेकर शेयर बाजार तक में काफी भारतीयों की बड़ी रकम लावारिस पड़ी हुई है। यह ऐसी रकम है जिस पर कई वर्षों से किसी से दावा नहीं किया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक दिसंबर 2025 तक करीब 89,000 करोड़ रुपये की रकम 1671 लिस्टेड कंपनियों के शेयरों में फंसी हुई है। ये रकम इन्वेस्टर एजुकेशन एंड प्रोटेक्शन फंड अथारिटी (IEPFA) के पास पड़ी है। रिपोर्ट के मुताबिक बैंक डिपॉजिट, शेयर, इंश्योरेंस और ईपीएफ जैसे सेक्टर में कुल 2.2 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति ऐसी है, जिसका कोई दावेदार सामने नहीं आया है। हैरानी की बात यह है कि यह पैसा न केवल बेकार पड़ा है, बल्कि महंगाई के कारण धीरे-धीरे अपनी वैल्यू भी खो रहा है।

रिलायंस समेत कई कंपनियों के शेयर शामिल : करीब 166 करोड़ शेयर ऐसे हैं जिन पर किसी ने दावा नहीं किया है। इनमें बड़ी कंपनियों का भी बड़ा हिस्सा शामिल है, जैसे रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड। कुल जितनी कंपनियों के शेयर लावारिस हैं, उनमें अकेले रिलायंस की हिस्सेदारी 15 प्रतिशत से ज्यादा है। समय के साथ इनकी वैल्यू कई गुना बढ़ चुकी है, लेकिन सही जानकारी या नॉमिनी न होने के कारण ये मालिकों तक नहीं पहुंच पाए।

कहां फंसा है कितना पैसा?

बैंक डिपॉजिट में सबसे ज्यादा 97545 करोड़ रुपये अनक्लेम्ड पड़ा है। यह पैसा रिजर्व बैंक के डीईए फंड में जाता है, जहां इस पर सिर्फ 3 प्रतिशत साधारण ब्याज मिलता है। बीमा में 20062 करोड़ रुपये अनक्लेम्ड हैं। यह रकम मैच्योरिटी, डेथ क्लेम या सरेंडर वैल्यू के रूप में है। ईपीएफ में 10,915 करोड़ रुपये लावारिस पड़े हुए हैं। 38 प्रतिशत ईपीएफ अकाउंट 5-10 साल से निष्क्रिय हैं। वहीं 21 प्रतिशत अकाउंट 20 साल से ज्यादा समय से क्लेम नहीं हुए। म्यूचुअल फंड में 3452 करोड़ रुपये अनक्लेम्ड हैं। यानी इस रकम पर अभी तक किसी ने दावा नहीं किया है। इसमें अनक्लेम्ड डिविडेंड और रिडेम्पशन शामिल हैं।

क्यों नहीं कर पा रहा कोई दावा?

एक्सपर्ट्स के अनुसार इसके तीन मुख्य कारण हैं- निवेश करते समय नॉमिनी का नाम न जोड़ना या अपडेट न करना। निवेश की परिवार के सदस्यों को जानकारी ना देना। क्लेम प्रक्रिया की जानकारी का अभाव प्रक्रिया के बारे में सही जानकारी न होना।

आपका पैसा तो नहीं? ऐसे करें चेक

अगर आपको लगता है कि बैंक या शेयर बाजार में आपके परिवार का भी पैसा फंसा हो सकता है, तो ये कदम उठाएं-शेयर के लिए आईईपीएफए की वेबसाइट आईईपीएफ.जीओवी.इन पर जाकर अनक्लेम्ड शेयर चेक करें। लावारिस बैंक डिपॉजिट खोजने के लिए आरबीआई के उदगम पोर्टल का इस्तेमाल करें। बीमा और म्यूचुअल फंड कंपनियों से स्टेटस जांचें।

पश्चिम मध्य रेल

ई-निविदा सूचना
खुली निविदा क्रमांक.:
WCR-CRWS-CAMPING-23-46R

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदां अनुभवी ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती हैं। **कार्य का नाम :** कनवर्जन ऑफ कोचेस इन टू केंपिंग कोचेस। **कार्य की लागत :** रु. 4,25,18,242.57, **निविदा फॉर्म का मूल्य :** रु. 0.00, **धरोहर राशि :** 8,50,400.00, **कार्य पूर्ण करने की अवधि :** 12 माह., **ऑनलाइन बिडिंग प्रारम्भ होने का दिनांक/ऑन लाइन निविदा बंद होने का दिनांक एवं समय :** 20.04.2026 /04.05.2026 को 15.00 बजे तक, **निविदा खुलने का दिनांक एवं समय :** 04.05.2026 को 15.30 बजे निविदा तथा निविदा प्रारूप की विस्तृत जानकारी भारत सरकार की वेब साइट "www.ireps.gov.in" एवं निविदा सूचना मुख्य कारखाना प्रबन्धक, सडिपुका /भोपाल कार्यालय के सूचना पटल पर उपलब्ध है।

हस्ता.
मुख्य कारखाना प्रबंधक,
सडिपुका, निशातपुरा, पमरे, भोपाल

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

पूर्व मध्य रेल

संकेत एवं दूर संचार विभाग

ई-निविदा सूचना

सं. एस.जी. 664-01-टेली-2026-27 धनबाद, दिनांक. 07.04.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्य हेतु ई: निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्रम सं० 1, कार्य का नाम : विवरण: (1) धनबाद मंडल के UTN नेटवर्क के तहत PRS आधुनिकीकरण कार्य का पुरे भारत में विस्तार हेतु।, **(2)** मंडल मुख्यालय और उससे जुड़े इकाइयों की मौजूदा दूरसंचार नेटवर्क कनेक्टिविटी का उन्नयन (Upgradation), DHN मंडल में GPON पर आधारित फाइबर नेटवर्क के माध्यम से।, **(3)** धनबाद मंडल के पार्सल कार्यालयों (DHN, GMO, KQR, BRKA, DTO, GHD, CPU, SGRL और SKTN) में CCTV की स्थापना हेतु। (4) S&T से संबंधित सामग्री-"गैर-इंटर लॉकिंग क्षेत्र में IOCL साइडिंग के CTR (S) के बाद, कोचिंग डिपो धनबाद यार्ड में कोच की स्थिरता क्षमता को बढ़ाने के लिए प्रावधान करने हेतु।, **2. कार्य का आकलित मुल्य:** रू 3,58,56,404.19, **3. कार्य का अग्रधन राशि:** रू 7,17,100.00, **4. निविदा बंद होने की तिथि एवं समय:** 28.04.2026 (12:30 बजे)।, **5.** ऐसी ई: निविदाओं के तहत डाक/कुरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नही किया जायेगा, भले ही यह फर्म के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई निविदा के ई निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : http//www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे। **द्रष्टव्य:-** प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की अंतिम तिथि से कम से कम दस दिन पहले वेबसाइट : http//www.ireps.gov.in का अवलोकन करे।

वरीय मंडल संकेत एवं दूर संचार अभियन्ता
पूर्व मध्य रेल, धनबाद

पीआर/0035/डीएचएन/एसएण्डटी/टी/26-27/44

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा **82Cr.PC/84 BNSS** देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त, **जितेंद्र सिंह**, **पुत्रः** विंदावन सिंह, **पताः** गांव बड़ोखरी, थाना लहर, जिला भिंड, मध्य प्रदेश, ने **FIR No. 558/2022, U/s: 279/304A IPC, थानाः बवाना, नई दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **जितेंद्र सिंह**, मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **जितेंद्र सिंह**, फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 558/2022, U/s: 279/304A IPC, थानाः बवाना, नई दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त, **जितेंद्र सिंह**, से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **18.05.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री भारती बेनीवाल
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-05
कमरा नंबर 114, प्रथम तल, नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट,
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली।

DP/4569/ON/2026
(Court Matter)

भारत सरकार
कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
(कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली स्थित केन्द्रीय सतर्कता आयोग में केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त के पद पर नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

केन्द्रीय सतर्कता आयोग में केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त के पद पर विचारार्थ विवरण भेजने संबंधी प्रपत्र तथा पात्रता, शर्तों तथा अन्य अपेक्षाओं का ब्यौरा कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग की वेबसाइट https://dopt.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। विभाग में आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि **18 मई, 2026** है।

CbC 32101/11/0001/2627

AU SMALL FINANCE BANK
A SCHEDULED COMMERCIAL BANK

एयू स्मॉल फाईनेन्स बैंक लिमिटेड
सूचना

निम्नलिखित ऋणी, सहऋणी को सूचित किया जाता है कि सरफेसी अधिनियम 2002 के अन्तर्गत आपकी सम्पत्ति को एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक द्वारा विक्रय किया जा रहा है। यदि आप द्वारा 15 दिवस के भीतर बंधक सम्पत्ति में रखा हुआ सामान नहीं हटाया जाता है कि तो उक्त सामान को बेचान अथवा अन्यत्र किरायाशुदा स्थान पर स्थानान्तरित कर दिया जायेगा। जिसके हर्जे, खर्चे व स्थानान्तरण के दौरान होने वाले नुकसान के लिए आप स्वयं उत्तरदायी होंगे। सामान प्राप्त करने व इस सम्बन्ध में अन्य जानकारी हेतु नजदिकी शाखा में सम्पर्क करें।

ऋण खाता संख्या / ऋणी/सहऋणी/ बंधककर्ता / गारंटर का नाम	बंधक संपत्ति का विवरण	सम्पर्क सूत्र
(ऋण खाता सं.) L9001071042758090, कमल कुमार प्रजापति (ऋणी), श्रीमती पूजा प्रजापति (सहऋणी)	संपत्ति स्थित - मकान नं. 14, खसरा नं. 55/1/1/2/1, 55/1/2/1/1, पीएच नं. 13, अयोध्या सिटी, ग्राम- मोहनपुरा, तहसील- शमशाबाद, जिला- विदिशा, मप्र	मानव प्रताप 9174921713
(ऋण खाता सं.) L9001060816437447, धर्मेन्द्र उपरेती पुत्र मोहन प्रसाद (ऋणी), श्रीमती रीना उपरेती पत्नी धर्मेन्द्र (सहऋणी)	संपत्ति स्थित (संपत्ति 1)- वार्ड नं. 9, पीएचएन 8, एलएसएन 60/2/3, खातोड़ी, बीनागंज, जिला गुना, मध्य प्रदेश, एवं संपत्ति स्थित (संपत्ति 2)- वार्ड नं. 9, पीएचएन 8, एलएसएन 60/2/3, खातोड़ी, बीनागंज, जिला गुना, मध्य प्रदेश	विश्वेश चंदेल 9713666603
(ऋण खाता सं.) L9001060824790256 एवं L9001060113875481, रामबिलाश लोढ़ा पुत्र अमृत लाल लोढ़ा (ऋणी), जगदीश लोढ़ा पुत्र अमृत लाल (सहऋणी), श्रीमती रीना बाई लोढ़ा पत्नी रामनारायण (सहऋणी), मनोज कुमार लोढ़ा पुत्र कल्याणसिंह (गारंटर)	संपत्ति स्थित- सर्वे नं. 16/3, वार्ड नं. 10, पी.एच. नं. 8, एन. एच ओ. 03 रोड ग्राम- बीनागंज, तहसील- चाचौड़ा, जिला- गुना, मध्य प्रदेश	विश्वेश चंदेल 9713666603
(ऋण खाता सं.) L9001060126080062, सुनीता किराना स्टोर (ऋणी), रामबाबू पुत्र जमनालाल (सहऋणी), श्रीमती सुनीता बाई पत्नी रामबाबू (सहऋणी)	संपत्ति स्थित- पीएच नं. 54, सर्वे नं. 226/3/1, ग्राम- करेडी, तहसील एवं जिला- राजगढ़, मध्य प्रदेश	विश्वेश चंदेल 9713666603
(ऋण खाता सं.) L9001070226093651, मनमोहन नामदेव (ऋणी), श्रीमती ज्योति बाई (सहऋणी)	संपत्ति स्थित- प्लॉट नं. 59 एवं 60, सर्वे नं. 39/1, पीएच नं. 18, ग्राम- धनगांव, तहसील- गैरतगंज, जिला- रायसेन, मध्य प्रदेश	मानव प्रताप 9174921713
(ऋण खाता सं.) L9001060127835504, दरियाव किराना स्टोर (ऋणी), मुकेश चौहान (सहऋणी), श्रीमती राधा बाई पत्नी दरियाव सिंह (सहऋणी), दरियाव पुत्र प्रेम सिंह (सहऋणी)	संपत्ति स्थित- खसरा नं. 286, संपत्ति मकान नं. 69, पीएच नं. 41, ग्राम पंचायत पदमपुरा, तहसील- खुजनेर, जिला- राजगढ़, मध्य प्रदेश	घनश्याम गुर्जर 7722995522
(ऋण खाता सं.) L9001060129071316, शिवम एल्युमिनियम (ऋणी), श्रीमती सीमा बाई पत्नी लक्ष्मीनारायण (सहऋणी), लक्ष्मीनारायण पुत्र बापूलाल (सहऋणी)	संपत्ति स्थित- पीएच नं. 88, मकान नं. 41, ग्राम- देवलीसागा, तहसील- खिलचीपुर, जिला- राजगढ़, मप्र	आकाश बैस 6269993657
(ऋण खाता सं.) L9001060129404640 एवं L9001060141703349, अमन शूज (ऋणी), जितेन्द्र मीणा (सहऋणी), श्रीमती शीला बाई पत्नी जितेन्द्र मीणा (सहऋणी)	संपत्ति स्थित- पीएच नं. 18, मकान नं. 05, ग्राम- गिंदोरहाट, तहसील- सुथालिया, जिला- राजगढ़, मप्र	आकाश बैस 6269993657
(ऋण खाता सं.) L9001070430185623, अभिषेक (ऋणी), विनोद मीणा (सहऋणी), श्रीमती उर्मिला मीणा (सहऋणी)	संपत्ति स्थित- सर्वे नं. 21/1/1/2, प्लॉट नं. 67, पटेल सिटी, ग्राम- गोंदारमऊ, तहसील- हुजूर, जिला- भोपाल, मध्य प्रदेश	मानव प्रताप 9174921713
(ऋण खाता सं.) L9001060131131091 एवं L9001060838703848, मैसर्स बालाजी टेंट हाउस (ऋणी), श्रीमती चिंताबाई (सहऋणी), पवन सोंधिया (सहऋणी), शिवनारायण (सहऋणी)	संपत्ति स्थित- सर्वे नं. 209/2, पीएच नं. 15, ग्राम एवं ग्राम पंचायत- बेलाश, तहसील- सुथालिया, जिला- राजगढ़, मध्य प्रदेश	सूरज सिंह 8109743360
(ऋण खाता सं.) L9001060142032676, मैसर्स गणेश मूर्ति भंडार (ऋणी), ब्रजेश कुमार प्रजापति (सहऋणी), श्रीमती प्रमिला (सहऋणी), श्रीमती शांति बाई (सहऋणी), गंगाराम कुमार (सहऋणी)	संपत्ति स्थित- मकान नं. 121, पीएच नं. 44, ग्राम- लखनवास, तहसील- सुथालिया, जिला- राजगढ़, मप्र	घनश्याम गुर्जर 7722995522
(ऋण खाता सं.) L9001060736314498 एवं L9001060142741730, नव्या किराना एंड पार्लर (ऋणी), श्रीमती रूपाली गुप्ता (सहऋणी), जितेंद्र गुप्ता (सहऋणी)	संपत्ति स्थित- सर्वे नं. 826, पीएच नं. 18, मकान नं. 161, वार्ड नं. 13, ग्राम - गिंदोरहाट, तहसील- सुथालिया, जिला- राजगढ़, मध्य प्रदेश	घनश्याम गुर्जर 7722995522
(ऋण खाता सं.) L9001060137855681, राजेश किराना एंड जनरल स्टोर (ऋणी), श्रीमती सरिता (सहऋणी), राजेश (सहऋणी)	संपत्ति स्थित- मकान नं. 29, पीएच नं. 94, वार्ड नं. 02, ग्राम- मालावाड, तहसील- ब्यावरा, जिला- राजगढ़, मप्र	सूरज सिंह 8109743360
(ऋण खाता सं.) L9001060139265962, अनोख ट्रेडर्स (ऋणी), श्रीमती मंजूबाई पत्नी अनोख सिंह (सहऋणी), अनोख सिंह (सहऋणी)	संपत्ति स्थित- पीएच नं. 41, मकान संपत्ति नं. 83, वार्ड नं. 4, ग्राम पंचायत- पदमपुरा, ग्राम- पचोर, तहसील- खुजनेर, जिला- राजगढ़, मध्य प्रदेश	आकाश बैस 6269993657
(ऋण खाता सं.) L9001060140283098, राकेश ट्रेडर्स (ऋणी), राकेश कुमार (सहऋणी), गंगाराम पुत्र गोपीलाल (सहऋणी), श्रीमती लीलाबाई पत्नी गंगाराम (सहऋणी)	संपत्ति स्थित- मकान नं. 161, वार्ड नं. 03, पीएच नं. 22, ग्राम- गोर्धनपुरा, मेन रोड, जनपद पंचायत- ब्यावरा, तहसील- सुथालिया, जिला- राजगढ़, मध्य प्रदेश	आकाश बैस 6269993657
(ऋण खाता सं.) L9001060141184220, बलवंत ट्रेडर्स (ऋणी), बलवंत सिंह सोंधिया (सहऋणी), श्रीमती बल्ब बाई सोंधिया (सहऋणी), श्रीमती संतोष सोंधिया (सहऋणी)	संपत्ति स्थित- पीएच नं. 06, मकान नं. 11, वार्ड नं. 14, ग्राम- रतनपुरिया, तहसील- सुथालिया, जिला- राजगढ़, मध्य प्रदेश	आकाश बैस 6269993657
(ऋण खाता सं.) L9001060716628472, संतोष विश्वकर्मा पुत्र खुशी लाल विश्वकर्मा (ऋणी), श्रीमती राजकुमारी विश्वकर्मा पत्नी संतोष विश्वकर्मा (सहऋणी), खुशीलाल विश्वकर्मा पुत्र सुंदर विश्वकर्मा (सहऋणी)	संपत्ति स्थित- पी.एच. नं. 111/24, खसरा नं. 65/2, 66 का भाग, ग्राम- शेरपुरा, तहसील- बैरसिया, जिला- भोपाल, मध्य प्रदेश	अंकित जांगिड़ 9116080734

दिनांकः 09.04.2026 स्थानः भोपाल, मप्र प्राधिकृत अधिकारी एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड

ऑरेंज कैप (बल्लेबाज)

यशस्वी (राजस्थान)	170
समीर रिजवी (दिल्ली)	160
रघुवंशी (कोलकाता)	155

पर्पल कैप (गेंदबाज)

रवि विश्नोई (राजस्थान)	07
प्रसिद्ध कृष्णा (गुजरात)	06
राशिद खान (गुजरात)	05

बाउंड्री मीटर

248 छक्के

458 चौके

32 अर्धशतक

मुकुल चौधरी ने आठवें विकेट के लिए 23 गेंद पर 57 रन की साझेदारी की जो, मैच का टर्निंग प्वाइंट बनी। मुकुल ने नाबाद 54 रन बनाए, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
राजस्थान	3	3	0	6	2.403
पंजाब	3	2	0	5	0.637
बेंगलुरु	2	2	0	4	2.501
दिल्ली	3	2	1	4	0.811
लखनऊ	3	2	1	4	-0.359
हैदराबाद	3	1	2	2	0.275
गुजरात	3	1	2	2	- 0.270
मुंबई	3	1	2	2	-0.715
कोलकाता	4	0	3	1	-1.315
चेन्नई	3	0	3	0	-2.517

मैच 15: लखनऊ ने रोमांचक मुकाबले में केकेआर को उसके घरेलू मैदान पर तीन विकेट से हराया

मुकुल ने सात छक्के जड़ केकेआर के जबड़े से छीनी जीत

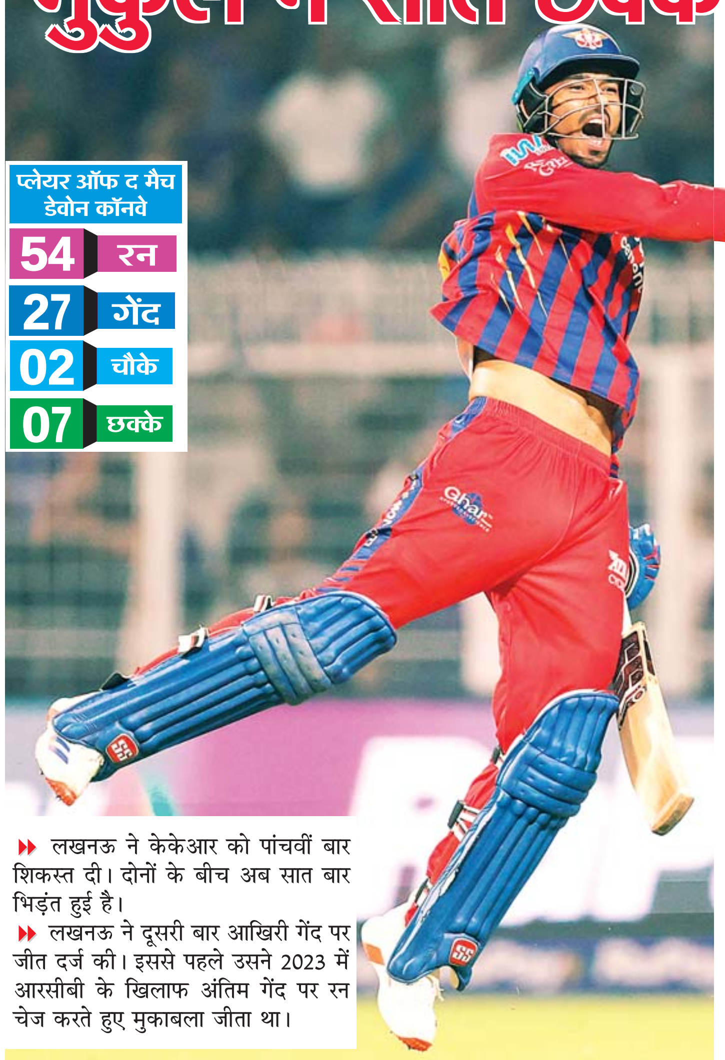

प्लेयर ऑफ द मैच
डेवोन कॉनवे

54 रन
27 गेंद
02 चौके
07 छक्के

» लखनऊ ने केकेआर को पांचवीं बार शिकस्त दी। दोनों के बीच अब सात बार भिड़ंत हुई है।

» लखनऊ ने दूसरी बार आखिरी गेंद पर जीत दर्ज की। इससे पहले उसने 2023 में आरसीबी के खिलाफ अंतिम गेंद पर रन चेज करते हुए मुकाबला जीता था।

जेएनएन, कोलकाता

21 साल के मुकुल चौधरी की बेखौफ नाबाद अर्धशतकीय पारी के दम पर लखनऊ सुपर जाएंट्स ने आईपीएल के 15वें मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स को आखिरी गेंद तक चले रोमांचक मुकाबले में तीन विकेट से हराया। कोलकाता की चार मैचों में तीसरी हार है। लखनऊ ने 16वें ओवर की आखिरी गेंद पर 128 रन पर मोहम्मद शमी के रूप में सातवां विकेट गंवा दिया था। टीम को आखिरी चार ओवर में 54 रन चाहिए थे, और चौधरी ने आवेश खान (नाबाद एक) के साथ मिलकर टीम को जीत दिलाई। लखनऊ के लिए आयुष बदोनी ने भी 54 रन की शानदार पारी खेली। चौधरी ने अपनी पारी की शुरुआती आठ गेंदों में केवल दो रन बनाए, लेकिन बाद में सात छक्के लगाकर नाबाद 54 रन बनाए। इनमें से वैभव अरोड़ा की गेंद पर महेंद्र सिंह धोनी के अंदाज में खेला गया हेलीकॉप्टर शॉट दर्शनीय था। कोलकाता ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 181 रन बनाए। कैमरुन ग्रीन ने मौजूदा सत्र में पहली बार गेंदबाजी करते हुए अपनी दूसरी गेंद पर कप्तान रिषभ पंत को आउट किया और टीम को शुरुआती सफलता दिलाई। हालांकि, पारी के 19वें ओवर में वह रन रोकने में नाकाम रहे। आखिरी दो ओवर में केकेआर को 30 रन की जरूरत थी, लेकिन ग्रीन ने 16 रन लुटा दिए। लखनऊ को अंतिम ओवर में 14 रन चाहिए थे, और वैभव अरोड़ा दबाव में चूक गए। आईपीएल के अपने पहले सत्र में तीसरा मैच खेल रहे चौधरी ने ओवर की पांचवीं गेंद पर छक्का मारकर स्कोर बराबर किया और फिर आखिरी गेंद पर चूकने के बाद एक रन लेकर टीम को यादगार जीत दिलाई।

सुपर जाएंट्स 128 रन पर सात विकेट गंवाकर मुश्किल में थी

लक्ष्य का पीछा करते हुए ऐडन माक्ररम (22) और मिचेल मार्श (15) ने पहले चार ओवर में 41 रन बनाते हुए लखनऊ को शानदार शुरुआत दिलाई थी। फिर पांचवां ओवर लेकर वैभव अरोड़ा आए और उन्होंने पहली तीन गेंदों में ही मैच का रुख पलट दिया। एक ही ओवर में दोनों ओपनर्स को आउट करके वैभव ने केकेआर की वापसी कराई। दो विकेट गिरने के बावजूद लखनऊ ने पावरप्ले में 56 रन बनाए थे। इंपैक्ट प्लेयर आयुष बदोनी ने कप्तान रिषभ पंत के साथ तीसरे विकेट के लिए 23 गेंदों में 31 रन जोड़े। हालांकि, नौवें ओवर में ग्रीन ने पंत को कैच आउट कराया। 12वें ओवर में त्यागी ने पूरन को शिकार बनाया। समद 2 रन पर अनुकूल का शिकार हुए। 13वें ओवर में 104 के स्कोर पर लखनऊ ने पांचवां विकेट गंवा दिया था। 16 ओवर के बाद उनका स्कोर 128/7 हो चुका था और इस समय मैच पूरी तरह केकेआर की पकड़ में दिख रहा था। आखिरी चार ओवर में टीम को 54 रन चाहिए थे और मुकुल इकलौते बल्लेबाज थे।

अच्छी शुरुआत के बाद भी बड़ा स्कोर नही बना पाई केकेआर

केकेआर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए दूसरे ओवर में ही फिन ऐलन (9) का विकेट गंवा दिया था, जिन्हें प्रिंस यादव ने अपना शिकार बनाया। इसके बाद अजिंक्य रहाणे (41) और अंगकृष रघुवंशी (45) ने दूसरे विकेट के लिए 52 गेंदों में 84 रनो की साझेदारी निभाई। 11वें ओवर में रहाणे के विकेट के साथ 99 के स्कोर पर इस साझेदारी का अंत किया। 11 रन के अंदर तीन विकेट गंवाकर केकेआर ने लखनऊ को वापसी करने का मौका दिया। यहां से फिर कैमरून ग्रीन (32*) और रॉवमैन पॉवेल (39*) ने पांचवें विकेट के लिए 40 गेंदों में अविजित 70 रन जोड़े और टीम को एक अच्छे स्कोर तक लेकर गए।

स्कोर बोर्ड

कोलकाता नाइट राइडर्सः 181/4 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
अजिंक्य रहाणे का. शमी बो. राठी	41	24	4	2
फिन ऐलन का. राठी बो. प्रिंस	9	8	2	0
अंगकृष का. माक्ररम बो. सिद्धार्थ	45	33	5	2
कैमरन ग्रीन नाबाद	32	24	3	1
रिंकू सिंह बो. आशीष	4	7	0	0
रौवमन पॉवेल नाबाद	39	24	4	2

अतिरिक्तः 11, **कुलः** 20 ओवर में 4 विकेट पर 181 रन, **विकेट पतनः** 1-15, 2-99, 3-105, 4-111, **गेंदबाजीः** मोहमद शमी 4-0-27-0, प्रिंस यादव 4-0-47-1, एम सिद्धार्थ 4-0-34-1, दिग्वेश राठी 4-0-25-1, आवेश खान 4-0-44-1.

लखनऊ सुपर जाएंट्सः 182/7 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
मार्श का. रघुवंशी बो. वैभव	15	11	1	1
माक्ररम का. पॉवेल बो. वैभव	22	15	2	1
रिषभ पंत का. त्यागी बो. ग्रीन	10	9	1	0
आयुष बदोनी का. रिंकू बो. अनुकूल	54	34	7	2
पूरन का. रमनदीप बो. त्यागी	13	15	0	1
अब्दुल समद बो. अनुकूल	2	4	0	0
मुकुल चौधरी नाबाद	54	27	2	7
शमी का. अनुकूल बो. नारायण	1	3	0	0
आवेश खान नाबाद	1	3	0	0

अतिरिक्तः 10, **कुलः** 20 ओवर में सात विकेट पर 182 रन, **विकेट पतनः** 1-41, 2-42, 3-73, 4-95, 5-104, 6-125, 7-128, **गेंदबाजीः** वैभव 4-0-38-2, अनुकूल 4-0-32-2, सैनी 3-0-37-0, नारायण 4-0-13-1,त्यागी 3-0-31-1, ग्रीन 2-0-28-1.

लॉरा कारडोसो ने रचा इतिहास टी-20 मैच में झटके नौ विकेट

दुबई, जेएनएन। ब्राजील की तेज गेंदबाज लॉरा कारडोसो ने पुरुषों या महिलाओं के टी-20 अंतरराष्ट्रीय में एक पारी में नौ विकेट लेने वाली पहली खिलाड़ी बन गईं। कारडोसो ने लेसोथो के खिलाफ चार रन देकर नौ विकेट चटकाए, जो टी-20 इतिहास की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़े है। उन्होंने गैबोरोन में बीसीए कालाहारी महिला टी-20 में यह उपलब्धि हासिल की। पिछला रिकॉर्ड भूटान

की सोनम येशे के नाम था, जिन्होंने 2025 में पुरुषों के टी-20 मैच में म्यांमार के खिलाफ सात रन देकर आठ विकेट लिए थे। आईसीसी के अनुसार महिलाओं के टी-20 में कारडोसो ने इंडोनेशिया की रोहमालिया के 2024 में मंगोलिया के खिलाफ बिना रन के सात विकेट चटकाने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। इस मैच में ब्राजील ने रॉबर्टा एवरी (48) और मोनिके मचाडो (नाबाद 69 रन) की पारियों की मदद से 202 रन का बड़ा स्कोर बनाया। जवाब में लेसोथो की टीम 6.2 ओवर में सिर्फ 13 रन पर सिमट गई और ब्राजील ने 189 रन की बड़ी जीत दर्ज की। तेज गेंदबाज कारडोसो ने दूसरे ओवर में हैट्रिक के साथ शुरुआत की। उन्होंने चौथे ओवर में चार और विकेट लेकर अपने विकेटों की संख्या सात कर ली। कारडोसो ने छठे ओवर में दो और विकेट के साथ पारी में नौ विकेट चटकाए। आखिरी विकेट मैरिएन आर्टुर ने लिया।

सीजन की दो विजयी टीम आरसीबी और राजस्थान के बीच भिड़ंत आज

विराट की निगाहें तिहरे शतक पर

जेएनएन, गुवाहाटी

आईपीएल 2026 के 16वें मैच में शुक्रवार को दो ऐसी टीमों की भिड़ंत होगी, जो इस सीजन में अब तक नहीं हारी हैं। राजस्थान रॉयल्स गुवाहाटी में गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को होस्ट करने वाली है। राजस्थान ने जहां जीत की हैट्रिक लगा दी है, तो वहीं आरसीबी भी वही करने की कोशिश करेगी। इस मैदान पर पिछला मुकाबला बारिश की वजह से बाधित रहा था, लेकिन राजस्थान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बेहतरीन जीत हासिल की थी। आरसीबी के खिलाफ भी वो अपने उस विनिंग मोमेंटम को बरकरार रखना चाहेंगे। हालांकि ओवरऑल हेड टू हेड में आरसीबी का पलड़ा भारी है। दोनों टीमों के बीच अभी तक कुल 33 मैच हुए हैं, जिसमें राजस्थान ने 14 और आरसीबी ने 17 मैचों में जीत हासिल की है। वहीं दो मैचों का नतीजा नहीं निकला है। दो साल पहले टी-20 क्रिकेट से विदा लेने के बावजूद आरसीबी के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के प्रदर्शन में कमी नहीं आई है। कोहली के 269 आईपीएल मैचों में अभी 297 छक्के हैं। अगर वो तीन और छक्के इस मैच में लगा देते हैं तो फिर आईपीएल में उनके 300 छक्के पूरे हो जाएंगे। इसके साथ ही कोहली, रोहित शर्मा और क्रिस गेल की लिस्ट में भी शामिल हो जाएंगे। गेल ने सबसे ज्यादा 357 छक्के लगाए हैं और दूसरे नंबर पर मौजूद रोहित के 309 छक्के हैं। वहीं रॉयल्स इस सत्र में सबसे आक्रामक बल्लेबाजी ईकाई के रूप में सामने आई है, जिसका श्रेय यशस्वी और वैभव सूर्यवंशी को जाता है।

संदीप शर्मा के पास है कोहली का तोड़

राजस्थान के तेज गेंदबाज संदीप शर्मा के खिलाफ कोहली का रिकॉर्ड उतना अच्छा नहीं रहा है। अब तक 18 पारियों में संदीप ने कोहली को सात बार पवेलियन की राह दिखाई है। हालांकि कोहली ने 150 की स्ट्राइक रेट से संदीप के खिलाफ रन बनाए हैं, लेकिन इस चक्कर में वो आउट भी कई बार हुए हैं।

डेथ ओवर्स में डेविड हो सकते हैं खतरनाक

राजस्थान को डेथ ओवर्स में टिम डेविड को जल्द आउट करना होगा, नहीं तो वह मैच को उनकी पकड़ से बहुत दूर ले जाएंगे। इसकी वजह यह है कि डेथ ओवर्स में 2025 से ही डेविड का स्ट्राइक रेट काफी जबरदस्त रहा है। डेविड ने 17-20 ओवरों में 237 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। वहीं आईपीएल 2025 से ही उनका स्ट्राइक रेट (मिनिमम 100 गेंद) दूसरा सबसे बेस्ट (201) रहा है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि डेविड आखिर के ओवरों में कितने खतरनाक साबित हो सकते हैं।

भारत के खिलाफ जून में टेस्ट मैच से बाहर रह सकते हैं राशिद

नई दिल्ली, जेएनएन। कमर के ऑपरेशन के बाद टेस्ट क्रिकेट से दूर रहने की डॉक्टर की सलाह के बाद अफगानिस्तान के दिग्गज स्पिनर राशिद खान ने संकेत दिए हैं कि वह जून में भारत के खिलाफ मुल्लांपुर में होने वाले टेस्ट से बाहर रह सकते हैं। राशिद ने कहा कि उनकी प्राथमिकता 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले वनडे विश्व कप के लिए फिट रहने की है। 27 वर्ष के राशिद ने 2023 वनडे विश्व कप के बाद कमर की सर्जरी कराई थी। उन्होंने कहा कि डॉक्टर ने उन्हें टेस्ट क्रिकेट से दूर रहने की सलाह दी है, लेकिन इसके बावजूद पिछले साल उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ एक टेस्ट खेलकर 54 ओवर डाले और 11 विकेट लिए थे। राशिद ने कहा कि यह काफी कठिन सवाल है। डॉक्टर ने मुझे सबसे पहले टेस्ट क्रिकेट से दूर रहने के लिए ही कहा था।

आईएसएसएफ विश्व कप

दिव्या ने चौथा, गजानन ने पांचवां स्थान हासिल किया

ग्रेनाडा, जेएनएन। दिव्या टीएस ने महिला 25 मीटर पिस्टल में चौथा स्थान हासिल किया, जबकि गजानन खंडागले ने पुरुष 10 मीटर एयर राइफल में अपने अंतरराष्ट्रीय पदार्पण पर पांचवां स्थान हासिल कर आईएसएसएफ राइफल/पिस्टल विश्व कप में भारत के लिए गुरुवार का दिन यादगार बना दिया। अपने तीसरे विश्व कप में भाग ले रही दिव्या ने फाइनल में 28 निशाने लगाए और मामूली अंतर से पदक से चूक गईं। अनुभवी भारतीय रिद्म संगवान ने महिला 25 मीटर पिस्टल में सातवां स्थान हासिल किया। टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली चीन की शियाओ जियारुइक्सुआन ने हमवतन और पदार्पण कर रही कोंग जिएरू को शूट-ऑफ में पछाड़ कर स्वर्ण पदक जीता। पुरुष 10 मीटर एयर राइफल में गजानन ने क्वालिफिकेशन में 634.3 अंक के साथ दूसरा स्थान हासिल कर फाइनल में जगह बनाई।

आयुष क्वार्टर फाइनल में, सिंधू और प्रणय हारे

बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप

निंगबो, जेएनएन। भारत के युवा बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप में पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए, लेकिन पीवी सिंधू और एचएस प्रणय हारकर बाहर हो गए। विश्व रैंकिंग में 25वें स्थान पर काबिज आयुष ने 20वीं रैंकिंग वाले चीनी ताइपै के चि यू जेन को 21-16, 21-12 से हराया। अब उनका सामना तीसरी वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी से होगा। भारत के बाकी खिलाड़ियों के लिए गुरुवार का दिन निराशाजनक रहा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू को दूसरी वरीयता प्राप्त चीन की वांग झियि ने 46 मिनट तक चले मुकाबले में 21-18, 21-8 से हराया। कंधे की चोट से उबरकर वापसी करने वाले एचएस प्रणय को चीन के वेंग होंग यांग ने 21-12, 21-19 से मात दी। मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो को चौथी वरीयता प्राप्त मलेशिया के चेन तांग जी ओर तो ई वेइ ने 21-13, 21-14 से हराया।

सिटी स्पोर्ट्स

क्रिकेट प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

भोपाल, खेप्र। मयंक चतुर्वेदी क्रिकेट अकादमी (एमसीसीए) का ग्रीष्म कालीन प्रशिक्षण शिविर गुरुवार से प्रारंभ हो गया है। शिविर का शुभारंभ (भोपाल संभाग क्रिकेट संघ) बीडीसीए के सचिव शांति कुमार जैन और रेलवे के एडीआरएम दिनेश कुमार कलमे ने किया। अकादमी के सचिव डॉ. सुशील सिंह ठाकुर ने बताया कि शिविर खिलाड़ियों को विशेषज्ञ कोचेज द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा। शांति कुमार जैन ने खिलाड़ियों को अपने खेल कौशल का विकास अच्छे तरीके से करने और शारीरिक रूप से मजबूत बनाने पर विशेष ध्यान देने का सुझाव दिया। इस अवसर पर अकादमी के कोच केडी गुप्ता, सुरेश खड़से और जमील अहमद उपस्थित रहे।

कुश्ती खिलाड़ियों के चयन ट्रायल आज

भोपाल, खेप्र। आगामी राष्ट्रीय अंडर-17 बालक/बालिका कुश्ती प्रतियोगिता के लिए भोपाल जिले के खिलाड़ियों का चयन 10 अप्रैल को किया जाएगा। यह जिला स्तरीय सिलेक्शन ट्रायल अखाड़ा ट्रेनिंग स्कूल में आयोजित होगी। राष्ट्रीय प्रतियोगिता 28 से 30 अप्रैल 2026 तक छत्रपति संभाजी नगर (औरंगाबाद, महाराष्ट्र) में आयोजित की जाएगी। मध्य प्रदेश कुश्ती दल के गठन के लिए राज्य स्तरीय अंडर-17 प्रतियोगिता 12 से 13 अप्रैल को सागर में आयोजित होगी, जिसमें चयनित खिलाड़ी भाग लेंगे। इसी के लिए भोपाल जिले के पहलवानों का चयन ट्रायल रखा गया है। भोपाल जिला कुश्ती संघ के सचिव शाकिर नूर ने बताया कि सभी खिलाड़ियों को 10 अप्रैल को शाम 4 बजे पंजीयन व वजन प्रक्रिया के लिए अखाड़ा ट्रेनिंग स्कूल में उपस्थित होना अनिवार्य है।

मप्र की मुक्केबाज स्नेहा, रिद्धि और वरिधि सेमीफाइनल में

भोपाल, खेप्र। मध्यप्रदेश राज्य अकादमी की खिलाड़ियों स्नेहा वर्मा, रिद्धि पांडे और वरिधि दुबे ने सातवीं जूनियर नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया। नागपुर में आयोजित प्रतियोगिता में 75 किलोग्राम वर्ग स्नेहा वर्मा ने पंजाब की इच्छामनवीर को हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। 70 किग्रा में रिद्धि ने तमिलनाडु की जनश्रुति पी को 5-0 से शिकस्त दी। वहीं 66 किग्रा में वरिधि मणिपुर की आरतीना को 4-1 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंचीं। यह सभी खिलाड़ी अकादमी में मुख्य कोच रोशनलाल के नेतृत्व में प्रशिक्षण हासिल करती हैं।

निशानेबाजीः मप्र के नौ खिलाड़ियों का नेशनल स्क्वाड कैंप में चयन

पांच खिलाड़ी विश्व कप में करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

भोपाल, खेप्र। मध्यप्रदेश शूटिंग अकादमी के नौ खिलाड़ियों का चयन नेशनल स्क्वाड कैंप के लिए किया गया है। भारतीय राइफल संघ द्वारा यह प्रशिक्षण शिविर 11 से 26 अप्रैल 2026 तक नई दिल्ली स्थित डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित किया जाएगा। यह खिलाड़ी शॉटगन इवेंट में हिस्सा लेंगे। कैंप के लिए चयनित खिलाड़ियों में प्रगति दुबे, मनीषा, नीरू, वर्षा बर्मन, श्रेष्ठ सिसोदिया, वंशिका तिवारी, मानसी रघुवंशी, शिवानी रैकवार एवं ज्योतिरादित्य सिसोदिया शामिल हैं। ये सभी खिलाड़ी देश के शीर्ष निशानेबाजों के साथ प्रशिक्षण प्राप्त कर अपनी तकनीक एवं प्रदर्शन को और बेहतर बनाएंगे। कैंप के पश्चात मप्र के पांच खिलाड़ी प्रगति, नीरू, मनीषा, वर्षा और वंशिका आईएसएसएफ विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह विश्व कप अल्माटी में 29 अप्रैल से 11 मई तक आयोजित किया जाएगा।

खेल प्रशिक्षण शिविर 'आरोग' 15 से

विकासखंड से लेकर जिला मुख्यालय तक दिया जाएगा प्रशिक्षण

भोपाल, खेप्र। खेल विभाग द्वारा प्रदेश भर में 'ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर (आरोग-2026)' का आयोजन 15 अप्रैल से 30 जून तक किया जा रहा है। न्यूनतम 30 दिवसीय इस शिविर में विकासखंड स्तर से लेकर जिला मुख्यालय तक विभिन्न खेलों में प्रशिक्षण दिया जाएगा। शिविर में भाग लेने के लिए प्रतिभागी 'मेरा युवा एमपी' पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। आरोग-2026 का उद्देश्य लक्ष्य प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान कर उन्हें बेहतर प्रशिक्षण देना है। शिविर प्रदेश के समस्त विकासखण्ड मुख्यालय में कम से कम दो खेल, लघु जिला मुख्यालय पर चार खेल, बड़े जिला मुख्यालय पर आठ और संभागीय मुख्यालय पर 15 खेलों के शिविर आयोजित किए जाएंगे। 'फिट इंडिया मूवमेंट' के तहत दैनिक फिटनेस गतिविधियां, योग एवं प्राणायाम सत्र आयोजित किए जाएंगे। व्यक्तित्व विकास के लिए कम्युनिकेशन स्किल, लीडरशिप एवं मोटिवेशनल सत्र आयोजित होंगे। सांस्कृतिक एवं मनोरंजन गतिविधियों में प्रतियोगिताएं और रचनात्मक कार्यक्रम शामिल रहेंगे। खेल प्रशिक्षण के तहत इंडोर एवं आउटडोर खेलों में बेसिक से एडवांस स्तर तक कोचिंग दी जाएगी। 'फैमिली इंगेजमेंट' के माध्यम से अभिभावकों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।

पांडे के दोहरे प्रदर्शन से आईपीसीए बनी टी-20 चैंपियन

भोपाल, खेप्र। पूर्व रणजी और आईपीएल प्लेयर ईश्वर पांडे के ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत आईपीसीए ने नौवें ऑल इंडिया मास्टर्स कप टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट में भोपाल मास्टर्स को 106 रन से करारी शिकस्त देकर खिताब अपने नाम किया। ओल्ड कैंपियन मैदान पर वेटरन ग्रुप में आईपीसीए ने निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 183 रन बनाए। पांडे ने 51, अब्दुल अकील ने 47, पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर जेपी यादव ने 34 और सनी भटनागर ने नाबाद 22 रन की पारी खेली। भोपाल मास्टर्स के प्रदीप कनाड़े ने 2 विकेट लिए। जवाब में भोपाल मास्टर्स 77 रन पर ढेर हो गई। सुनील अहिरवार ने 19 और दिलीप मंगरानी ने 17 रन बनाए। आईपीसीए के सनी, सोहेल मसूद और ईश्वर ने दो-दो विकेट लिए। विजेता-उप विजेता टीम और खिलाड़ियों को खेल मंत्री विश्वास सारंग और बीडीसीए उपाध्यक्ष डॉ. सुशील सिंह ठाकुर ने पुरस्कृत किया।

प्लेयर ऑफ द फाइनल	ईश्वर
सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज	जेपी यादव
सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज	शेखर दीक्षित
सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर	जावेद अख्तर
सर्वश्रेष्ठ फील्डर	प्रदीप कनाडे
प्लेयर ऑफ टूर्नामेंट	नीलेश

महिला खिलाड़ियों का सम्मान

भोपाल, खेप्र। राज्यमंत्री कृष्णा गौर ने गुरुवार को प्रदेश के पहले पिंक स्पोर्ट्स शोरूम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महिलाओं एवं छात्राओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने और उन्हें खेल सामग्री की सुगम उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। मंत्री गौर ने अपने ऑटोग्राफ वाले बैट प्रदान कर महिला खिलाड़ियों का सम्मान किया। सरिता कोहली ने कहा कि उनका उद्देश्य महिलाओं और छात्राओं को एक स्थान पर गुणवत्तापूर्ण खेल सामग्री उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें असुविधा का सामना न करना पड़े।

संक्षिप्त समाचार

केदारनाथ में अब 'नो रूम' की टेंशन खत्म, मिलेगी टेंट सुविधा

रुद्रप्रयाग, जेएनएन। चारधाम यात्रा से पहले केदारनाथ में इस बार 'नो रूम' की टेंशन खत्म होती दिख रही है। प्रशासन ने 25 हजार तीर्थयात्रियों के नाइट स्टे की प्लानिंग तैयार कर ली है। धाम तक कॉटेज और टेंट की व्यवस्था की जा रही है, ताकि श्रद्धालुओं को नाइट स्टे के लिए भटकना न पड़े। केदारनाथ धाम के कपाट खुलने में महज 13 दिन शेष हैं, ऐसे में जिला प्रशासन यात्रा व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटा है।

चाकू से सिर काटकर बीच रोड पर रखा

अररिया, जेएनएन। बिहार के अररिया में गुरुवार को एक युवक का गला काटकर उसका कटा सिर बीच सड़क पर रख दिया। मृतक की पहचान मो. नवी हुसैन के रूप में हुई है। वारदात को अंजाम देने वाले का नाम रवि चौहान बताया जा रहा है। नवी ड्राइवर था और रवि सत्तू की दुकान चलाता था। रवि ने नवी के सीने पर बैठकर बीच सड़क उसकी गर्दन काटी। इसका वीडियो भी सामने आया है। वारदात के बाद रवि 5 मिनट तक हाथ में चाकू लिए वहीं खड़ा रहा। घटना के बाद गुस्साए लोगों ने आरोपी को भी पीट-पीटकर अधमरा कर दिया। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। भीड़ ने सड़क पर आगजनी और तोड़फोड़ की। इलाके के सभी दुकानों को बंद कर दिया गया।

बंगाल में अब टीएमसी का भय नहीं भाजपा का भरोसा चलेगा: पीएम मोदी

जहरीले सांप बयान पर नवीन बोले-ये कांग्रेस की भाषा, हुमायूं का वीडियो विवाद में

कोलकाता, जेएनएन। देश के तीन राज्यों में वोटिंग के बीच पश्चिम बंगाल में प्रचार के लिए पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ममता बनर्जी पर अप्रत्यक्ष तौर पर हमला बोला है। पीएम मोदी ने हल्दिया में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस बार भबानीपुर में नंदीग्राम होगा। राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भबानीपुर सीट से लड़ रही है। बीजेपीने उनके सामने सुवेंदु अधिकारी को उतारा है। 2021 के चुनावों में ममता बनर्जी नंदीग्राम से हार गई थी। पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल ने इस बार हर विपरीत परिस्थिति को पराजित करने का फैसला कर लिया है। पीएम मोदी ने पश्चिम बंगाल में 3 चुनावी रैलियां कीं। उन्होंने बीरभूमि में कहा, 'हम ऐसा समाज देखने चाहते हैं। जहां हर कोई भय से मुक्त हो। ये मां, माटी और मानुष की बात करते हैं। मां आज रो रही है, माटी पर घुसपैठियों का कब्जा हो रहा है और मानुष भयभीत है, डरा हुआ है।' टीएमसी ने देश की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति का अपमान किया था।' उन्होंने कहा कि आपने टीएमसी पर विश्वास किया था, लेकिन टीएमसी ने बंगाल में बर्बरता की सारी हदें पार कर दीं हैं। 4 मई के बाद हर गुंडागर्दी का हिसाब लिया जाएगा।

खड़गे की टिप्पणी लोगों को भड़काने की कोशिश: नितिन

बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन ने गुरुवार को मल्लिकार्जुन खड़गे के 'भाजपा-आरएसएस को जहरीला सांप' बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि यह टिप्पणी लोगों को सांप्रदायिक आधार पर भड़काने की कोशिश है और सस्ती मानसिकता दिखाती है।

भाजपा के साथ डील का आरोप, मचा घमासान

कोलकाता, जेएनएन। तृणमूल कांग्रेस ने गुरुवार को अपने पूर्व विधायक हुमायूं कबीर और उनकी नई बनी आम आदमी उन्नयन पार्टी (एएयूपी) पर भाजपा के साथ 1,000 करोड़ रुपए की डील करने का आरोप लगाया। यह डील पश्चिम बंगाल विधानसभा की उन सीटों पर अल्पसंख्यक वोटों को बांटने के लिए की गई है, जहां आगामी चुनावों में कबीर के उम्मीदवार असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ रहे हैं। ऑडियो क्लिप में कबीर को कथित तौर पर उस अज्ञात व्यक्ति को यह भरोसा दिलाते हुए सुना गया कि यदि बीजेपी इस बार ज्यादातर हिंदू वोट हासिल करने में सफल हो जाती है, तो वह मुस्लिम मतदाताओं को बांटने में अहम भूमिका निभाएंगे, और वह ऐसा राज्य से तृणमूल को सत्ता से बाहर करने के लिए करेंगे। कबीर को उस अज्ञात व्यक्ति को यह भरोसा दिलाते हुए भी सुना गया कि यदि इस बार पश्चिम बंगाल में बीजेपी सत्ता में आती है, तो वह और उनकी पार्टी नए भाजपा मुख्यमंत्री को शत-प्रतिशत समर्थन देंगे।

हुमायूं कबीर की प्रतिक्रिया

कबीर ने कहा कि 1,000 करोड़ रुपए बहुत बड़ी रकम है। बीजेपी के साथ मेरा 1 करोड़ रुपए का भी कोई सौदा नहीं हुआ है। वे जो चाहें कह सकते हैं। लेकिन सबसे पहले, उन्हें इस बात का सबूत देना चाहिए कि या तो में बीजेपी के किसी व्यक्ति से मिला हूं, या कोई बीजेपी नेता मुझसे मिला है। उन्होंने यह भी कहा कि तृणमूल द्वारा जारी की गई ऑडियो क्लिप फर्जी है। कबीर ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस राजनीतिक रूप से मेरा मुकाबला नहीं कर सकी, और इसलिए अब उन्होंने ऐसी घटिया हरकतों का सहारा लिया है।

नाटो पर भड़के ट्रंप : जब जरूरत थी तो नहीं मिला साथ, ग्रीनलैंड पर दावा दोहराया

वाशिंगटन, जेएनएन। अमेरिकी राष्ट्रपति लगातार बयान देते रहते हैं। ईरान युद्ध में सीजफायर के बाद अब ट्रंप फिर से भड़क गए हैं। इस बार उनका गुस्सा नाटो पर निकल रहा है।

ट्रंप की नाराजगी कोई नई नहीं है, लेकिन इस बार उनका लहजा कुछ ज्यादा सख्त नजर आया। मार्क रूटे जो नाटो के जनरल सेक्रेटरी हैं, के साथ बैठक के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि जब अमेरिका को जरूरत थी, तब नाटो साथ नहीं था और भविष्य में भी शायद भरोसे लायक नहीं रहेगा। यही नहीं, उन्होंने अचानक ग्रीनलैंड का जिक्र छेड़ दिया। वही द्वीप जिसे लेकर वे पहले भी दावा जता चुके हैं। ग्रीनलैंड जो कि डेनमार्क के अधीन आता है, पहले भी ट्रंप के बयानों से विवादों में रहा है।

ईरान युद्ध और नाटो की दूरी

ट्रंप खास तौर पर इस बात से नाराज हैं कि उनके ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान में नाटो देशों ने खुलकर साथ नहीं दिया। उनका आरोप है कि कई सहयोगी देश या तो पीछे हट गए या फिर सीमित समर्थन दिया। उन्होंने नाटो को पेपर टाइगर तक कह दिया, यानी नाम बड़ा, काम छोटा। खासकर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर नाटो की भूमिका पर भी उन्होंने सवाल उठाए। ट्रंप ने सिर्फ संगठन ही नहीं, बल्कि कुछ नेताओं पर भी व्यक्तिगत टिप्पणी की। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो ट्रंप नाटो से बाहर निकलने की बजाय एक और रास्ता अपनाने पर विचार कर रहे हैं, उन देशों से अमेरिकी सैनिक हटाना, जिन्हें वे कम मददगार मानते हैं। हालांकि नाटो से पूरी तरह अलग होना आसान नहीं है। इसके लिए अमेरिकी संसद की मंजूरी जरूरी होगी।

पैरी की मौत मामले में भारतीय मूल की महिला को मिली सजा

नई दिल्ली, जेएनएन। हॉलीवुड के मशहूर टीवी शो 'फ्रेंड्स' के अभिनेता मैथ्यू पैरी की मौत से जुड़े ड्रग्स मामले में

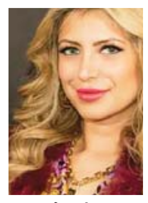

अदालत ने भारतीय मूल की महिला जसवीन संघा को 15 साल की जेल की सजा सुनाई है। जसवीन को 'केटामाइन क्वीन' के नाम से भी जाना जाता है। जसवीन संघा ने पिछले साल सितंबर में पांच आरोपों को स्वीकार किया था। इनमें केटामाइन बेचने का आरोप भी शामिल था, जिसे मैथ्यू पैरी की मौत की बड़ी वजह माना गया। केटामाइन एक बेहोश करने वाली दवा है, जिसका इस्तेमाल केवल डॉक्टर की निगरानी में ही किया जाता है। मैथ्यू पैरी अक्टूबर 2023 में अपने घर के हॉट टब में मृत पाए गए थे। जांच में सामने आया कि उनकी मौत केटामाइन के ज्यादा असर (ओवरडोज) की वजह से हुई थी। सरकारी वकील के अनुसार, नॉर्थ हॉलीवुड में स्थित जसवीन का घर ड्रग्स सप्लाई का केंद्र बना हुआ था।

मणिपुर हिंसा: घायल मां से 3 दिन तक बच्चों की मौत की खबर छिपाई

बम हमले में 2 बच्चों की मौत हुई थी

इंफाल, जेएनएन। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले के मोइरांग ट्रोंगलाओबी में 6 अप्रैल की आधी रात एक घर पर बम से हमला हुआ। इसमें 5 साल के बेटे और 6 महीने की बच्ची की मौत हो गई, जबकि उनकी मां बिनाता ओइनाम गंभीर रूप से घायल हो गईं। अस्पताल में भर्ती बिनाता तीन दिन तक अपने बच्चों के बारे में पूछती रहीं। परिवार के लोग उनकी हालत को देखते हुए सच्चाई छिपाते रहे। उन्होंने बताया कि बच्चों का इलाज चल रहा है। गुरुवार सुबह बिनाता को एक अखबार पढ़कर पता चला कि उनके दोनों बच्चे अब नहीं रहे। खबर पढ़ते ही बिनाता ओइनाम को गहरा सदमा लगा। वह रोने लगीं और बार-बार बेहोश होने लगीं। डॉक्टरों ने दवाएं देकर उन्हें शांत किया। उनकी हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। वहीं, परिवार लगाताक न्याय की मांग कर रहा है।

दादी बोलीं- हमें पैसे नहीं, न्याय चाहिए : मृत बच्चों की दादी ओइनाम लोइदम ने कहा- मेरे दोनों पोतों की क्या गलती थी? इन बच्चों को क्यों सजा मिली? हमें पैसे नहीं, न्याय चाहिए। हमे पांच दिन के भीतर न्याय दिया जाए। उन्होंने कहा कि मैं अपनी बहू का चेहरा भी नहीं देख पा रही हूं।

सबरीमाला केस : सुप्रीम कोर्ट बोला मंदिरों में एंट्री रोकने से समाज बंटेगा

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को सबरीमाला केस की सुनवाई के दौरान मंदिरों के रीति-रिवाजों का जिक्र हुआ। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि मंदिरों में सिर्फ खास समुदाय की एंट्री और बाहरी लोगों की मनाही से समाज बंटेगा। यह हिंदु धर्म के लिए ठीक नहीं है। उधर केंद्र सरकार की तरफ से पेश हुए सीनियर एडवोकेट वैद्यनाथन ने कहा कि इतिहास में ऐसे कई उदाहरण हमारे सामने हैं, जब धर्म से जुड़े विवाद संवेदनशील होते हैं। वहां अदालतें हस्तक्षेप नहीं करतीं हैं। सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की बेंच ने गुरुवार को धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव से जुड़े मामलों में लगातार तीसरे दिन सुनवाई की। इसमें विभिन्न धर्मों में प्रचलित धार्मिक स्वतंत्रता की सीमा और दायरे पर भी विचार किया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट में 50 से ज्यादा रिव्यू पिटीशन

धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव का मामला बीते 26 सालों से देश की अदालतों में हैं। 2018 में, 5 जजों की बेंच ने 4-1 के बहुमत से मंदिर में महिलाओं के प्रवेश पर लगी रोक हटा दी थी। इसके बाद कई पुनर्विचार याचिकाएं दायर की गईं। सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की संविधान बेंच 7 से 22 अप्रैल तक 50 से ज्यादा याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। रिव्यू पिटीशनर और उनके समर्थक 7 से 9 अप्रैल तक, जबकि विरोधी 14 से 16 अप्रैल तक दलीलें देंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने दिये तीन तर्क

- मान लीजिए (सबरीमाला केस को छोड़कर), अगर यह कहा जाए कि सिर्फ गौड़ सारस्वत लोग ही एक मंदिर में आएं या कांची मठ के लोग सिर्फ कांची ही जाएं, दूसरे मठ न जाएं तो यह ठीक नहीं होगा।
- आर्टिकल 17 बहुत ताकतवर प्रावधान है। यह सिर्फ कानून के तहत अपराध नहीं है, बल्कि संविधान इसे अपराध घोषित करता है। यह कानूनी ही नहीं, संवैधानिक स्तर पर भी गंभीर मामला है।
- अगर सरकार सामाजिक सुधार के लिए कानून बनाती है और उसका असर धार्मिक प्रथाओं पर पड़ता है, तो उसका असर अनुच्छेद 26 पर भी पड़ सकता है। यह कहना सही नहीं है कि अनुच्छेद 26 पर असर नहीं पड़ेगा। इस सवाल का जवाब सिर्फ थ्योरी से नहीं दिया जा सकता। यह हर केस के हिसाब से तय होगा।

केंद्र सरकार ने दिये 4 तर्क

- अगर कोई मंदिर सिर्फ अपने समुदाय के लोगों के लिए रखना चाहता है, तो उन्हें सरकार या आम जनता से फंड (पैसा/दान) नहीं लेना चाहिए।
- अगर सिर्फ आर्टिकल 26(बी) के आधार पर देखें, तो मंदिर में प्रवेश से जुड़ा कानून गलत हो सकता है। जबरन एंट्री कराने वाला कानून इस अधिकार का उल्लंघन है।
- केरल में पुर्तगालियों ने सीरियन ऑर्थोडॉक्स ईसाइयों को कैथोलिक बनाने की कोशिश की।
- अगर मंदिरों में शाकाहारी भोजन परोसा जा रहा है और कोई मांसाहारी भोजन चाहता है, तो वह किसी संप्रदाय से यह नहीं कह सकता कि यह उसका अधिकार है और उसे वही परोसा जाए।

पाक मीडिया ने शाहबाज-मुनीर के लिए शांति नोबेल मांगा

इस्लामाबाद, जेएनएन। ईरान और अमेरिका के बीच हुई हालिया जंग को रुकवाने का क्रेडिट लेने की कोशिश कर रहे पाकिस्तान की तरफ से अब एक ऐसी मांग आई है, जिसे सुनकर आप भी अपनी हंसी नहीं रोक पाएंगे। पाकिस्तान में सीजफायर के लिए नोबेल शांति पुरस्कार की मांग उठी है। यह मांग पाकिस्तान की मीडिया और वहां की कुछ संस्थाओं ने उठाई है, बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर की घोषणा की थी। ट्रंप ने यह भी कहा कि ईरान ने 10 बिंदुओं का प्रस्ताव दिया है, जो बातचीत के लिए एक मजबूत आधार बन सकता है और उम्मीद जताई कि दो हफ्तों के भीतर कोई अंतिम समझौता हो सकता है। अब कराची चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री और पाकिस्तानी मीडिया के अलग-अलग वर्टिकल ने बुधवार को प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को नोबेल शांति पुरस्कार देने की बात कही है।

रूस ने यूक्रेन को सौंपे युद्ध में जान गांवाने वाले 1000 सैनिकों के शव

मास्को, जेएनएन। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष के बीच रूस ने यूक्रेन को उसके 1,000 मृत सैनिकों के शव सौंप दिए हैं। इसके जवाब में यूक्रेन की ओर से रूस को केवल 41 रूसी सैनिकों के पार्थिव शरीर वापस मिले हैं। युद्ध के मैदान में जारी भीषण गोलाबारी के बीच शवों की वापसी का यह सिलसिला दोनों देशों के बीच चल रही। एक जटिल और संवेदनशील प्रक्रिया का हिस्सा है। हालांकि, दोनों ओर से लौटाए गए शवों की संख्या में बहुत बड़ा अंतर देखने को मिल रहा है, जो युद्ध के मैदान में हुई जनहानि की भयावहता को भी दर्शाता है। यह पहली बार नहीं है जब दोनों देशों ने अपने मृत सैनिकों के अवशेषों का आदान-प्रदान किया हो। रूसी विदेश मंत्रालय की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, शवों के स्वदेश वापसी की यह प्रक्रिया आधिकारिक तौर पर जून 2025 में शुरू की गई थी। आंकड़ों पर गौर करें तो तब से लेकर अब तक रूस ने कीव को 12,000 से अधिक युक्रेनी सैनिकों के अवशेष सौंपे हैं।

सिक्किम में बर्फबारी-लैंडस्लाइड 135 टूरिस्ट को सेना ने बचाया

नई दिल्ली, जेएनएन। सिक्किम में भारी बर्फबारी के बीच कई जगह लैंडस्लाइड के कारण सड़क संपर्क टूट गया। लाचेन में करीब 1,000 पर्यटक फंसे हुए हैं और उन्हें जल्द से जल्द बचाने के लिए निरंतर प्रयास जारी हैं। सेना ने कुल 135 फंसे पर्यटकों को बचाया है। उत्तर भारत में 3 वेस्टर्न डिस्टरबेंस के असर से अप्रैल में भी सर्दी का अहसास हो रहा है। राजस्थान में 20 दिनों से बदले मौसम के कारण तापमान 7 डिग्री तक कम हुआ है। मौसम विभाग ने गुरुवार के लिए छत्तीसगढ़ और बिहार समेत 17 राज्यों में आंधी-तूफान का अलर्ट जारी किया। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा, सिक्किम, बंगाल, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। बिहार में काल बैसाखी सिस्टम एक्टिव हो गया है।

शिमला में अप्रैल में रिकॉर्ड ठंड, 23 साल का रिकॉर्ड

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में अप्रैल में ठंड ने पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ डाले हैं। बीती रात को शिमला का न्यूनतम तापमान सामान्य से 7 डिग्री नीचे गिरने के बाद 3.6 डिग्री सेल्सियस रह गया है। इससे पहले, 22 अप्रैल 2021 को शिमला का न्यूनतम तापमान 4 डिग्री दर्ज किया गया था। मौसम विभाग के पास 2003 से आज तक का डाटा उपलब्ध है। इस रिकॉर्ड के हिसाब से पिछले 23 सालों में बीती रात शिमला में सबसे ठंडी रही। इसी तरह राज्य के अन्य शहरों के तापमान में भी भारी गिरावट दर्ज की गई है। पहाड़ों पर बारिश-बर्फबारी और ओलावृष्टि के बाद जनवरी-फरवरी जैसी ठंड लौट आई है। तीन शहरों का तापमान माइनस में चला गया है, जबकि तीन जगह पांच डिग्री से नीचे लुढ़क चुका है।

बारामती उपचुनाव में सुनेत्रा की जीत तय

बारामती, जेएनएन। महाराष्ट्र की राजनीतिक रूप से अहम बारामती विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में अब बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। कांग्रेस ने इस सीट से उम्मीदवार आकाश विश्वनाथ मोरे का नाम वापस लेने का फैसला किया है। इसके साथ डिप्टी सीएम सुनेत्रा पवार का निर्विरोध चुना जाना तय माना जा रहा है। बारामती के चुनावी रण से अब तक 23 उम्मीदवारों ने नाम वापस लिए हैं। कांग्रेस राज्य इकाई ने नामांकन वापस लेने के ऐलान कर दिया है। बारामती को पवार परिवार का गढ़ माना जाता है। पूर्व डिप्टी सीएम अजित पवार यहां से लगातार 8 बार जीत दर्ज कर चुके थे। अजित पवार के निधन के बाद हो रहे उपचुनाव में क्षेत्र में सहानुभूति की लहर साफ देखी जा रही है। इसी भावनात्मक माहौल के बीच उनकी पत्नी और मौजूदा उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार को प्रत्याशी बनाया गया। शुरुआत में सुनेत्रा पवार को निर्विरोध जिताने की अपील की जा रही थी, लेकिन कांग्रेस के उम्मीदवार उतारे जाने से मुकाबला हाई-प्रोफाइल बन गया था।

कांग्रेस उम्मीदवार ने भी वापस लिया नाम

MADHUR CARGO
Packers & Movers
A Unit of Shree Madhur Transport Co.
Contact : 9713068681
OUR SERVICES
24/7 Hours Service
- HOUSE HOLD SERVICE
- LOADING/UNLOADING
- MOVING & SHIFTING
- PACKING SERVICE
- OFFICE SHIFTING
- TRANSPORTATION PAN INDIA
SAFE & ECONOMICAL MOVING SERVICE
B-34, Madhur Plaza Near Gurudwara Transport Nagar Kokta, Bhopal PIN-462028

वर्गीकृत

जागरण क्लासीफाइड
डबल धमाका
हमारा वादा, कम में ज्यादा
एक के साथ एक फ्री स्कीम
रनिंग क्लासीफाइड के साथ
भोपाल संस्करण ₹300/- | संपूर्ण म.प्र. संस्करण ₹500/-
विज्ञापन बुकिंग हेतु संपर्क करें 9826065324
डिस्प्ले क्लासीफाइड ₹50/-
Email : advtbhopaljagran@gmail.com

अण्डा
BHOPAL EGG RATE 465/-
Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry

सलाह
पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाई करने से पूर्व आवश्यक/सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है। -व्यवस्थापक

M.P. MADHYA KSHETRA VIDYUT VITARAN CO. LTD.
(A Govt. of M. P. Undertaking)
Office Add. : DY. GENERAL MANAGER (STM-STC) DN. (O&M) Circle M,DEEP, BUDNI, BHAIRUNDA, E-mail : mpczdgmstcombhopal@gmail.com
No.:DGM/STC/Dn./Veh/26-27/44 MBB, Dated : 09.04.2026

OFFER FOR HIRING VEHICLE

MPMKVVCL hereby invited offer/rate for hiring the below mentioned type of vehicle in the following locations:-

Name of Unit/Office	Particulars	Due Date of submission of offer	Opening Date & Time
D.G.M.(STM-STC) Dn. (O&M) Circle MPMKVVCL M,deep, Budni,Bhairunda	F-4 Mini Pick up - Double cabin with ladder/ Any Low-End SUV half open from backside for carriage of man, materials, ladder, etc. or equivalent(Air-conditioned) (For Double shift)	21.04.2026 Up to 3:00 PM	21.04.2026 at 3:30 PM

Other details, terms and conditions are available on Company website https://portal.mpcz.in or the under signed office.
M.P. Madhyam/125290/2026 D.G.M. (STM-STC) DN. (O&M) CIRCLE, M.B.B.

बैंक ऑफ़ इंडिया

आंचलिक कार्यालय:
भोपाल अंचल बैंक ऑफ इंडिया भवन, जेल रोड, अरेरा हिल्स, भोपाल
फोन : 0755-2556770, 2555169
E-mail: bhopal.assetrecovery@bankofindia.bank.in

परिशिष्ट - IV क [नियम 8(6) का परन्तुक देखें]

अचल संपत्ति के विक्रय हेतु ई-नीलामी सूचना

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण एवं प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के नियम 8(6) के अन्तर्गत अचल संपत्तियों की बिक्री हेतु विक्रय सूचना

आम जनता को साधारणतः एवं निम्न वर्णित अचल संपत्तियों के ऋणियों एवं जमानतदारों को विशेषतः सूचित किया जाता है कि निम्नवर्णित संपत्तियाँ **बैंक ऑफ इंडिया (सुरक्षित लेनदार)** के पास बंधक है तथा बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा नीचे वर्णित संपत्तियों का उसके **भौतिक /सांकेतिक कब्जा** ले लिया गया है। निम्नवर्णित संपत्तियों का विक्रय दिनांक **28.04.2026** को **बैंक ऑफ इंडिया (सुरक्षित लेनदार)** के बकाया राशि को वसूल करने हेतु "जैसा है जहां है, जो है जैसा है" एवं "जो कुछ भी है" के आधार पर किया जा रहा है। आरक्षित मूल्य एवं धरोहर राशि का विवरण निम्नानुसार है। नीलामी अधोहस्ताक्षरी द्वारा ई-नीलामी प्लेटफार्म के वेबपोर्टल **http://BAANKNET.com** पर संपन्न होगी।

ऋणी /जमानतदार का नाम मांग नोटिस राशि	बंधक रखी संपत्ति का विवरण एवं संपत्ति के बंधककर्ता का नाम	आरक्षित मूल्य / धरोहर राशि / बिड वृद्धि राशि
बैरसिया रोड शाखा, बैरसिया, फोन : 07565-282234, 9424727991 A/c to Deposit Auction Sale Proceeds 901690200000033 IFSC Code : BKID0009016		
ऋणी: **श्रीमती रितु साहू पत्नि श्री रामबाबू साहू** सहऋणी: **श्री रामबाबू साहू पुत्र रामचरण साहू** मांग सूचना राशि: ₹ 9,56,853.54/- + ब्याज एवं अन्य खर्चे मांग सूचना दिनांक : 21.08.2025 कब्जा दिनांक : 28.11.2025 (सांकेतिक)	संपत्ति का समस्त भू भाग स्थित एक मंज़िला मकान, प.ह.नं. 111/24 हरसिद्धि कॉलोनी, टिकनखेड़ी वार्ड नं.-14 बैरसिया, ज़िला भोपाल, मध्य प्रदेश, कुल क्षेत्रफल- 600 वर्गफिट, खसरा नं. 69/1 का भाग, संपत्ति मालिक- श्रीमती रितु साहू (सहऋणी) चर्तुसीमाएं: उत्तरः श्रीमती तोमर का घर, दक्षिणः नरसिंह शर्मा का प्लॉट, पूर्वः 20 फिट चौड़ी सड़क, पश्चिमः अशोक पाठक का घर।	₹ 12,17,000/- ₹ 1,22,000/- ₹ 10,000/-
प्रोफेसर कालोनी शाखा, भोपाल फोन : 9145504042 Account to deposit auction sale proceeds- 900690200000033 IFSC Code : BKID0009006		
ऋणी: **श्री संजय कुमार दिवाकर पुत्र श्री बदामीलाल दिवाकर** जमानतदार: **श्री गिरीश जी कामत पुत्र श्री पी वी कामत** मांग सूचना राशि: ₹ 8,16,616/- + ब्याज एवं अन्य खर्चे मांग सूचना दिनांक : 19.09.2025 कब्जा दिनांक : 13.02.2026 (सांकेतिक)	बंधक संपत्ति स्थित फ्लैट नंबर एस-04, (1बीएचके) खसरा नंबर 221/2/1, 221/2/2 का भाग, प्लॉट नं. 49, प.ह.नं. 26/42, वार्ड नं. 84, सेक्टर-ए, वंश टावर नटराज गृह निर्माण समिति मर्यादित, रतनपुर सड़क तहसील हुजूर जिला भोपाल (म.प्र.) क्षेत्रफल-499.26 वर्गफुट या 46.36 वर्गमीटर, संपत्ति मालिक- श्री संजय कुमार दिवाकर चर्तुसीमाएं: पूर्व-गलियारा पश्चिम-अन्य का प्लॉट, उत्तर-अन्य का प्लॉट दक्षिण-फ्लैट नंबर एस-05	₹ 11,00,000/- ₹ 1,10,000/- ₹ 10,000/-
मंडीदीप शाखा, मंडीदीप फोन : 7869529853 A/c to Deposit Auction Sale Proceeds 906290200000033 IFSC Code : BKID0009062		
ऋणी: **श्री अमित भाटी पुत्र श्री अनिल भाटी** मांग सूचना राशि: ₹ 9,81,484.40 + दिनांक 29.07.2024 से ब्याज एवं अन्य खर्चे एवं मांग सूचना दिनांक : 02-08-2024 कब्जा दिनांक : 13-12-2024 (सांकेतिक)	रिहायशी संपत्ति स्थित फ्लैट क्रमांक एसएफ-04, छठी मंजिल, एमआईजी ब्लॉक क्रमांक 1-ए, शीतल मेगा हाइट्स अपार्टमेंट, खसरा क्रमांक 177/3/1, 178/2 का भाग, शीतल मेगा सिटी फेज-III, ग्राम- पिपलिया गज्जू तहसील गोहरगंज, जिला- रायसेन, मकान क्रमांक 246, शीतल मेगा सिटी पीएच-01, (म.प्र.), प्लाट क्षेत्रफल- 51.30 वर्गमीटर संपत्ति मालिक- श्री अमित भाटी, चर्तुसीमाएं:- पूर्व में - कॉलोनी रोड, पश्चिम में - कॉरिडोर और फ्लैट क्रमांक एस.एफ. 03, उत्तर में - फ्लैट क्रमांक एस.एफ. - 05, दक्षिण में - फ्लैट क्रमांक एस.एफ.-01	₹ 6,58,000/- ₹ 65,800/- ₹ 10,000/-
अरेरा हिल्स शाखा, भोपाल, फोन : 6205098050, 9716311233 Account to deposit auction sale proceeds- 900790200000033, IFSC- BKID0009007		
ऋणी: **श्री भरत चंदेल पुत्र श्री रेखराम चंदेल एवं श्रीमती मीना चंदेल पत्नि श्री भरत चंदेल** मांग सूचना राशि: ₹ 6.83 लाख + दिनांक 27.06.2024 से ब्याज एवं अन्य खर्चे मांग सूचना दिनांक : 27.06.2024 कब्जा दिनांक : 27.08.2024	फ्लैट क्रमांक SF-11, द्वितीय तल, शीतल सिटी अपार्टमेंट, वार्ड क्रमांक 23, मंडीदीप, स्टेशन रोड, तहसील गोहरगंज, जिला रायसेन (म.प्र.) संपत्ति मालिक- श्री भरत चंदेल, क्षेत्रफलः 450 वर्गफीट, डीड के अनुसार चर्तुसीमाएं: उत्तरः गज्जू पिपलिया रोड नीचे, दक्षिणः शीतल सिटी कॉलोनी पूर्वः फ्लैट क्रमांक एसएफ-10, पश्चिमः शीतल सिटी कॉलोनी गेट	₹ 8,42,000/- ₹ 84,200/- ₹ 10,000/-
बैरसिया रोड शाखा, बैरसिया, फोन : 07565-282234, 9424727991 A/c to Deposit Auction Sale Proceeds 901690200000033 IFSC Code : BKID0009016		
ऋणी: **श्री राजमल नागर** पुत्र श्री दरियाव सिंह नागर जमानतदार- श्री सुभाष पुत्र श्री देवकरन मांग सूचना राशि: ₹ 36,97,745.87 + ब्याज एवं अन्य खर्चे एवं मांग सूचना दिनांक : 12-12-2018 कब्जा दिनांक : 28-03-2019 (सांकेतिक)	बंधक संपत्ति दो मंजिला कमर्शियल दुकान सह रिहायशी भवन स्थित ग्राम- हर्राखेड़ा, बैरसिया रोड, पटवारी हल्का नं. 38, हर्राखेड़ा, तहसील-बैरसिया, जिला- भोपाल (म.प्र.) क्षेत्रफल- 600 वर्गफिट संपत्ति मालिक- श्री राजमल नागर पुत्र श्री दरियाब सिंह नागर, चर्तुसीमाएं- उत्तर-2 फिट चौड़ी गली, दक्षिण- 2 फिट चौड़ी गली/वर्तमान में टीकाराम, पूर्व- बैरसिया भोपाल रोड, पश्चिम- अतीकउर रहमान की जमीन	₹ 21,50,000/- ₹ 2,15,000/- ₹ 10,000/-

ई-नीलामी की दिनांक एवं समय : दिनांक 28.04.2026, को सुबह 11.00 बजे से सायं 5.00 बजे तक

ई-नीलामी की शर्ते :-
(1) ई-नीलामी /बिडिंग "ऑन लाइन इलेक्ट्रानिक बिडिंग" के माध्यम से "जैसा है जहां है, जो है जैसा है" एवं "जो कुछ भी है" के आधार पर वेबसाइट http://BAANKNET.com पर की जावेगी। इच्छुक निविदाकर्ता को सुझाव दिया जाता है कि निविदा प्रक्रिया में भाग लेने से पूर्व वेबसाइट में नियम एवं शर्तों की जानकारी प्राप्त करें।
(2) संपत्ति का निरीक्षण दिनांक 27.04.2026 को या उससे पहले सुबह 10 से सायं 5 बजे तक संबंधित शाखा प्रबंधक की पूर्व अनुमति से किया जा सकता है।
(3) बिक्री की पुष्टि होने होने पर सफल खरीदार को बिक्री मूल्य का 25 प्रतिशत (जिसमे ईएमडी के लिए पहले भुगतान की गई रकम शामिल हैं) तुरंत जमा करानी होगी एवं शेष 75 प्रतिशत राशि 15 दिन के अंदर ऊपर दिये गए शाखा के अकाउंट नंबर मे जमा करना होगा। निर्धारित समय सीमा मे राशि जमा न करने की स्थिति मे बोलिकर्ता द्वारा जमा राशि बिना किसी सूचना के जब्त कर ली जायगी।
(4) बोली निर्धारित आरक्षित मूल्य से अधिक कीमत पर शुरू होगी।
(5) यदि संपत्ति की विक्रय राशि रु. 50 लाख (रुपये पचास लाख) या उससे ऊपर हो उस परिस्थिति में नीलामी खरीददार को विक्रय राशि का 1% टी.डी.एस. का भुगतान करना होगा तथा टीडीएस सर्टिफिकेट की मूल प्रति बैंक में जमा करनी होगी।
(6) सफल खरीददार को संपत्ति पर भुगतान की जाने वाली सांविधिक देयताएं/ असांविधिक देयताएं/ स्टाम्प ड्युटी / अतिरिक्त स्टाम्प ड्यूटी/ ट्रांसफर शुल्क / सभी शुल्क / असेसमेंट चार्जेस / अन्य प्रभार जिसमें पंजीयन शुल्क, स्टाम्प ड्युटी, कर, लागू टीडीएस इत्यादि व्ययों का भुगतान करना होगा।
(7) प्राधिकृत अधिकारी के पास किसी भी या सभी प्रस्ताव को आगे बढ़ाने / निरस्त अथवा ई-नीलामी की नियम एवं शर्तों में परिवर्तन करने का अधिकार सुरक्षित होगा।
(8) अधिक जानकारी हेतु उपरोक्त वर्णित दूरभाष क्र. पर संबंधित शाखा प्रबंधक से संपर्क करें: अथवा अंचल कार्यालय, भोपाल फोन : 0755-2556770 / 2555169 से संपर्क करें।
नोट - यह नोटिस प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8(6) के अन्तर्गत ई-नीलामी आयोजित करने हेतु उक्त ऋणी / उधारकर्ता / जमानतदारों को 30 दिवसीय विक्रय सूचना भी है।
स्थान : भोपाल, दिनांक : 09.04.2026 प्राधिकृत अधिकारी बैंक ऑफ इंडिया

अग्नि सुरक्षा की अनदेखी पर आठ बिल्डिंगें सील

जागरण, इंदौर। ब्रजेश्वरी एनएक्स अग्निकांड के बाद प्रशासन अलर्ट मोड में आ गया है। शहरभर में अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं की जांच शुरू करते हुए अधिकारियों ने कई बिल्डिंगों में खामियां पाए जाने पर कार्रवाई करते हुए आठ बिल्डिंगें सील कर दी हैं। गुरुवार को गीताभवन और भंवरकुआं क्षेत्र में बिल्डिंगों की जांच की गई। कई संस्थानों में अग्नि सुरक्षा के उपकरण नहीं पाए गए। इसके बाद अफसरों ने उन्हें सील करने की कार्रवाई की।

सोन अभयारण्य में 7 मादा घड़ियालों ने दिए अंडे

जागरण, सीधी। सोन घड़ियाल अभयारण्य में तीन साल से रुके प्रजनन चक्र आखिरकार फिर से शुरू हो गए हैं। अधीक्षक प्रमोद सिंह ने बताया कि हाल ही में सात मादा घड़ियालों ने अंडे दिए हैं। यह अभयारण्य के लिए एक महत्वपूर्ण सफलता मानी जा रही है। तीन साल पहले अभयारण्य का एकमात्र नर घड़ियाल सोन नदी के बहाव में बहकर बिहार चला गया था। इसके कारण प्रजनन पूरी तरह रुक गया और घड़ियालों की संख्या पर संकट मंडराने लगा था।

नल-जल योजना: 2 करोड़ का काम, 12 करोड़ का किया भुगतान

अंजड़ नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष, सीएमओ समेत 9 के खिलाफ एफआईआर

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश के बड़वानी जिले की अंजड़ नगर परिषद में पेयजल योजना में हुए घोटाले की छानबीन के बाद ईओडब्ल्यू की इंदौर यूनिट ने इस मामले में नगर परिषद के तत्कालीन अध्यक्षों, अधिकारियों और ठेकेदार कंपनी के खिलाफ धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया है। पड़ताल में उजागर हुआ है कि करीब 12 करोड़ रुपये के इस टेंडर में जमीनी स्तर पर केवल 2 करोड़ का ही काम किया गया, जबकि ठेकेदार को 12 करोड़ का भुगतान कर दिया गया। लगभग 10.20 करोड़ के इस घोटाले में अब शुरुआत 2016 में हुई थी, जब सरकार ने अंजड़ के 2700 घरों में नल कनेक्शन देने के लिए 12 करोड़ 20 लाख रुपये मंजूर किए थे। इस काम का ठेका सोरठिया वेल्जी रत्ना एंड कंपनी को दिया गया था और 18 माह में कंपनी को काम पूरा करना था। काम समय पर पूरा न होने पर बिल की राशि से 10 प्रतिशत कटौती का भी प्रावधान था। इसके बाद भी ठेकेदार को बगैर कार्य पूर्णता प्रमाण-पत्र के ही पूरी रकम दे दी गई। जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि सरकारी

दस्तावेजों जैसे माप पुस्तिका और कैशबुक में न तो काम का सही विवरण दर्ज है और न ही अधिकारियों व ठेकेदार के हस्ताक्षर हैं। इसके बजाय कागजों में गलत एंट्री कर भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने की कोशिश की गई। ईओडब्ल्यू ने इस मामले में नगर परिषद की तत्कालीन अध्यक्ष मंजुला राकेश पाटीदार और पुष्पा परमार, तत्कालीन सीएमओ सुरेंद्र सिंह परमार, अमरदास सैनानी और मायाराम सोलंकी को मुख्य आरोपी बनाया है। इनके साथ ही तत्कालीन इंजीनियर दिनेश पटेल, तत्कालीन लेखापाल हुकुमचंद मालवीय, ठेकेदार कंपनी के प्रोपराइटर परेश सोरठिया और ठेकेदार मिनेष मकवाना के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की गई है।

आठ साल चली जांच अब गिरफ्तारी की तैयारी

इन सभी पर आरोप है कि इन्होंने ठेकेदार से मिलीभगत कर अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन किया और काम पूरा न होने के बावजूद 10.20 करोड़ का एक्सट्रा पेमेंट कर दिया। ईओडब्ल्यू ने आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 420, 467, 468, 471, 409, 120बी के तहत धोखाधड़ी, फर्जी दस्तावेज बनाना, अमानत में खयानत, साजिश रचने और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 (सी) व 13(1) ए के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है। अब जल्द ही इस मामले में गिरफ्तारियां भी हो सकती हैं। गौरतलब है कि इस मामले की शिकायत लगभग आठ साल पहले की गई थी, जिसके बाद ईओडब्ल्यू ने गहराई से पड़ताल कर पहले सबूत जुटाए और उसके बाद आरोपियों पर शिकंजा कसा।

30 हजार छात्रों के परिणामों पर रोक बरकरार

नर्सिंग कॉलेज फर्जीवाड़ा: परीक्षा परिणाम घोषित करने की अनुमति से हाईकोर्ट का इंकार

जागरण, जबलपुर। नर्सिंग कॉलेज फर्जीवाड़ा संबंधित याचिका की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनस सराफ की युगलपीठ ने शैक्षणिक सत्र 2022-23 के जेएनएम प्रथम वर्ष का परीक्षा परिणाम घोषित किये जाने अनुमति देने से इंकार कर दिया है। याचिकाकर्ता की ओर से बताया गया कि हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद अनसूटेबल कॉलेज के छात्रों को सूटेबल कॉलेज में स्थानांतरित नहीं किया गया है। युगलपीठ ने सुनवाई के बाद एमपी नर्सिंग काउंसिल को विस्तृत जानकारी पेश करने के निर्देश जारी किये हैं। लॉ स्टूडेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष विशाल बघेल की ओर से यह मामला दायर किया गया था। इसमें कहा गया था कि प्रदेश में संचालित अधिकांश नर्सिंग

कॉलेज मापदंडों की पूर्ति किये बिना सिर्फ कागजों में संचालित हो रहे हैं। अधिकांश नर्सिंग कॉलेज के भवन तक नहीं हैं। एक कमरे में संचालित कॉलेज में लैब, लाइब्रेरी से संचालित हो रहे हैं। निर्धारित मापदंड की पूर्ति नहीं करने वाले कॉलेज को मान्यता प्रदान की गयी है। हाईकोर्ट ने प्रदेश में संचालित नर्सिंग कॉलेजों की जांच सीबीआई को सौंपी थी। सीबीआई ने सूटेबल, अनसूटेबल तथा आंशिक कमी वाले कॉलेज की सूची हाईकोर्ट में पेश की गयी थी। याचिका की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने अनसूटेबल कॉलेज के छात्रों को सूटेबल कॉलेज में स्थानांतरित करने के आदेश जारी किये थे। याचिका पर गुरुवार को हुई सुनवाई के दौरान एमपी नर्सिंग काउंसिल की ओर से शैक्षणिक सत्र 2022-23 के जेएनएम प्रथम वर्ष के लगभग 30 हजार छात्रों का परीक्षा परिणाम घोषित किये जाने अनुमति प्रदान करने हाईकोर्ट में आवेदन प्रस्तुत किया था। याचिकाकर्ता की ओर से बताया गया कि छात्रों को सूटेबल कॉलेज में स्थानांतरित नहीं किया गया है। युगलपीठ ने सुनवाई के बाद उक्त आदेश जारी किये। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता आलोक बागरेचा ने पैरवी की।

सौ फीसदी महिला आरक्षण मामले में जवाब तलब

जागरण, जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने नर्सिंग ऑफिसर के पद सौ फीसदी महिलाओं के लिए आरक्षित करने के मामले को गंभीरता से लिया है। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की युगलपीठ ने मामले में मध्य प्रदेश के लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग को नोटिस जारी कर जबाब पेश करने के निर्देश दिये है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में हो रही नर्सिंग ऑफिसर की भर्ती में पुरुष उम्मीदवारों को पूरी तरह बाहर रखने के निर्णय को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है । याचिकाकर्ता विनोद सनोदिया और एक अन्य उम्मीदवार द्वारा याचिका में 2 अप्रैल 2026 को जारी भर्ती विज्ञापन और विभाग के भर्ती नियम के किए गए संशोधनो को असंवैधानिक बताया था। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया है कि विज्ञापन में नर्सिंग ऑफिसर के सभी 1,256 पद केवल महिला उम्मीदवारों के लिए आरक्षित कर दिए गए हैं। यह मप्र सिविल सेवा (महिलाओं की नियुक्ति के लिए विशेष प्रावधान) नियम 1997 का उल्लंघन है। याचिका में कहा गया है कि पुरुष उम्मीदवारों को भर्ती प्रक्रिया से पूरी तरह बाहर करना संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 16 के तहत प्राप्त समानता के मौलिक अधिकारों का हनन है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि पुरुष और महिला दोनों उम्मीदवार एक संस्थानों में, एक ही पाठ्यक्रम और परीक्षा के माध्यम से नर्सिंग की प्राप्त करते हैं। इसके बावजूद केवल लिंग के आधार पर उन्हें सार्वजनिक रोजगार से वंचित करना अतार्किक और भेदभावपूर्ण है ।

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त,** संपादक : **राजीव मोहन गुप्त,** स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या. :** 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।